राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
Www.vishalindia.in

विशाल इंडिया

सच्चाई की राह पर!
गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित
वर्ष : 14
अंक : 348
पृष्ठ : 08
गौतमबुद्धनगर
सोमवार 10 नवंबर 2025
मूल्य :2 /-
RNI No .UPHIN/2014/55236

मुख्य अपडेट
पेज 3 कटे सिर की तलाश के लिए साफ किया नाला
पेज 4 कानपुर में बहन के प्रेमी को पीट-पीटकर मार डाला
पेज 6 इरफान पठान की चेतावनी: टी20 के शीर्ष खिलाड़ी को हर गेंद पर

संक्षिप्त खबरें

असम में बड़ी दुर्घटना, झरने में डूबे एनआईटी के 3 छात्र

नई दिल्ली। असम के दीमा हसाओ जिले में सिलचर स्थित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) के तीन विद्यार्थी झरने में डूब गए। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि यह घटना बुलचोल (हमुनथाजाओ) झरने पर हुई। मृतकों की पहचान उत्तर प्रदेश निवासी सौहार्द राय, सर्ववर्तिका सिंह और बिहार निवासी राधिका के रूप में हुई है। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, दुर्घटना उस समय हुई जब एनआईटी के छात्रों का समूह सैर के लिए इस झरने पर गया था। सूचना मिलने के बाद, बचाव टीम मौके पर पहुंची और बचाव अभियान शुरू किया।

खाई में गिरी स्कूल बस; 2 मासूमों की मौत; कई घायल

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के नंदुरबार जिले में मंगलवार को एक बड़ी सड़क दुर्घटना हुई, जहां एक स्कूल बस गहरी खाई में गिर गई। इस घटना दो बच्चों की मौत हो गई और 50 से ज्यादा छात्र घायल हो गए। हादसा तब हुआ जब बच्चे दीवाली की छुट्टियों के बाद स्कूल लौट रहे थे। अधिकारियों के मुताबिक, बस की सीटिंग क्षमता 30 थी लेकिन बस में 56 छात्र बैठे थे। हादसा देवगई घाट क्षेत्र के पास अमलीबारी में हुआ, जहां बस अचानक नियंत्रण खोकर 80-100 फीट नीचे घाटी में गिर गई। यह बस मेहुनबारे, चालीसगांव के एक आश्रम स्कूल की थी और आदिवासी छात्रों को लेकर लौट रही थी।

हैप्पी मॉर्निंग

लड़का- तुमसे कुछ कहना था, कहूं..?
लड़की- हां बोलो...
लड़का- मैं तुमसे प्यार करता हूं... लड़की- करो... करो... मैं भी किसी से करती हूं, सब किसी न किसी से करते हैं...!!!
लड़का बेहोश...

शायरी

नेता बोले – 'मैं जनता का हूँ यार!'
जनता हँसी – 'हर बार यही त्यौहार!'

अर्थसार

सेंसेक्स:
83,216.28
-94.73 (0.11%)
निफ्टी:
25,492.30
-17.40

मौसम

अधिकतम : 26 डिग्री से0
न्यूनतम : 11 डिग्री से0
सूर्योदय मंगलवार : 6 :42
सूर्यास्त सोमवार : 5 :41

दिल्ली एयरपोर्ट के फ्लाइट्स की जीपीएस से छेड़छाड़ हुई

पायलट को रनवे पर खेत दिखे थे, आसमान में विमानों के बीच दूरी बढ़ाकर हादसे टाले

नई दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर दो दिन पहले शुक्रवार को 800 से ज्यादा उड़ानें बाधित होने के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। अब तक की जांच और एक्सपर्ट्स से मिली जानकारी में सामने आया है कि जीपीएस यानी ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम के सिग्नल से छेड़छाड़ की बड़ी साजिश की गई थी।

जानकारी के अनुसार, 6 से 7 नवंबर शाम लगभग 7 बजे तक के दौरान पायलट्स को जीपीएस से फेक सिग्नल मिल रहे थे। इससे कॉकपिट स्क्रीन पर विमान की पोजिशन ही बदल गई और एक नकली तस्वीर सामने आने लगी।

इसकी वजह से रनवे के बजाए खेत दिखने लगे और विमान की ऊंचाई को लेकर भी भ्रम की स्थिति पैदा हो गई। फिर विमानों के पायलट्स जीपीएस सिस्टम बेस्ड ऑटो मैसेजिंग की बजाए मैनुअल पोजीशन पर शिफ्ट हो गए।

ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम में भी असर पड़ा

जीपीएस में छेड़छाड़ की वजह से एटीसी (एयर ट्रैफिक कंट्रोल) को भी देरी से कॉर्डिनेट मिलने लगे। ऐसे में विमानों को दिल्ली एयरपोर्ट पर लैंड कराने की जगह जयपुर और आसपास के हवाई अड्डों की ओर डायवर्ट कर दिया गया।

एयर ट्रैफिक बढ़ने से एयर स्पेस में विमानों की आपस में दूरी को बढ़ाया गया। जिसके चलते किसी भी बड़े हादसे को टाला जा सका।

7 नवंबर को आईजीआई पर एटीसी के ऑटोमैटिक मैसेज स्विच सिस्टम में तकनीकी खराबी से फ्लाइटस ऑपरेशन 12 घंटे से ज्यादा प्रभावित रहा था। 800 से ज्यादा डोमेस्टिक और इंटरनेशनल फ्लाइट्स देरी से उड़ीं थीं, जबकि 20 को रद्द करना पड़ा था। एयरपोर्ट का ऑपरेशन 48 घंटे के बाद नॉर्मल हुआ।

'वोट चोर, गद्दी छोड़'

कोलकाता में 'वोट चोर, गद्दी छोड़' अभियान के तहत विरोध प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस समर्थकों ने नारे लगाए।

कश्मीर में पाकिस्तान का नेटवर्क, 120 जगह छापे

- सिम कार्ड, डिजिटल डिवाइस जब्त; आतंकियों के मददगार 2 पुलिस अधिकारी बर्खास्त

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में दो पुलिस अधिकारियों को आतंकवादियों से संबंध रखने और उनकी मदद करने के आरोप में बर्खास्त कर दिया गया है। बर्खास्त अधिकारियों की पहचान अब्दुल लतीफ और मोहम्मद अब्बास के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार, अब्दुल लतीफ आतंकवादियों के संपर्क में था और उनका सपोर्ट कर रहा था। स्नह्वक्रदर्ज की गई है और वह फिलहाल डोडा जेल में बंद है। वहीं दूसरे अधिकारी के खिलाफ 4 स्नह्वक्रदर्ज हैं।

कश्मीर में आतंक नेटवर्क को तोड़ने के लिए सुरक्षा एजेंसियों ने शनिवार को बड़ी कार्रवाई की। जम्मू-कश्मीर पुलिस, काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर और नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) की संयुक्त टीमों ने 120 से ज्यादा ठिकानों पर छापेमारी की थी। छापों के दौरान मोबाइल फोन, सिम कार्ड, डिजिटल डिवाइस और अन्य सामग्री जब्त की गई थी।

जांच एजेंसियों के मुताबिक, यह ऑपरेशन खास खुफिया इनपुट के आधार पर किया गया। जानकारी मिली थी कि जेल में बंद और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में बैठे आतंकियों के रिश्तेदार बडगाम, कुलगाम और शोपियां जैसे दूरदराज इलाकों से उनके संपर्क में हैं। इन पर भारत में पाकिस्तान का प्रोपेगेंड फैलाने का आरोप है।

राहुल गांधी को एमपी में 10 पुश अप की सजा

कांग्रेस जिलाध्यक्षों के ट्रेनिंग कैंप में लेट पहुंचे थे, कैंप इंचार्ज ने पनिशमेंट दी

भोपाल। मध्य प्रदेश के हिल स्टेशन पचमढ़ी में राहुल गांधी को 10 पुश अप लगाने की सजा मिली। यह सजा कांग्रेस नेता ने ही उन्हें लेट आने पर दी। राहुल गांधी शनिवार को पचमढ़ी के होटल हाईलैंड में चल रहे कांग्रेस जिला अध्यक्षों के ट्रेनिंग कैंप में तय समय से लेट पहुंचे थे। इस पर कांग्रेस ट्रेनिंग डिपार्टमेंट के हेड सचिन राव ने कहा- हमारे प्रशिक्षण शिविर में अनुशासन का पालन न करने पर पनिशमेंट दिया जाता है। राहुल गांधी ने पूछा कि मेरे लिए क्या तय किया है? तो सचिन राव ने कहा- आपको 10 पुशअप लगाने होंगे। इसके बाद राहुल गांधी ने जिला अध्यक्षों के सामने दस पुश अप लगाए।

बंगाल के तारकेश्वर में 4 साल की बच्ची से रेप

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के तारकेश्वर में एक चार साल की बच्ची से रेप का मामला सामने आया है। घटना शनिवार की है। बच्ची रेलवे शेड में अपनी दादी के पास सो रही थी, तभी आरोपी उसे मच्छरदानी काटकर उठा ले गए। आरोपियों ने बच्ची से दुष्कर्म के बाद उसे नाली में फेंक दिया था। जब बच्ची नहीं मिली तो परिजन ने उसकी खोजबीन शुरू की। मासूम नाली के पास खून से लथपथ बेहोशी की हालत में मिली। उसके गालों पर दांतों से काटने के निशान भी थे। बंजारा समुदाय की बच्ची को पहले लोकल हॉस्पिटल ले जाया गया। बाद में चंदननगर सब-डिवीजन हॉस्पिटल में रेफर कर दिया गया। उसकी हालत गंभीर बताई गई है। पुलिस ने बताया मामले की जांच जारी है।

दिल्ली में एयर पॉल्यूशन का विरोध करने वाले अरेस्ट

लोग बोले- पब्लिक मर रही, कोई पॉलिसी नहीं; सरकार डेटा छिपा रही है

नई दिल्ली। दिल्ली में बढ़ते एयर पॉल्यूशन के खिलाफ रविवार को इंडिया गेट पर लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। शाम होते-होते पुलिस ने लोगों को इंडिया गेट से हटाया। इस दौरान कई लोगों को डिटेन किया गया।

विरोध करने वालों में मौजूद पर्यावरण कार्यकर्ता भवरीन कंधारी ने कहा कि बच्चों की सेहत तेजी से बिगड़ रही है। हर तीसरे बच्चे के फेफड़े प्रदूषण से प्रभावित हैं। एक और प्रदर्शनकारी अभिषेक ने कहा कि सरकारें एक-दूसरे पर आरोप लगाने में लगी हैं, जबकि लोगों को स्वच्छ हवा का बुनियादी अधिकार भी नहीं मिल रहा।

प्रदर्शनकारियों का कहना था कि सरकार के पास प्रदूषण से निपटने के लिए न कोई प्लानिंग और न ही पॉलिसी है। सरकार प्रदूषण का डेटा भी छिपा रही है।

इंडिया गेट पर कई महिलाएं अपने बच्चों के साथ पहुंची थीं। लोगों ने केंद्र और राज्य सरकार से साफ हवा की मांग की। वहीं, पुलिस ने कहा कि विरोध करने वाले बिना परमिशन के इंडिया गेट पर जमा हुए। डीसीपी देवेश कुमार महला ने कहा कि यह एक्शन एहतियातन लिया गया। विरोध के लिए केवल जंतर-मंतर ही तय जगह है।

दिल्ली में एक्यू 400 पहुंचा, यह सबसे खराब स्तर

रविवार सुबह दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स इस सीजन के अपने सबसे खराब स्तर पर पहुंच गया। जो कई इलाकों में 400 पार रहा, ये सबसे खराब लेवल माना जाता है। धूप खुलने के बाद इसमें मामूली सुधार हुआ था, एक्यू 391 रिकॉर्ड किया गया। दिल्ली में धुंध की चादर छा गई। वहीं, तापमान भी सामान्य से 11.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार रविवार शाम 4 बजे एक्यू 370 पर था, जिससे शहर रेड जोन में आ गया। सीपीसीबी के मुताबिक दिल्ली पंजाबी बाग में सबसे अधिक 425, बवाना में 410, जहांगीरपुरी में 401 और नेहरू नगर और वजीरपुर में 400 एक्यूआई रिकॉर्ड किया गया। वहीं, एनसीआर के इलाकों में नोएडा में सबसे ज्यादा 354 एक्यूआई दर्ज किया गया। गाजियाबाद में 345 और ग्रेटर नोएडा में 340 एक्यूआई रहा।

स्कॉर्पियो ने 4 को कुचला, परिवार की लाशें सड़क पर बिखरीं

रीवा में हुआ हादसा, मृतकों में 3 लोग एक ही परिवार के

रीवा। रीवा जिले के गढ़ थाना क्षेत्र में रविवार को तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने सड़क पार कर रहे चार लोगों को कुचल दिया। हादसे में चारों की मौत हो गई, इनमें दो बच्चे हैं। मरने वाले तीन लोग एक ही परिवार के थे। हादसे में दो लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

जानकारी के मुताबिक हादसे से पहले तीन लोग पैदल सड़क पार कर रहे थे, जबकि एक व्यक्ति बाइक पर जा रहा था। इसी दौरान स्कॉर्पियो ने उन्हें टक्कर मार दी।

हादसे के बाद तीन शव काफी देर तक सड़क पर ही पड़े रहे। घटना से गुस्साए स्थानीय लोगों ने जमकर हंगामा किया। सूचना मिलते ही गढ़ और मनगवां थाना पुलिस मौके पर पहुंची। हादसे के बाद काफी देर तक रीवा-प्रयागराज मार्ग पर जाम की स्थिति रही। जाम खुलवाने में पुलिस प्रशासन को काफी मशक्कत करनी पड़ी। वहीं, हादसे में घायलों का हाल जानने कलेक्टर प्रतिभा पाल, कमिश्नर बीएस जामोद और एसपी शैलेंद्र सिंह अस्पताल पहुंचे।

हादसे में इनकी मौत हुई

रामनरेश साकेत पिता रामसिया साकेत (35) निवासी ग्राम तेंदुआ कोठार
रुचि साकेत पिता रामनरेश साकेत (12) निवासी ग्राम तेंदुआ कोठार
रचना साकेत पिता कन्हैया साकेत (13) निवासी ग्राम तेंदुआ कोठार
कमलेश सिंह (35) पिता रामसिया सिंह निवासी ग्राम हर्रो

हादसे में दो लोग घायल

सुलेखा साकेत पिता मुन्नीलाल साकेत
सौम्या साकेत पिता मुन्नीलाल साकेत

गुजरात एटीएस ने आईएसआईएस के तीन आतंकी पकड़े

देश में कई जगह हमले करने की प्लानिंग कर रहे थे, हथियार जमा करने पहुंचे थे गुजरात

अहमदाबाद। गुजरात एटीएस ने आतंकी गतिविधियों में शामिल तीन लोगों को अहमदाबाद के अडालज से गिरफ्तार किया है। एटीएस टीम पिछले कुछ दिनों से इन पर नजर रख रही थी। पुख्ता जानकारी मिलने के बाद एटीएस ने रविवार सुबह तीनों को गिरफ्तार कर लिया। जांच में पता चला है कि तीनों आईएसआईएस के लिए काम कर रहे थे।

दो यूपी से, एक हैदराबाद का निवासी

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार किए गए दो आरोपी उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं, जबकि तीसरा आतंकी हैदराबाद का निवासी है। तीनों यूपी से गुजरात के अडालज पहुंचे थे। इनके पास से तीन पिस्तौल, 30 कारतूस और भारी मात्रा में केमिकल बरामद किया गया है।

देश में कई जगहों पर हमले की योजना थी

एटीएस को जानकारी मिली है कि आतंकी हथियार जमा करने के लिए गुजरात आ रहे थे और इनकी योजना देश में कई जगहों पर हमले करने की थी। तीनों आतंकी दो अलग-अलग मॉड्यूल का हिस्सा हैं। एटीएस के रडार पर मौजूद आतंकी देश में किन जगहों पर हमला करने वाले थे, इसकी जाच शुरू कर दी गई है। गुजरात एटीएस दोपहर करीब 1: 30 बजे एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर आगे की जानकारी देगी।

4 महीने पहले भी पकड़ाए थे 4 आतंकी

इससे पहले गुजरात एटीएस ने अगस्त महीने में चार आतंकियों को गिरफ्तार किया था। इनमें से दो को गुजरात, एक दिल्ली और एक नोएडा से अरेस्ट किया गया था। चारों नकली नोटों के रैकेट और आतंकी संगठन से लोगों को जोड़ने का काम कर रहे थे।

ये ऐसे एप्स का उपयोग कर रहे थे जिसमें कंटेंट अपने आप डिलीट हो जाता है। चारों अल कायदा से जुड़े अल कायदा इन इंडियन सबकॉन्टिनेंट के लिए काम कर रहे थे। ये सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और कुछ संदिग्ध ऐप्स के जरिए लोगों से संपर्क कर रहे थे।

एटीएस के मुताबिक आरोपियों की उम्र 20 से 25 साल के बीच है और ये भारत में आतंकी हमलों की साजिश रच रहे थे। इन आतंकियों को कुछ खास और संवेदनशील ठिकानों को निशाना बनाने के निर्देश दिए गए थे। ये चारों आतंकी सोशल मीडिया ऐप्स के माध्यम से एक-दूसरे से जुड़े हुए थे। जांच में यह भी सामने आया है कि इनका संपर्क सीमा पार बैठे आतंकियों से भी था।

जेल बना रिसॉर्ट — **जुहैब आईएसआईएस के लिए फंड जुटाता, भर्ती करता था; उमेश 18 मर्डर कर चुका**

बेंगलुरु सेंट्रल जेल में आतंकी, सीरियल किलर फोन चला रहे

बेंगलुरु। बेंगलुरु की पराप्पना अग्रहरा सेंट्रल जेल के अंदर का एक वीडियो सामने आया है जिसमें आईएसआईएस आतंकी जुहैब हमीद शकील मन्ना फोन इस्तेमाल करता दिख रहा है। शकील को एनआईए ने 17 नवंबर 2021 को दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया था, उस पर युवाओं को आतंकी संगठन में भर्ती करने और फंड जुटाने का आरोप है।

इसके अलावा वीडियो में सीरियल किलर और रेपिस्ट उमेश रेड्डी को भी मोबाइल फोन इस्तेमाल करते हुए देखा जा सकता है। कुछ कैदी जेल के अंदर टीवी देखते भी नजर आ रहे हैं। हालांकि अभी इस वीडियो की पुष्टि होनी बाकी है।

भाजपा विधायक विजेंद्र येदियुरप्पा ने सोशल मीडिया पर वीडियो के स्क्रीन शॉट शेयर किए हैं। उन्होंने कहा- कर्नाटक की जेल अब रिसॉर्ट में बदल गई हैं। परप्पना अग्रहारा जेल में देशद्रोही आतंकियों, बलात्कारियों, तस्करों और हत्यारों को विशेष सुविधाएं दी जा रही हैं।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने भी कहा कि मामले की गहन जांच होगी और जल्द रिपोर्ट मांगी गई है। जेल के डीजी बी. दयानंद ने जांच के निर्देश दिए हैं।

विजेंद्र येदियुरप्पा ने कहा- कर्नाटक अपराधियों और आतंकियों के लिए स्वर्ग बन गया है- इसका सबसे बड़ा उदाहरण पराप्पना अग्रहारा जेल है। कांग्रेस सरकार के शासन में नैतिकता का पूर्ण अभाव और शर्मनाक कुप्रशासन साफ तौर पर यहां दिखाई दे रहा है।

विकृत मानसिकता वाले अपराधी उमेश रेड्डी जैसे बलात्कारियों को और ड्रग्स के लिए युवाओं की भर्ती करने वाले आतंकी जिहाद हमीद शकील मन्ना को विशेष सुविधाएं और विलासिता दी जा रही हैं। यह अत्यंत निंदनीय और देशद्रोह जैसा कृत्य है। यह जेल प्रशासन और अधिकारियों की मिलीभगत को दर्शाता है।

जेल प्रशासन की सफाई

जेल प्रशासन ने लग्जरी सुविधाएं देने के आरोपों को खारिज किया है। अधिकारियों का कहना है, हमें वीडियो की जानकारी है। इसकी जांच की जा रही है और तथ्य जुटाए जा रहे हैं।

यूपी के गांजा तस्कर के घर 2 करोड़ कैश मिला

पुलिसवाले गिनते-गिनते थके; झोले-बोरे में रखे थे 100, 50 और 20 रुपए के नोट

प्रतापगढ़। यूपी के प्रतापगढ़ में एक तस्कर के घर पर पुलिस ने जब छापा मारा, तो 2 करोड़ रुपए कैश मिले। पूरी रकम 100-50 और 20 रुपए के नोटों की थी। पुलिसवालों ने नोट गिनने शुरू किए, लेकिन कुछ ही देर में गिनते-गिनते थक गए। कई महिला पुलिसकर्मी तो पसीना तक पोंछने लगीं।

इसके बाद पुलिस ने नोट गिनने की 4 मशीनें मंगाई और उनसे काउंटिंग पूरी की। इस पूरी घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें नोटों का अंबार दिख रहा है।

शनिवार सुबह करीब 9 बजे सीओ समेत पुलिस की 4 टीमें गांजा तस्कर राजेश मिश्रा के घर पहुंची। मुंदीपुर मानिकपुर के शातिर राजेश मिश्रा पर गांजा, स्मैक तस्करी समेत 14 केस दर्ज हैं। गैंगस्टर भी लगा है। वह इन दिनों जेल में बंद है।

4 गाड़ियों से आए 22 पुलिसकर्मियों ने घर में जांच शुरू की। पुलिस ने घर के एक-एक कोने की तलाशी ली। इस दौरान पन्नियों, झोलों और बोरों में नोट मिले। पुलिसवालों ने सभी नोटों को एक जगह इकट्?ठा किया। टीम को एसपी दीपक भूकर लीड कर रहे थे।

संपादकीय

'भारत की राजनीति चौराहे पर : क्या बिहार से दिल्ली हिलेगी?'

जब बिहार बन गया भारत का बैरोमीटर

14 नवंबर को जब बिहार के चुनाव नतीजे आएँगे, तब सिर्फ़ एक राज्य की सत्ता नहीं, बल्कि भारत की दिशा तय होगी।
यह चुनाव किसी एक मुख्यमंत्री या दल की जीत-हार का सवाल नहीं — यह जनता के धैर्य, असंतोष और उम्मीद की परीक्षा है।
क्योंकि अब बिहार सिर्फ़ बिहार नहीं रहा, यह भारत की राजनीति का बैरोमीटर बन चुका है।

जितेन्द्र चौधरी, प्रधान संपादक, विशाल इंडिया हिंदी दैनिक

एनडीए की बेचैनी — नीतीश की चुप्पी बहुत कुछ कहती है

नीतीश कुमार की खामोशी भाजपा के लिए मौन संदेश है।
जिस गठबंधन ने कभी 'सुशासन' का नारा दिया था, वही आज 'संतुलन' के लिए संघर्ष कर रहा है।
भाजपा और जेडीयू के रिश्ते अब मित्रता से अधिक मजबूरी का गठबंधन लगते हैं।
सीट बाँट से लेकर प्रचार तक, हर जगह अविश्वास की दीवार दिखी।

भाजपा के भीतर भी बेचैनी है —

मोदी ब्रांड की थकान साफ़ दिख रही है।
हर राज्य में 'डबल इंजन' का नारा अब ईंधन मांग रहा है, और जनता पूछ रही है—
'डबल इंजन किसके लिए, जनता के लिए या सत्ता के लिए?'

इंडिया गठबंधन की चाल — एकजुटता या अवसर?

राहुल गांधी, तेजस्वी यादव, अखिलेश यादव और प्रियंका गांधी इस चुनाव को राष्ट्रीय जनमत संग्रह की तरह लड़ रहे हैं।
राहुल गांधी का 'वोट चोरी नहीं चलेगी' अभियान लोगों के दिल में उतर चुका है।
तेजस्वी का युवा चेहरा, अखिलेश की सधी भाषा और राहुल का सीधा वार — तीनों मिलकर भाजपा की एकतरफा कथा को चुनौती दे रहे हैं।

पर सवाल यह भी है —

क्या इंडिया गठबंधन सिर्फ़ मोदी-विरोधी मंच है या जन-समाधान का विकल्प भी है?
जनता अब सिर्फ़ नारों से नहीं, विकल्पों से उम्मीद रखती है।

जनता का मूड — सत्ता की जमीं खिसक रही है

बेरोज़गारी चरम पर है, महंगाई इतिहास बना चुकी है, और शिक्षा-स्वास्थ्य का हाल बदतर।
न्यू इंडिया के चमकदार नारों के नीचे पुराना भारत कराह रहा है।
वह युवा जो कभी 'मोदी-मोदी' के नारों में खो गया था, अब 'कब तक?' पूछने लगा है।
कब तक वादे अधूरे रहेंगे?
कब तक हर चुनाव 'हिंदू-मुस्लिम' के नाम पर लड़ा जाएगा?
बिहार की जनता इस बार शायद विकास नहीं, सच्चाई का जनादेश देने जा रही है।

मीडिया की भूमिका — चौथा खंभा या प्रचार मंच?

आज मीडिया का एक बड़ा हिस्सा लोकतंत्र का प्रहरी नहीं,
सत्ता का प्रवक्ता बन चुका है।
हर न्यूज़ डिबेट अब सवालों से नहीं,
स्लोगन से शुरू होती है — 'मोदी हैं तो मुमकिन है।'
लेकिन अब जनता यह पूछ रही है —
'क्या सवाल पूछना नामुमकिन है?'

क्या दिल्ली की गद्दी अब हिलेगी?

बिहार का फैसला सिर्फ़ पटना की कुर्सी तय नहीं करेगा,
यह तय करेगा कि दिल्ली की गद्दी कितनी स्थिर है।
अगर नीतीश कुमार और विपक्ष की चाल ने ह्ह्रु की ज़मीन हिला दी,
तो 2025 भारत के लिए मध्यावधि चुनाव का संकेत बन सकता है।
राजनीति अब चौराहे पर है —
एक रास्ता सत्ता की अहंकारी निरंतरता की ओर जाता है,
दूसरा जनता की जागरूक पुनर्जागरण की ओर।
और इतिहास गवाह है —
जब जनता जागती है, तो दिल्ली सचमुच हिल जाती है।

वोट चोरी : देश चाहता राहुल के सवालों के बिंदुवार जवाब

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गाँधी इन दिनों सत्ता व चुनाव आयोग की मिलीभगत के कथित नेटवर्क को लेकर काफ़ी आक्रामक हैं। विगत 7 अगस्त से लेकर गत 5 नवंबर तक वे चार बार देश के मीडिया के समक्ष अनेक प्रमाणों सहित सार्वजनिक रूप से यह दावे कर चुके हैं कि चुनाव आयोग सत्ता की कठपुतली के रूप में काम करते हुये %वोट चोरी% कर रहा है। जिस तरह 7 अगस्त को उन्होंने अपनी इस तरह की पहली प्रस्तुति में कर्नाटक के महादेवपुरा निर्वाचन क्षेत्र को केंद्र में रखते हुये यहाँ 1,00,250 फ़र्ज़ी वोट जोड़े जाने का आरोप लगाया था जिसमें 11,956 डुप्लीकेट वोटर, 40,009 अमान्य पते, 10,452 बल्क रजिस्ट्रेशन अर्थात एक ही पते पर 80 लोग, 4,132 अमान्य फ़ोटो, और 33,692 फ़ॉर्म 6 का दुरुपयोग जैसे अनेक गंभीर आरोप लगते हुये कहा था कि चुनाव आयोग भाजपा के साथ मिलकर वोट चोरी करते हुये एक व्यक्ति, एक वोट के सिद्धांत का उल्लंघन कर रहा है। ।ठीक उसी तर्ज़ पर उन्होंने पिछली 5 नवंबर को दिल्ली में मीडिया के समक्ष हरियाणा के अक्टूबर 24 के चुनावों में बड़े पैमाने पर हुई कथित धांधली का भी भंडाफोड़ किया। इस बार सुबूतों के साथ चुनाव आयोग पर लगाये गए उनके आरोप और भी अधिक गहरे व गंभीर थे। उन्होंने यहाँ आरोप लगाया कि 2024 के राज्य विधानसभा चुनाव में 25 लाख वोट चुराए गए। उन्होंने अपनी इस प्रस्तुति को H Files" का नाम दिया तथा अपने इन गंभीर रहस्योद्घाटन को सत्ता व चुनाव आयोग के लिये हाइड्रोजन बताया। राहुल गांधी ने दावा किया कि हरियाणा में भी 5,21,619 डुप्लीकेट वोटर पाए गए जबकि 93,174 मतदाताओं के पते अमान्य मिले। इसी तरह 19,26,351 बल्क वोटर पाए गये और 1,24,177 मत ऐसे मिले जिनपर फ़र्ज़ी फ़ोटो लगाई गयी थी। इन्हीं फ़र्ज़ी फ़ोटो में एक चित्र एकब्राज़ीलियन मॉडल का भी इस्तेमाल किया गया जिसके फ़ोटो पर 10 अलग अलग बूथों पर अपना नाम बदल बदल कर 22 बार मतदान किया गया था। जब उस ब्राज़ीलियन मॉडल लैरिसा नेरी को ब्राज़ील में यह पता लगा कि उस के चित्र का प्रयोग भारत के वोटर लिस्ट में बार बार सीमा, स्वीटी, सरस्वती जैसे 22 अलग अलग नामों के साथ किया गया है तो उसने कहा कि वह इससे पूरी तरह अनजान हैं। उसने एक वीडियो में हैरानी जताते हुए कहा दोस्तों, मैं आपको एक मज़ाक़ सुनाती हूं—यह बहुत भयानक है! वे भारत में चुनावों के लिए मेरी पुरानी तस्वीर का इस्तेमाल कर रहे हैं, जिसमें मुझे भारतीय दिखा रहे हैं।

पूरे विश्व में भारतीय आर्थिक दर्शन को लागू करने का समय अब आ गया है

प्रह्लाद सबनानी

भारतीय आर्थिक दर्शन का वर्णन चारों वेद (ऋग्वेद, सामवेद, यजुर्वेद एवं अथर्ववेद), 18 पुराण, उपनिषद, विदुरनीति, कौटिल्य अर्थशास्त्र, थिरुवल्लुवर, मनुस्मृति, शुक्रनीति, डॉक्टर एम जी बोकारे द्वारा लिखित हिंदू अर्थशास्त्र, श्री दत्तोपंत ठेंगढ़ी द्वारा रचित पुस्तक थर्ड वे आदि शास्त्रों एवं धार्मिक पुस्तकों में मिलता है।

बिना सर्जरी के एक हफ्ते में बवासीर से छुटकारा पाने का असरदार तरीका!

आज, वैश्विक स्तर पर कई देशों में विभिन्न प्रकार की आर्थिक समस्याएं दिखाई दे रही हैं, जिनका हल ये देश निकाल नहीं पा रहे हैं। आज विश्व के सबसे अधिक विकसित देश अमेरिका में भी मुद्रा स्फीति, बेरोजगारी, ऋण की राशि का असहनीय स्तर पर पहुंच जाना, विदेशी व्यापार में लगातार बढ़ता घाटा, नागरिकों के बीच आय की असमानता का लगातार बढ़ते जाना (अमीर नागरिक और अधिक अमीर हो रहे हैं एवं गरीब नागरिक और अधिक गरीब हो रहे हैं), बजट में वित्तीय घाटे का लगातार बढ़ते जाना एवं इन आर्थिक समस्याओं के चलते देश में सामाजिक ताने बाने का छिन्न भिन्न होना, जैसे, जेलों की पूरी क्षमता का उपयोग और इन जेलों में कैदियों के रखने लायक जगह की कमी होना, तलाक की दर में बेतहाशा वृद्धि होना, मकान की अनुपलब्धि के चलते बुजुर्गों का खुले में पार्कों में रहने को मजबूर होना, आदि ऐसी कई प्रकार की आर्थिक एवं सामाजिक समस्याएं दिखाई दे रही हैं। उक्त समस्याओं के चलते ही अब अमेरिकी अर्थशास्त्रियों द्वारा खुले रूप से कहा जाने लगा है कि साम्यवाद पर आधारित अर्थव्यवस्थाओं के असफल होने के उपरांत अब पूंजीवाद पर आधारित अर्थव्यवस्थाओं के भी असफल होने का खतरा मंडराने लगा है, और यह अब कुछ वर्षों की ही बात शेष है। उक्त समस्याओं के हल हेतु अब पूरा विश्व ही भारत की ओर आशाभारी नजरों से देख रहा है और तीसरे आर्थिक मॉडल की तलाश कर रहा है।

भारतीय आर्थिक दर्शन का वर्णन चारों वेद (ऋग्वेद, सामवेद, यजुर्वेद एवं अथर्ववेद), 18 पुराण, उपनिषद, विदुरनीति, कौटिल्य अर्थशास्त्र, थिरुवल्लुवर, मनुस्मृति, शुक्रनीति, डॉक्टर एम जी बोकारे द्वारा लिखित हिंदू अर्थशास्त्र, श्री दत्तोपंत ठेंगढ़ी द्वारा रचित पुस्तक थर्ड वे आदि शास्त्रों एवं धार्मिक पुस्तकों में मिलता है। इस प्रकार भारतीय आर्थिक दर्शन की जड़ें सनातन हिंदू संस्कृति से जुड़ी हुई हैं। भारतीय आर्थिक दर्शन की नीतियों का अनुपालन करते हुए ही प्राचीन काल में भारत में विभिन्न राजाओं द्वारा अपने अपने राज्यों की अर्थव्यवस्था सफलतापूर्वक चलाई जाती रही है।

भारतीय आर्थिक दर्शन में विपुलता के सिद्धांत की व्याख्या मिलती है जिसके अनुसार, बाजार में वस्तुओं की आपूर्ति सदैव ही मांग से अधिक रहती थी। इस सिद्धांत के चलते चूंकि उत्पादों की बाजार में पर्याप्त आपूर्ति रहती थी अत: वस्तुओं के बाजार भाव में वृद्धि नहीं दिखाई देती थी, अत: भारत में प्राचीनकाल में मुद्रा स्फीति की समस्या सर्वथा, थी ही नहीं। जबकि, आज विभिन्न देशों की अर्थव्यवस्थाओं में मुद्रा स्फीति की समस्या सबसे बड़ी समस्या है जिसका हल निकालने में ये देश सक्षम नहीं दिखाई दे रहे हैं। विपुलता के सिद्धांत के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में ही विभिन्न उत्पादों का उत्पादन किया जाकर स्थानीय हाट बाजार में इन उत्पादों का विक्रय किया जाता था, जिससे स्थानीय स्तर पर ही स्वावलम्बन का भाव जागृत होता था। कुछ इलाकों में 40/50 गांवों के बीच साप्ताहिक हाट की व्यवस्था विकसित की गई थी। इन साप्ताहिक हाटों में लगभग सभी प्रकार के उत्पादों का विक्रय किया जाता था।

चूंकि स्थानीय स्तर पर निर्मित विभिन्न उत्पादों की पर्याप्त मात्रा में बाजार में उपलब्धि रहती थी, अत: इन उत्पादों की कीमतें भी अपने आप ही नयंत्रित रहती थीं और इस प्रकार प्राचीन भारत में मुद्रा स्फीति के स्थान पर घटते हुए मूल्य के अर्थशास्त्र का वर्णन मिलता है। पूरे विश्व में, इस संदर्भ में, वर्तमान स्थिति भारतीय आर्थिक दर्शन के ठीक विपरीत दिखाई देती है जो किसी भी स्थिति में उचित नहीं कही जा सकती है। दरअसल, मुद्रा स्फीति का सबसे बुरा असर गरीब वर्ग पर पड़ता है और आज वैश्विक स्तर पर उत्पादन इकाईयां विभिन्न वस्तुओं की बाजार में आपूर्ति को विपरीत रूप नियंत्रित करती हैं ताकि इन उत्पादों की बाजार में कीमत बढ़ सके एवं इन उत्पादन इकाईयों के लाभ में वृद्धि दर्ज हो सके। पूंजीवाद पर आधारित अर्थव्यवस्था में उत्पादन इकाईयों का मुख्य उद्देश्य ही अधिकतम लाभ कमाना होता है और इस मूल्य वृद्धि से समाज के गरीब एवं मध्यम वर्ग पर कितना बोझ बढ़ रहा है, इससे उन्हें कोई मतलब नहीं रहता है। प्राचीन भारत में मुद्रा स्फीति की समस्या इसलिए भी नहीं रहती थी क्योंकि प्राचीनकाल में भारतीय आर्थिक दर्शन के अनुसार प्रतिस्पर्धा के सिद्धांत का अनुपालन सुनिश्चित होता था। ग्रामीण क्षेत्रों में लगने वाले हाट बाजार में उत्पादों के विक्रेताओं के बीच में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा रहती थी। उत्पाद बेचने वाले स्थानीय विक्रेताओं की पर्याप्त संख्या रहती थी एवं साथ ही इनके बीच अपने अपने उत्पाद बेचने की प्रतिस्पर्धा रहती थी ताकि अपने अपने उत्पाद शीघ्र ही बेचकर वे अपने अपने ग्रामों में सूरज डूबने के पूर्व वापिस पहुंच सकें। इस प्रकार के कारणों के चलते कई बार तो विक्रेता अपने उत्पादों को सस्ते भाव में बेचना चाहता था अत: बाजार में उत्पादों के मूल्यों में कमी भी दिखाई देती थी। आज, वैश्विक स्तर पर निगमित क्षेत्र में कार्यरत कम्पनियों के बीच आपसी प्रतिस्पर्धा तो एक तरह से दिखाई ही नहीं देती है बल्कि वे आपस में मिलकर उत्पादक संघ (कार्टेल) का निर्माण कर लेती हैं और इन कम्पनियों द्वारा निर्मित उत्पादों के बाजार मूल्यों को अपने पक्ष में नियंत्रित किया जाता हैं ताकि वे इन उत्पादों के व्यापार से अपने लिए अधिकतम लाभ का अर्जन कर सकें। इस पूंजीवादी नीति से इन कम्पनियों की लाभप्रदता में तो वृद्धि होती है परंतु आम नागरिकों की जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है। अत: उक्त पूंजीवादी आर्थिक नीति के चलते आम नागरिकों पर निर्मित होने वाले आर्थिक दबाव को कम करने की दृष्टि से विक्रेताओं द्वारा लाभ अर्जन के संदर्भ में भी भारतीय आर्थिक दर्शन के नियमों का अनुपालन किया जा सकता है।

भारतीय आर्थिक दर्शन के अनुसार, मूल्य सिद्धांत के अंतर्गत, विक्रेता द्वारा स्वयं के द्वारा निर्मित वस्तु की उत्पादन लागत पर 5 प्रतिशत की दर से लाभ जोड़कर उस वस्तु का विक्रय मूल्य तय किया जाना चाहिए एवं यदि उस वस्तु का निर्यात किसी अन्य देश को किया जा रहा है तो उस वस्तु के उत्पादन लागत पर 10 प्रतिशत की दर से लाभ जोड़कर उस वस्तु का विक्रय मूल्य तय किया जाना चाहिए।

इस नीति के अनुपालन से प्राचीन भारत में विभिन्न उत्पादों के बाजार मूल्य लम्बे समय तक स्थिर रहते थे एवं इनके मूल्यों में वृद्धि लगभग नहीं के बराबर दिखाई देती थी। आज पूंजीवादी नीतियों के अंतर्गत विभिन्न उत्पादों के विक्रय मूल्यों पर किसी भी प्रकार का नियंत्रण नहीं है। विशेष रूप से दवाईयों के मूल्य के सम्बंध में नीति का उल्लेख यहां किया जा सकता है। केन्सर एवं दिल की बीमारी से सम्बंधित दवाईयों के बाजार मूल्य लाखों रुपयों में तय किए जाते हैं क्योंकि इन दवाईयों को बेचने का एकाधिकार पैटेंट कानून के अंतर्गत केवल इन दवाईयों का उत्पादन करने वाली कम्पनियों के पास रहता है। केवल लाभ कमाना ही इन कम्पनियों का मुख्य उद्देश्य है, जबकि सनातन हिंदू संस्कृति में किसी अस्वस्थ नागरिक को दवाई उपलब्ध कराने का कार्य सेवा कार्य की श्रेणी में रखा गया है। उक्त वर्णित दवाईयों की बाजार में उपलब्धता बढ़ाकर एवं इन दवाईयों के विक्रय मूल्य को नयंत्रित रखकर कई जीवन बचाए जा सकते हैं। परंतु, पूंजीवादी अर्थव्यवस्था के अंतर्गत तो लाभ कमाना ही मुख्य उद्देश्य है।

आज विश्व के कई देशों में बेरोजगारी की समस्या विकराल रूप धारण करती हुए दिखाई दे रही है एवं इन देशों के पास बेरोजगारी की समस्या को हल करने का कोई उपाय भी सूझ नहीं रहा है। भारत के प्राचीन ग्रंथो में बेरोजगारी की समस्या के संदर्भ के किसी प्रकार का जिक्र भी नहीं मिलता है। स्वयं के नियोजन के सिद्धांत का अनुपालन करते हुए उस समय पर विभिन्न परिवारों द्वारा स्थापित अपने उद्यमों को ही आगे आने वाली पीढ़ी आगे बढ़ाती जाती थी, इससे युवाओं में नौकरी करने का प्रचलन भी नहीं था। अपने पारम्परिक व्यवसाय में ही युवा पीढ़ी रत हो जाती थी अत: बेरोजगारी की समस्या भी बिलकुल नहीं पाई जाती थी। आज पूंजीवादी व्यवस्था के अंतर्गत कोरपोरेट जगत की स्थापना के चलते नागरिकों में नौकरी का भाव जागृत किया गया है। आज प्रत्येक युवा नौकरी की कतार में लगा हुआ दिखाई देता है, लगभग 30 वर्ष की आयु होते होते जब उसे उसकी चाहत के अनुसार नौकरी नहीं मिल पाती है तो वह अपने जीवन के लिए समझौता कर लेता है और किसी भी संस्थान में किसी भी प्रकार की नौकरी करने को मजबूर हो जाता है।

कई इंजीनियर एवं पोस्ट ग्रैजूएट युवा, मजबूरी में आज विभिन्न उत्पादों की डिलीवरी करने एवं टैक्सी चलाने जैसे कार्यों को भी करते हुए दिखाई देते हैं। आज यदि अपने पुश्तैनी व्यवसाय को यह युवा आगे बढ़ा रहे होते तो सम्भवत: उनकी आमदनी भी अधिक होती और उक्त प्रकार के कार्य करने हेतु वे मजबूर भी नहीं होते।

भारत के प्राचीन ग्रंथों में शून्य ब्याज दर के सिद्धांत का भी वर्णन मिलता है। राज्यों के पास धन के भंडार भरे रहते थे एवं समाज में यदि किसी नागरिक को अपना व्यवसाय स्थापित करने के लिए धन की आवश्यकता रहती थी तो वह राजा से धन उधार लेकर अपना व्यवसाय स्थापित कर सकता था एवं राजा द्वारा नागरिकों को दी गई उधार की राशि पर किसी प्रकार का ब्याज नहीं लिया जाता था।

टाईम पास

काकुरो पहेली - 3705

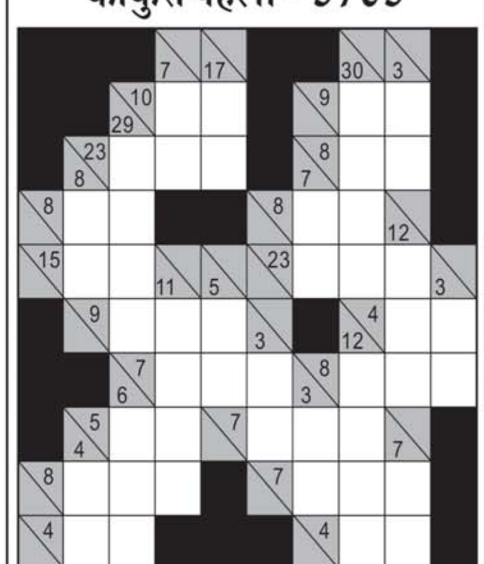

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

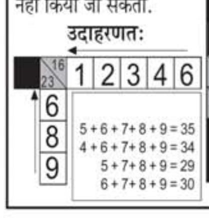

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 3704 का हल

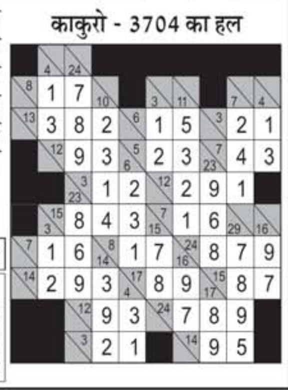

हंसी के फूव्वारें

एक प्रत्याशी ने अपने परिचित वोटर के घर जाकर कहा, 'भैया, ख्याल रखना, मैं खड़ा हूं.'
वोटर ने कोने में रखी कुर्सी की ओर संकेत करते हुए कहा, 'आप खड़े क्यों हैं, बैंठ जाइए.'

□ □ □

आदमी ने अपनी विवाहिता नवयुवती से बड़े प्यार से कहा, 'अब यह घर तुम्हारा है. हर पल इसे सजाने-संवारने की जिम्मेदारी अब तुम्हारी है.'
नवयुवती पत्नी तुनक उठी, 'तो फिर मैं अपना मेक-अप कब करूँगी?'

□ □ □

आजीवन कुंवारा रहने का फैसला करने और फिर उस पर डटे रहने वाले व्यक्ति ने साक्षात्कार के समय अपने उस फैसले का कारण कुछ इन शब्दों में बयान किया-
'मैं विवाह के लिए तैयार था, बल्कि विवाह का सारा इन्तजाम हो चुका था कि एक दिन मैंने अपने ससुर को अपनी होने वाली सास के हाथ से पिटते हुए देखा और नसीहत ग्रहण कर ली.'

□ □ □

प्रेमिका ने बेरोजगार प्रेमी से बड़े प्रेम से पूछा - तुम निकट भविष्य में क्या बनना पसंद करोगे?
बेरोजगार प्रेमी ने तड़ से जवाब दिया- तुम्हारा पति.

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 3705

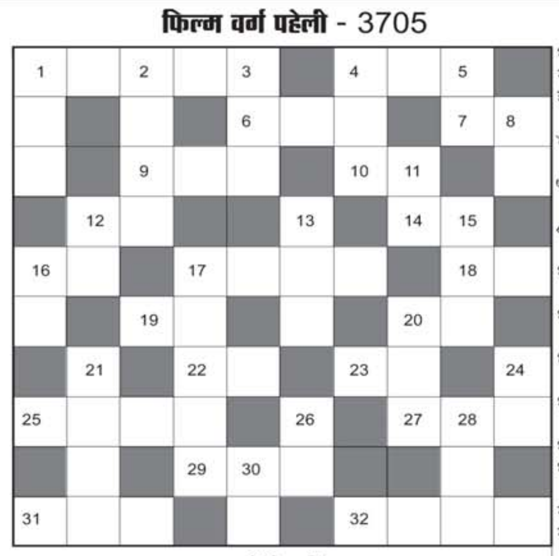

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, शशि, नीतू की 'एक रास्ता है जिंदगी' गीत वाली फिल्म-२,३
४. 'ये नैन डरे डरे' गीत वाली विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-३
६. 'पहला पहला प्यार' गीत वाली सनी, तब्बू, रीमासेन की फिल्म-३
९. संजयदत्त, पूजा भट्ट की 'रहने को घर नहीं है' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'कुछ लोग मुहब्बत करके' गीत वाली राजीव कपूर, डिम्पल की फिल्म-२
१२. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की जोड़ी वाली पहली फिल्म-२
१४. 'डाकिया रोज गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मानसी की फिल्म-२
१६. आमिर खान, माधुरी की 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'थोड़ा है थोड़े की जरूरत' गीत वाली राकेश रोशन, बिंदिया की फिल्म-२,२
१८. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मैंने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-२
१९. सनी देओल, सुनील शेट्टी, अजय जडेजा, सेलिना जेटली की फिल्म-२
२०. 'डकैत' में मीनाक्षी का नायक?-२
२२. फिल्म 'परिंदा' में 'अन्ना' के चरित्र की भूमिका किसने की थी?-२
२३. अमिताभ, जीनत की 'ई है बंबई नगरिया' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'बीती ना बिताई रैना' गीत वाली जीतेंद्र, जया भादुड़ी की फिल्म-४
२७. जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली आफताब, लिसा रे की फिल्म-३
३१. संजीव कुमार, राखी की 'मन मेरा तुझको मांगे' गीत वाली फिल्म-३
३२. 'तारे हैं बाराती' गीत वाली अनिल कपूर, तब्बू की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'कितना प्यारा वादा' गीत वाली फिल्म-३
२. सुनील, किशोर सायरा की फिल्म-४
३. सुनील शेट्टी, करिश्मा, रवीना, सोनाली की 'सुंदरा सुंदरा' गीत वाली फिल्म-३
४. 'देखा तुझे तो' गीत वाली फिल्म जिसमें शाहरूख ने गूँगे की भूमिका की थी-३
५. 'नजरें मिलीं दिल धड़का' गीत वाली संजयकपूर, माधुरी की फिल्म-२
८. अनिलकपूर, श्रीदेवी की 'कभी मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-२
११. 'अबके बरस ये हाल है' गीत किस म्यूजिक एलबम का है-२
१२. विश्वजीत, माला सिन्हा की 'मिजाजे गिरामी दुआ है' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'टक टका टक' गीत वाली संजय कपूर, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-३
१५. ऋषि, सनी, मीनाक्षी की 'बिन साजन झूला झूलूँ' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'शोला और शबनम' की नायिका-२
१७. जैकी श्राफ, संजयदत्त, माधुरी की 'पालकी में होके सवार' गीत वाली फिल्म-५
२०. संजय, विवेकमुशरान, मनीषा की फिल्म-३
२१. जीतेंद्र, नंदा की 'देखते ही तुझे मेरे दिलने कहा' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली राजेश खन्ना, बबीता की फिल्म-२
२६. लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२
२८. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीतवाली फिल्म-३
३०. मिलिंद, राहुल देव, नतान्या सिंह की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 3704

सूडोकु -3705

2	9			5				4
4			2		7		8	
	1	6		8				3
8		5		9				7
3	6			2			1	9
1				3		5		2
5				7		6	3	
	3		1		8			5
9				6			2	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3704 का हल

7	8	1	6	9	4	2	5	3
2	6	4	5	3	6	1	7	9
5	3	9	1	2	7	4	6	8
9	5	8	7	4	1	3	2	6
1	2	3	9	5	6	7	8	4
4	7	6	3	8	2	9	1	5
3	9	7	2	6	5	8	4	1
6	4	2	8	1	9	5	3	7
8	1	5	4	7	3	6	9	2

शब्द पहेली - 3705

बाएँ से दाएँ

1. दयालु.उदार-5
4. गगन,आकाश-4
7. सरिता-2
8. चोगा,गाऊन-3
9. छुट्टी,अवकाश-2
10. आबे हयात,काबा कूप-4
11. रिहा-2
13. खाना,भोजन करना-3
14. जिद-2
15. हिम्मत,बल-3
17. कारागार-2
19. रइसे आजम,सूरी-5
22. दुत्कारना,डांटना-5
25. सराबोर-2
26. भोर,सवेरा-3
28. मूल्य,कीमत-2
29. महीन,बहुत छोटा-3
30. फूंक,दम,सुट्टा -2
32. झंकार,प्रतिध्वनि-4
34. उष्णता,ज्वर-2
36. ओट,चिलमन-3
37. छोटा टुकड़ा-2
38. सराबोर,सना हुआ-4
39. निर्माता,रचना करने वाला-5

ऊपर से नीचे

1. कैदी,बंधक-2
2. मुलायम-3
3. यात्री पोत,तैरता होटल-5
4. उर्दू में अभिवादन-3
5. पिटाई,चोट-2
6. नाजुकता-4
7. नया जीवन-5
10. मर्यादा-4
12. खाली,रिक्त-2
16. लाईन,पंक्ति-3
17. गर्मी का महीना-2
18. उदर-2
20. दीनहीन,दरिद्र-3
21. लश्कर,फौज-2
22. नष्ट,अद्वैतभाव-2
23. व्यवसाय,धंधा-4
24. नाम रखना -2,3
25. होशियार-5
26. सुर आलाप-2,2
27. अधिकार-2
31. प्रतिज्ञा-3
33. आकांक्षा,अभिलाषा-3
35. राह,मार्ग-2
37. टैक्स,हाथ-2

शब्द पहेली -3704 का हल

कटे सिर की तलाश के लिए साफ किया नाला

नोएडा में कार चालकों से पूछताछ, शव की नहीं हो पाई पहचान

नोएडा। सेक्टर-82 कट के पास नाले में गुरुवार को नाले में महिला की सिर कटी लाश मिली थी। 48 घंटे बाद भी पुलिस के हाथ खाली हैं। शनिवार को भी पुलिस ने सर्च अभियान चलाया। घटनास्थल के पास वाले 80 मीटर नाले की जेसीबी से सफाई कराई गई। कई गाड़ी के चालकों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। सफलता नहीं मिल सकी। स्वॉट और सीआरटी समेत अब कुल 13 टीमें महिला की पहचान करने और हत्यारोपी की तलाश में लग गई हैं।

लापता महिलाओं के लोगों ने किया संपर्क

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि महिला की पहचान के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया जा रहा है। शनिवार को गाजियाबाद, दिल्ली और नोएडा के उन आठ लोगों ने पुलिस से संपर्क किया, जिनके घर की महिलाएं या युवतियां बीते दिनों संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हुई हैं। महिला के सिर और हथेली की तलाश में पुलिस ने शनिवार को भी सर्च अभियान चलाया। जंगलों, नालों, झाड़ियों और पार्कों समेत अन्य जगहों पर महिला के सिर को तलाशा गया। इसके अलावा घटनास्थल के पास के 80 मीटर नाले की जेसीबी की मदद से साफ कराई गई।

वहां से निकली कार चालक से पूछताछ

डीसीपी नोएडा ने बताया कि घटना के संबंध में सुराग जुटाने के लिए शनिवार को पांच वाहन चालकों से विस्तृत पूछताछ की गई। कई गाड़ियों को कब्जे में भी लिया गया है। सेक्टर-82 कट के पास गुरुवार सुबह करीब 11 बजे महिला का सिर कटा शव मिला था। महिला के शरीर पर कपड़े नहीं थे। हथेली भी गायब थी। आशंका जताई जा रही है कि महिला की हत्या कहीं की गई। पहचान छिपाने के लिए सिर काटकर उसके शव को नोएडा में फेंका गया। पॉश इलाके में महिला की सिर कटी लाश मिलने का मुद्दा इस समय सुर्खियों में बना हुआ है।

शातिराना तरीके से की गई वारदात

जिसने भी वारदात की है,उसने बेहद शातिराना तरीका अपनाया। उसने शव को नाले में उस जगह फेंका जहां पर डार्क स्पॉट है। ऐसे में पूरी आशंका है कि उसने वारदात के पहले पूरा होमवर्क किया। कैमरे कहां नहीं हैं, इसका पता लगाया। पुलिस अब ब्लैकमेलिंग के पहलू पर भी जांच कर रही है। आशंका है कि प्रेमी ने ब्लैकमेलिंग के कारण महिला की हत्या की हो। पति पर भी हत्या करने का शक है।

ग्रेटर नोएडा में पुलिसकर्मी बनकर ठगी, किराना व्यापारी से ऑनलाइन 70 हजार रुपये हड़पे

जेवर। ग्रेटर नोएडा के दनकौर कस्बे में एक किराना व्यापारी से फोन पर पुलिसकर्मी बनकर अज्ञात ठग ने 70 हजार रुपये की ठगी कर ली। पीड़ित व्यापारी ने रविवार शाम मामले की शिकायत कोतवाली दनकौर की साइबर सेल में दर्ज कराई है।

पीड़ित सुशील मांगलिक ने बताया कि रविवार शाम वह अपनी दुकान पर बैठे थे।

तभी उनके मोबाइल पर एक व्यक्ति का फोन आया। कॉल करने वाले ने खुद को दनकौर कोतवाली का पुलिसकर्मी बताया और करीब 13 हजार रुपये का सामान खरीदने की बात कही।

व्यापारी ने भरोसा करते हुए सामान पैक कर दिया। इसके बाद आरोपी ने ऑनलाइन पेमेंट करने का झांसा देकर एक लिंक भेजा। लिंक पर क्लिक करते ही व्यापारी के बैंक खाते से दो बार में करीब 70 हजार रुपये निकल गए।

जब व्यापारी को ठगी का एहसास हुआ, तो उन्होंने कॉल करने वाले व्यक्ति से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन उसका फोन स्विच ऑफ मिला। इसके बाद पीड़ित ने तुरंत साइबर सेल पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई।

कोतवाली पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत प्राप्त कर ली गई है। मामले की जांच की जा रही है और साइबर सेल तकनीकी माध्यमों से ठग का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

नोएडा में एफएनजी पुल पर पिकअप पलटा

हादसा इतना भयानक 4 लोग पुल से उछलकर 25 फीट नीचे सड़क पर गिरे, 2 की हालत गंभीर

गौतम बुद्ध नगर। नोएडा में तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। एफएनजी पुल पर एक पिकअप गाड़ी बेकाबू होकर पलट गई। इस हादसे में 12 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा इतना भयानक था कि पुल से कुछ लोग उछलकर 25 फीट नीचे सड़क पर गिरे।

मौके पर मौजूद सुशील पंडित ने बताया- यह घटना रविवार शाम लगभग 5 बजे पार्थला बहलोलपुर के पास एफएनजी (फरीदाबाद-नोएडा-गाजियाबाद) पुल पर हुई। बिशरख हनुमान मंदिर की ओर से आ रही इस पिकअप गाड़ी में करीब 13 लोग सवार थे। जिनमें ढोल बजाने वाले, छोटे बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग सभी बैठे थे। गाड़ी हिंडन की तरफ से आ रही थी और सर्फाबाद जा रहे थी। इसी बीच टैंपो डिवाइडर से टकरा गया। और लोग जो पीछे बैठे थे गिर गए। हादसे में 2 लोगों की हालत गंभीर है। जबकि 11 लोग बुरी तरह घायल हैं। सभी को अस्पताल भेजा रहा है।

पुल पर एक घुमावदार मोड़ पर वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। पलटने के बाद एक दर्जन से अधिक लोग पुल पर ही उछलकर गिरे, जबकि 4 से 6 लोग पुल से करीब 25 फीट नीचे जा गिरे। पंडित ने तुरंत 112 और SHO 113 को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस और एम्बुलेंस मौके पर पहुंची।

पुलिस के अनुसार, हादसे में घायल हुए दो लोगों को बिसरख के अस्पताल में रेफर किया गया है। वहीं, तीन से चार अन्य घायलों का भरद्वाज अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने बताया कि ढलान पर अनियंत्रित होने के कारण यह हादसा हुआ, जिससे लोगों के हाथ-पैरों में गंभीर चोटें आई हैं।

यूपी एटीएस ने फरमान नबी सिद्दीकी को किया गिरफ्तार

धार्मिक उन्माद फैलाने का आरोप, हवाला के पैसों का लिंक, बांग्लादेशी , तुर्की नागरिकों को दी पनाह

नोएडा। उत्तर प्रदेश एटीएस ने ग्रेटर नोएडा के कासना में बड़ी कार्रवाई की है।

टीम ने एक निजी कंपनी का भंडाफोड़ किया है। एटीएस ने इसके मुख्य कर्ता-धर्ता फरहान नबी को गिरफ्तार किया है। उसके पास से दो मोबाइल, तीन लैपटॉप और हिंदी, उर्दू, अरबी व बांग्ला भाषा की 12 किताबें बरामद की गई हैं। पूरे मामले की जांच जारी है।

बताया गया कि इस कंपनी में धार्मिक वैमनस्य और विभिन्न समूहों के बीच नफरत फैलाने वाली किताबों का प्रकाशन किया जा रहा था। इन किताबों को लोगों के बीच प्रचार-प्रसार के लिए बांटा जाता था। जांच में पता चला कि किताबों के प्रकाशन के लिए विदेश से हवाला और अन्य माध्यमों से धन भेजा जा रहा था।

फरहान नबी सिद्दीकी और नासी तोर्बा नाम के व्यक्तियों ने कई कंपनियां बनाकर यह नेटवर्क तैयार किया था। यहां तुर्की, जर्मनी और बांग्लादेश के नागरिकों को भी शरण दी जा रही थी। हवाला से आए पैसों से अमरोहा और पंजाब में करीब 11 करोड़ रुपए की जमीन खरीदी गई थी।

धार्मिक वैमनस्य फैलाने की मिली थी सूचना

उत्तर प्रदेश एटीएस को सूचना मिली थी कि ग्रेटर नोएडा के कासना क्षेत्र में कुछ लोग एक निजी कंपनी के जरिये धार्मिक वैमनस्य फैलाने वाली किताबों का प्रकाशन कर रहे हैं।

इन किताबों का वितरण लोगों में प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से किया जा रहा था। बताया गया कि कंपनी में विदेश से हवाला और अन्य माध्यमों से भारी मात्रा में धन भी आ रहा था।

इन कंपनियों के नाम पर चलता था नेटवर्क

एटीएस की जांच में सामने आया कि फरहान नबी, नासी तोर्बा और कुछ अन्य लोगों ने M/S Istanbul International Pvt. Ltd., M/S Hakikat Vakfi Foundation और M/S Real Global E&press Logistic Pvt. Ltd. नाम से कंपनियां खोली थीं।

इन्हीं कंपनियों के माध्यम से हकीकत प्रिंटिंग पब्लिकेशन, कासना में किताबों का प्रकाशन किया जा रहा था।

विदेशी नागरिकों को दी जा रही थी शरण

जांच में यह भी पता चला कि इन कंपनियों में तुर्की और जर्मनी के नागरिकों को फरहान नबी द्वारा बिना किसी सूचना के रुकवाया जाता था। साथ ही, अवैध रूप से भारत आए बांग्लादेशी नागरिकों को भी उसने शरण दी थी।

हवाला से खरीदी गई 11 करोड़ की संपत्ति

फरहान नबी और नासी तोर्बा ने हवाला और अन्य माध्यमों से आए करोड़ों रुपये से उत्तर प्रदेश के अमरोहा और पंजाब में मदरसा, मस्जिद और कंपनियों के नाम पर करीब 11 करोड़ रुपये की जमीन खरीदी।

एटीएस ने मामले में कार्रवाई करते हुए M/S Istanbul International Pvt. Ltd. के सह-निदेशक फरहान नबी सिद्दीकी को कासना (गौतमबुद्ध नगर) से गिरफ्तार किया है।

लैपटॉप और 12 किताबें बरामद

एटीएस टीम ने फरहान के पास से दो मोबाइल फोन, तीन लैपटॉप और हिंदी, उर्दू, अरबी और बांग्ला भाषाओं में प्रकाशित 12 किताबें बरामद की हैं। एटीएस ने इस प्रकरण में मुकदमा दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

शार्ट न्यूज

नोएडा में छात्रों के 2 गुटों में मारपीट

गौतम बुद्ध नगर। नोएडा के थाना सेक्टर-39 क्षेत्र में स्थित एक निजी यूनिवर्सिटी के कैंपस में छात्रों के दो गुटों के बीच जमकर मारपीट हुई। इस घटना के दौरान कैंपस में लात-घूंसे चले, जिससे अफरा-तफरी का माहौल बन गया। मारपीट का यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में छात्र एक-दूसरे पर हमला करते और धक्का-मुक्की करते साफ नजर आ रहे हैं। इसमें सिक्योरिटी गार्ड्स को बीच-बचाव की कोशिश करते हुए भी देखा जा सकता है, लेकिन छात्र नहीं रुके। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले का संज्ञान लिया और जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि यह वीडियो लगभग तीन-चार दिन पुराना है और यूनिवर्सिटी परिसर के भीतर का ही है। पुलिस के अनुसार, इस मामले में किसी भी पक्ष द्वारा कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई थी। हालांकि, वीडियो वायरल होने के बाद दोनों पक्षों के छात्रों के खिलाफ निरोधात्मक कार्रवाई की गई है।

दनकौर में बदमाशों ने घर में घुसकर की चोरी

जेवर। ग्रेटर नोएडा के दनकौर कोतवाली क्षेत्र स्थित चीती गांव में शनिवार रात अज्ञात चोरों ने एक घर से लाखों रुपये के आभूषण और कपड़े चोरी कर लिए। पीड़ित परिवार को घटना की जानकारी रविवार सुबह हुई, जिसके बाद उन्होंने अज्ञात चोरों के खिलाफ कोतवाली में मामला दर्ज कराया है। गांव निवासी नारायण सिंह के घर में देर रात चोरों ने पीछे के दरवाजे का ताला तोड़कर प्रवेश किया। घटना के समय परिवार के सभी सदस्य घर के अंदर सो रहे थे। चोरों ने उस कमरे को निशाना बनाया जिसमें कोई मौजूद नहीं था। सुबह जागने पर परिवार को कमरे का ताला टूटा मिला। जांच करने पर अलमारी में रखे सोने-चांदी के आभूषण और कपड़े गायब पाए गए। घटना की सूचना मिलते ही परिवार में हड़कंप मच गया। रविवार सुबह नारायण सिंह ने दनकौर कोतवाली में अज्ञात चोरों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कोतवाली पुलिस ने बताया कि घटनास्थल का निरीक्षण कर लिया गया है। चोरों की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी का खुलासा किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ की जिला कार्यकारिणी का चुनाव हुआ सम्पन्न

ग्रेटर नोएडा। रविवार को उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ गौतमबुद्धनगर द्वारा पूर्व-निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जनपद कार्यकारिणी का निर्वाचन सम्पन्न हुआ। जिसमें सभी पदाधिकारी निर्विरोध निर्वाचित हुए। निर्वाचनअधिकारी सुबोध शर्मा और विवेक चौधरी की देख-रेख में संपन्न हुई निर्वाचन प्रक्रिया में जिलाध्यक्ष पद पर सतीश भाटी चौथी बार इस पद पर निवाचित हुए। जिला मन्त्री पद पर पवन दुबे, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुधीर सिंह, कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर जितेन्द्र भाटी, सहसचिव पद पर अंकुर गौड, पद पर कोषाध्यक्ष निरंजन मिश्रा और ऑडिटर के पद पर शीतला प्रसाद निर्वाचित हुए। समस्त निर्वाचन प्रक्रिया शान्ति पूर्वक सम्पन्न हुई। कार्यक्रम का संचालन डी पी शर्मा लेखपाल द्वारा किया गया। इस अवसर पर ब्रजेश विकल, के के शर्मा, अतर सिंह यादव और जिला गौतमबुद्धनगर के समस्त लेखपाल उपस्थित रहे।

कुत्तों को भोजन देने के लिए स्थान तय होंगे

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण लावारिस कुत्तों को भोजन देने के लिए (फीडिंग प्वाइंट) स्थान चिह्नित करेगा। सड़क और सार्वजनिक स्थानों पर भोजन खिलाने की अनुमति नहीं होगी। इसमें अपार्टमेंट ऑनर्स एसोसिएशन (एओए), रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) और पशु प्रेमियों की मदद ली जाएगी। इसके लिए सात सदस्यीय समिति गठित की जाएगी। नियमों का उल्लंघन करने पर कार्रवाई की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद प्राधिकरण ने इस संबंध में कार्यालय आदेश जारी किया।अधिकारी के मुताबिक, सात सदस्यीय समिति बनाकर आवारा कुत्तों के लिए निश्चित स्थान बनाए जाएंगे, जहां खाना खिलाने की सुविधा प्रदान की जाएगी। इन स्थानों पर संबंधित एओए और आरडब्ल्यूए द्वारा नोटिस बोर्ड भी लगाए जाएंगे। इससे पशु प्रेमियों को आसानी से पता चल जाएगा कि इन क्षेत्रों में ही खाना खिलाने की अनुमति है। सड़क और सार्वजनिक स्थानों पर खाना खिलाने पर कार्रवाई की जाएगी।

फर्जी खातों के जरिए ठगी करने वाले 4 आरोपी गिरफ्तार

50 लाख से 5 करोड़ तक लिमिट, नोएडा में रोजाना मिलता था 50 हजार

नोएडा। नोएडा में फर्जी दस्तावेजों के जरिए बैंक खाते खुलवाकर साइबर ठगों को खाते उपलब्ध कराने वाले चार लोगों को थाना फेज-3 पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इन खातों का प्रयोग डिजिटल अरेस्ट और अन्य प्रकार के साइबर अपराधों में किया जाता रहा है।

गिरफ्तार लोगों के नाम वरुण प्रताप सिंह, सार्थक गुप्ता, अर्थव दीक्षित और मोनू यादव बताए गए हैं। चारों की इलेक्ट्रॉनिक निगरानी के बाद ग्रीन बेल्ट सेक्टर-66 से सेक्टर-63 की ओर जाते हुए रास्ते से दबोचा गया। अन्य फरार आरोपियों की भी जल्द गिरफ्तारी की जाएगी।

50 लाख से 5 करोड़ लिमिट का खाता

ये चारों आरोपी फर्जी दस्तावेज़ों के आधार पर ऐसे खाते खुलवाते थे जिनकी लिमिट 50 लाख से 5 करोड़ रुपए तक होती थी। साइबर ठगों की ओर से जो डिमांड आती थी, वह खाते इन लोगों द्वारा उपलब्ध करवा दिए जाते थे।

इन खातों का प्रयोग डिजिटल अरेस्ट और निवेश के नाम पर की गई धोखाधड़ी में होता रहा है। बताया जा रहा है कि डिजिटल अरेस्ट के जरिए करोड़ों की धोखाधड़ी की गई है और ऐसे खाते इन्हीं मामलों में इस्तेमाल किए गए होंगे।

फिक्स अमाउंट मिलता था

मोनू यादव ने पुलिस पूछताछ में बताया कि उसने रोहित यादव को किट (अकाउंट-चेक बुक, डेबिट कार्ड, सिम) सप्लाई करने की जिम्मेदारी ली थी।

एक खाते के लिए मोनू को 60,000 रुपए मिलते थे। मोनू ही वरुण प्रताप सिंह और अर्थव दीक्षित से खाते के डिटेल, सिम और डेबिट कार्ड लेकर रोहित यादव को देता था। डील के मुताबिक जब तक वह खाता सक्रिय रहेगा, तब तक रोजाना उस खाते में 50,000 रुपए का भुगतान किया जाना तय था। मोनू ने अब तक तीन खाते बेचने की बात भी कबूली है जिनका विवरण हासिल कर लिया गया है।

पूछताछ में मोनू ने यह भी बताया कि वे टेलीग्राम पर लिंक भेजकर ऑनलाइन गेम के जरिए जनता द्वारा लगाए गए सट्टे के पैसे भी बरामद बैंक के चालू खातों में आते थे। ऐसे खातों की दैनिक लिमिट एक करोड़ रुपए बताई जा रही है। पकड़े न जाने के लिए आरोपियों ने व्हाट्सऐप वॉइस कॉल और डिस्पीयरिंग चैट जैसे तरीके अपनाए ताकि साक्ष्य न मिलें।

नोएडा में मैनपावर सप्लाई को लेकर 2 गुटों में मारपीट

2 घायल, पुलिस ने 2 लोगों को गिरफ्तार किया

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा के ईकोटेक-3 थाना क्षेत्र स्थित एक कंपनी में मैन पावर सप्लाई को लेकर दो गुटों के बीच मारपीट हो गई।

इस दौरान सरजीत और सचिन नामक दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया और उनका मेडिकल परीक्षण करवाया है। मामले में मुकदमा दर्ज कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

जानकारी के मुताबिक, कंपनी में राहुल और राजीव मैन पावर सप्लाई का कार्य करते हैं। इन्हीं के बेटों के बीच आपसी विवाद शुरू हो गया, जो बढ़ते-बढ़ते मारपीट में बदल गया। बताया जा रहा है कि पवन, संजय, शिवम और अन्य साथियों ने सरजीत और सचिन पर हमला कर दिया, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए।

ईकोटेक-3 थाना प्रभारी ने बताया कि झगड़े की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल भिजवाया गया।

एनटीपीसी दादरी ने शान से मनाया परियोजना स्थापना दिवस समारोह

ग्रेटर नोएडा। एनटीपीसी दादरी में रविवार को 42वाँ स्थापना दिवस बड़े उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर प्रशासनिक भवन स्थित सम्मेलन पार्क में एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चंद्रमौलि काशिना, कार्यकारी निदेशक एवं परियोजना प्रमुख एनटीपीसी दादरी रहे। उनका स्वागत विल्सन अब्राहम, महाप्रबंधक मानव संसाधन द्वारा किया गया। इस अवसर पर एके मिश्र, मुख्य महाप्रबंधक एनटीपीसी दादरी, के दुर्गा कुमारी, अध्यक्षा जागृति समाज, सभी महाप्रबंधकगण, विभागाध्यक्षगण, सीआईएसएफ कमांडेंट, एनटीपीसी दादरी कर्मचारीगण, जागृति समाज एवं यूनियन/एसोसिएशन के पदाधिकारीगण, टाउनशिप स्कूलों के प्रधानाचार्य, संविदा कर्मी एवं टाउनशिप निवासियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि के आगमन के साथ हुआ। इसके पश्चात एनटीपीसी गीत के मधुर गायन ने पूरे वातावरण को संगठन भावना और ऊर्जा से भर दिया। अपने प्रेरणादायी संबोधन में काशिना ने एनटीपीसी दादरी के 42वें स्थापना दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए सभी विभागों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की और कर्मचारियों को निरंतर श्रेष्ठता की दिशा में आगे बढ़ते रहने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि एनटीपीसी दादरी की सफलता इसके समर्पित कर्मचारियों की कड़ी मेहनत और टीम भावना का परिणाम है। इसके उपरांत विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार वितरित किए गए, जिनमें व्यावसायिक उत्कृष्टता, 5S पुरस्कार तथा संविदा कर्मियों को उनके उत्कृष्ट कार्यों हेतु सम्मानित किया गया। समारोह के अंत में केक काटकर एवं एनटीपीसी के प्रतीक नीले और सफेद गुब्बारों को आकाश में उड़ाकर इस यादगार दिवस को उल्लासपूर्वक मनाया गया। सभी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों की सहभागिता ने इस आयोजन को वास्तव में प्रेरणादायी, ऊर्जावान और अविस्मरणीय बना दिया।

किसान एकता संघ ने किया आंदोलनकारी किसानों का समर्थन

भारतीय किसान यूनियन (लोक शक्ति) के धरने में होंगे शामिल

जेवर। किसान एकता संघ ने भारतीय किसान यूनियन (लोक शक्ति) के चल रहे किसान आंदोलन को पूर्ण समर्थन देने की घोषणा की है। यह निर्णय रविवार को दनकौर स्थित कैंप कार्यालय में आयोजित एक बैठक में लिया गया।

संगठन ने बताया कि वह आगामी 12 नवंबर को फलैदा कट, यमुना एक्सप्रेसवे पर होने वाले विशाल धरने में सक्रिय रूप से भाग लेकर अपनी एकजुटता दिखाएगा। किसान एकता संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी सोरन प्रधान ने सर्वसम्मति से यह घोषणा की। सोरन प्रधान ने जानकारी दी कि भाकियू (लोक शक्ति) पिछले कई दिनों से किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए आंदोलन कर रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि किसानों के हक और अधिकार की इस लड़ाई में किसान एकता संघ हमेशा अग्रणी भूमिका निभाएगा।

बैठक में वक्ताओं ने कहा कि किसानों को उनकी फसलों का उचित मूल्य, बिजली-पानी की सुविधा और भूमि अधिग्रहण के मुआवजे जैसी बुनियादी समस्याओं का समाधान मिलने तक संघर्ष जारी रहेगा।

बैठक की अध्यक्षता जोरा भाटी ने की और संचालन प्रमोद शर्मा ने किया। इस अवसर पर देशराज नागर, वनीस प्रधान, शौकत अली चेची, आसिफ प्रधान, प्रमोद शर्मा, विक्रम नागर, पप्पे नागर, जेपी नागर, उमरू प्रधान, दुर्गेश शर्मा, वीके चौधरी, कृष्णा मास्टर, डॉ. इरफान, हेमराज बीडीसी, सुभाष भाटी सहित कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

1857 के क्रांतिकारी दरियाव सिंह नागर को किया याद

जेवर। ग्रेटर नोएडा क्षेत्र के जुनेदपुर गांव में रविवार को 1857 की क्रांति के वीर योद्धा राजा राव दरियाव सिंह नागर की शौर्य गाथा को स्मरण करते हुए एक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

यह आयोजन मांगे प्रधान के आवास पर हुआ, जिसमें क्षेत्र भर से सैकड़ों लोगों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में हरियाणा के मशहूर कवि सतीश खटाना और अन्य वक्ताओं ने राजा राव दरियाव सिंह नागर के बलिदान और देशप्रेम को नमन किया। उन्होंने नई पीढ़ी तक उनके संघर्षों को पहुंचाने का आह्वान किया।

सतीश खटाना ने बताया कि राजा राव दरियाव सिंह नागर ने अंग्रेजों से खेतों में हल तक चलवाया था। इस दौरान उपस्थित लोगों ने उनकी शिक्षाओं और देशभक्ति के आदर्शों पर चलने की शपथ ली।

लड़की ने पास की सीए परीक्षा, करप्शन फ्री इंडिया संगठन ने किया सम्मानित

जेवर। ग्रेटर नोएडा के जुनेदपुर गांव की लवनीत नागर ने सीए (चार्टर्ड अकाउंटेंट) परीक्षा उत्तीर्ण कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि पर रविवार को करप्शन फ्री इंडिया संगठन ने उन्हें सम्मानित किया।

संगठन की ओर से लवनीत को उनके जुनेदपुर स्थित आवास पर ट्रॉफी, प्रशस्ति पत्र और फूल मालाएं भेंट की गई। इस अवसर पर पूरे गांव में खुशी का माहौल देखा गया।

करप्शन फ्री इंडिया संगठन के प्रदेश महासचिव मास्टर दिनेश नागर ने कहा कि लवनीत ने कड़ी मेहनत और लगन से यह उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने बताया कि लवनीत क्षेत्र की अन्य बेटियों के लिए प्रेरणा स्रोत हैं और उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में अपनी पहचान बनानी चाहिए।

जिलाध्यक्ष प्रेम प्रधान ने कहा कि एक किसान परिवार से आने वाली लवनीत द्वारा सीए परीक्षा उत्तीर्ण करने से पूरे जुनेदपुर गांव में हर्ष का माहौल है। इस अवसर पर चौधरी प्रवीण भारतीय, आलोक नागर, मास्टर दिनेश नागर, प्रेम प्रधान, एडवोकेट प्रमोद नागर, हरवीर सिंह, कैलाश नागर और आदेश नागर सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

कानपुर में बहन के प्रेमी को पीट-पीटकर मार डाला

मां बोलीं- लड़की को मना किया था, फिर भी हमारे घर आती थी

कानपुर। कानपुर में बहन के प्रेमी को भाई ने पीट-पीटकर मार डाला। पहले भाई ने पीछा करके उसकी बाइक को रोका, तो उनकी बहस होने लगी। लड़की के भाई ने अपने 2 और दोस्तों को बुला लिया। सभी मिलकर युवक को पीटने लगे। उसे जमकर लात-घूसे मारे। इसके बाद लोहे की रॉड से भी मारा। जब वह अधमरा हो गया तो उसे छोड़कर चले गए।

वारदात शनिवार रात रावतपुर थाना क्षेत्र में हुई। घटना का वीडियो भी सामने आया है। इकलौते बेटे की हत्या के बाद मां ने कहा- मुझे भी हत्या का बदला चाहिए। मेरा सबकुछ छीन लिया। युवक की बहन को हमने मना किया था कि हमारे घर मत आओ, लेकिन वह फिर भी आती थी।

अब पढ़िए पूरा मामला...

काकादेव गोपाला टावर के पास चंदेल चौराहे पर लकी यादव (21) प्राइवेट नौकरी करता था। लकी की मां लक्ष्मी ने बताया- घर से 100 मीटर की दूरी पर एम-ब्लॉक काकादेव

कच्ची बस्ती में रोहित रहता है। उसकी बहन और मेरे बेटे लकी में प्रेम संबंध थे।

मेरे बेटे की शादी हो चुकी है, लेकिन उसकी पत्नी शादी के 3 महीने बाद उसे छोड़कर चली गई थी। रोहित की बहन बार-बार मना करने के बाद भी हमारे घर पर आती थी। रोहित उर्फ नंदू चौहान अपनी बहन को रोक नहीं पाया। मेरे बेटे को अपनी बहन से प्रेम-संबंधों की रंजिश में लोहे की रॉड से पीट-पीट कर हत्या कर दी।

दोस्त के साथ घूमने निकला था लकी

लकी की मां ने बताया- मेरा बेटा लकी शनिवार रात 10 बजे मोहल्ले के दोस्त रिशु के साथ बाइक से घर लौट रहा था। इस दौरान रोहित ने अपने 3 दबंग साथियों के साथ उसे गोपाला टावर काकादेव के पास घेर लिया। रिशु तो जान बचाकर भाग निकला, लेकिन रोहित और उसके दोस्तों ने लोहे की रॉड से लकी को पीटा। इससे उसकी मौत हो गई।

हम लोग मौके पर पहुंचे और लकी को हॉस्पिटल लेकर पहुंचे, तो डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हत्या की सूचना पर रावतपुर थाने की पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची।

पुलिस ने रोहित को गिरफ्तार कर लिया है

मां लक्ष्मी की शिकायत पर पुलिस ने रविवार को मुख्य हत्यारोपी रोहित उर्फ नंदू चौहान, अंकुर, मोहित और अभय ठाकुर के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज की है। पुलिस ने वारदात के बाद ही मुख्य हत्यारोपी रोहित उर्फ नंदू चौहान को पकड़ लिया है। जबकि अन्य हत्यारोपियों की तलाश में पुलिस की टीमें छापेमारी कर रही हैं।

सहारनपुर से गिरफ्तार डॉ.अदील के लॉकर से मिली असॉल्ट राइफल

सहारनपुर। सहारनपुर से 7 नवंबर को गिरफ्तार डॉ.अदील अहमद के लॉकर से असॉल्ट राइफल मिली है। उसने ये हथियार अनंतनाग के जीएमसी अस्पताल में छिपा रखे थे। वह जम्मू-कश्मीर में आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद का नेटवर्क खड़ा करना चाहता था। जीएमसी अस्पताल का इस्तेमाल आतंकियों की मदद और हथियार छिपाने के अड्डे के रूप में कर रहा था। ये जानकारियां अब तक की जांच में निकलकर सामने आई हैं। उससे पूछताछ के आधार पर ही हथियार की बरामदगी हुई है। जम्मू में पुलिस उससे अभी पूछताछ कर रही है। आतंकियों से कनेक्शन की पड़ताल की जा रही है। इस केस में अब तक आठ लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। जांच अधिकारियों को अंदेशा है कि उसके कुछ अन्य मददगार अभी छिपे हो सकते हैं। उनकी तलाश के लिए अभियान चलाया जा रहा है। डॉ. अदील अहमद राठर जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग का रहने वाला है। वह सहारनपुर के अंबाला रोड स्थित प्राइवेट अस्पताल फेमस हॉस्पिटल में मेडिसिन विशेषज्ञ के रूप में तैनात थे। कुछ दिन पहले श्रीनगर के कई इलाकों में जैश-ए-मोहम्मद के पोस्टर लगाए गए थे, जिनमें आतंकी संगठन के समर्थन में बातें लिखी थीं।

यातायात माह में डग्गामार वाहनों पर कसा शिकंजा

विशेष अभियान में 32 डग्गामार सहित 109 वाहनों के चालान, 1.07 लाख जुर्माना वसूला

पीलीभीत। यातायात माह नवंबर-2025 के तहत पुलिस विभाग द्वारा लगातार अभियान चलाकर यातायात नियमों के पालन को लेकर सख्त कार्रवाई की जा रही है। यातायात पुलिस ने अवैध रूप से संचालित, अधिक सवारी बैठाकर चलने वाले तथा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के विरुद्ध बड़े स्तर पर चेकिंग अभियान चलाया इस दौरान डग्गामार वाहनों के विरुद्ध विशेष अभियान भी संचालित किया गया। अभियान के अंतर्गत सड़क पर अवैध रूप से संचालित और नियमों की अनदेखी करने वाले वाहनों को रोककर उनके विरुद्ध विधिक कार्यवाही की गई। यातायात पुलिस टीम ने जनपद के प्रमुख मार्गों, बस अड्डों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में अभियान चलाते हुए अतिक्रमण भी हटवाया। इस दौरान 32 डग्गामार वाहनों सहित कुल 109 वाहनों के चालान किए गए और ?1,07,500 का शमन शुल्क वसूला गया। अभियान के साथ ही पुलिस कर्मियों ने आमजन को यातायात नियमों के पालन के लिए जागरूक किया और सुरक्षा से जुड़ी आवश्यक जानकारी दी। पुलिस का कहना है कि यह अभियान आगामी दिनों में और भी कड़ाई के साथ जारी रहेगा ताकि सड़क दुर्घटनाओं पर नियंत्रण पाया जा सके और जन सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

शार्ट न्यूज

घर में घुसकर युवती को पीटा, मुकदमा दर्ज

पूरनपुर। पुरानी कहासुनी को लेकर घर में घुसकर युवती को मारा पीटा। पुलिस ने दो भाइयों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया है। घुंघचाई थाना क्षेत्र के गांव लुकटिहाई निवासी वीरपाल ने बताया कि आठ नवंबर को पुरानी कहासुनी को लेकर गांव के दो सगे भाई घर में घुस आए। आरोप है कि पुत्री अर्चना देवी के साथ गाली गलौच करना शुरू कर दी। विरोध करने पर मारा पीटा। शोर मचाने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देते भाग गए। विवाद को लेकर खलबली मच गई कई लोग मौके पर पहुंच गए। मामले की तहरीर पुलिस को दी गई। पुलिस ने तहरीर के आधार पर विपिन कुमार और अवनीश के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। थाना प्रभारी प्रकाश सिंह ने बताया मामले की तहरीर पर दो सगे भाइयों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। जिसकी विवेचना शुरू कर दी गई है।

पूर्व शिक्षक की अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत

सुबह की सैर के दौरान हुआ हादसा, परिवार में मचा कोहराम

बीसलपुर। नगर के मोहल्ला पटेल नगर निवासी 70 वर्षीय पूर्व शिक्षक केदारनाथ पुत्र रामस्वरूप की रविवार तड़के सड़क दुर्घटना में दर्दनाक मौत हो गई। सुबह लगभग चार बजे वह रोजाना की तरह टहलने के लिए घर से निकले थे। जब वह बीसलपुर-पीलीभीत मार्ग पर स्थित गैस सर्विस गोदाम के पास पहुंचे, तभी एक तेज गति से आ रहे अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन रोते-बिलखते घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया। वृद्ध शिक्षक की असमय मृत्यु से परिजनों में शोक की लहर है।

पुलिस ने दबिश देकर चार वारंटियों को किया गिरफ्तार

ललितपुर। खितवास पुलिस ने चार वारंटियों को रविवार को दबिश देकर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन मे, अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह व क्षेत्राधिकारी महरौनी के पर्यवेक्षण में जनपद में अपराध की रोकथाम व गैर जमानती अपराधियो व वारण्टियो की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना महरौनी पुलिस द्वारा चार वारण्टी/अभियुक्तगण सुखपाल पुत्र चैनू उम्र करीब 42 वर्ष मुकेश पुत्र चैनू उम्र करीब 36 वर्ष शिवराज पुत्र परन्ती उम्र करीब 45 वर्ष देवेन्द्र पुत्र कडौरा उम्र करीब वर्ष नि0 गण ग्राम टेनगा थाना महरौनी जनपद ललितपुर सम्बन्धित केस न0 2733/09 धारा 323/504/506 भादवि को नियमानुसार गिरफ्तार किया गया । वारण्टीगण/ अभियुक्तगण उपरोक्त के विरूद्ध आवश्यक कार्यवाही करते हुये सम्बन्धित माननीय न्यायालय पेश किया जा रहा है। गिरफ्तार करने वाली टीम प्रभारी निरीक्षक राजा दिनेश सिंह उ.नि. साबिर अली चौकी प्रभारी खितवास, का. दिलीप कुमार का. कुलदीप कुमार आदि शामिल रहे।

लखनऊ में मंडलीय बाल विज्ञान प्रदर्शनी 27 नवंबर से

लखनऊ। लखनऊ के राज्य विज्ञान शिक्षा संस्थान की ओर से 53वीं मण्डल स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी राजकीय जुबिली इंटर कॉलेज में 27 और 28 नवम्बर को आयोजित होगी। मंडलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी डॉ.दिनेश कुमार ने बताया कि बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी में लखनऊ मंडल के 6 जिलों के जिला स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी के चयनित जूनियर संवर्ग (हाईस्कूल स्तर), सीनियर संवर्ग (इण्टर स्तर) व विषय आधारित शिक्षक हिस्सा लेंगे। इस साल की बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी का मुख्य विषय विकसित और आत्मनिर्भर भारत के स्टेम एसटीईएम तय किया गया है। प्रदर्शनी में चिरस्थाई कृषि, कचरा प्रबन्धन और प्लास्टिक के विकल्प, ग्रीन एनर्जी,उभरती हुई प्रौद्योगिकी,मनोरंजक गणितीय मॉडलिंग,स्वास्थ्य एवं स्वच्छता,जल संरक्षण एवं प्रबन्धन से जुड़े मॉडल बनाने हैं। तीनों संवर्ग से प्रत्येक उपविषय के तहत स्थिर और क्रियाकारी दोनों मॉडल का प्रदर्शन किया जाएगा। डॉ.प्रदीप कुमार सिंह ने सभी डीआईओएस को अपने अपने जिलों में आयोजित जिला स्तरीय प्रदर्शनी के परिणाम 15 नवंबर तक राजकीय जुबिली इंटर कॉलेज को ईमेल पर उपलब्ध कराने के निर्देश दिये हैं।

हाथरस में चाची-भतीजे ने खाया जहर

हाथरस। हाथरस के चंदपा कोतवाली क्षेत्र में एक महिला और उसके भतीजे ने पारिवारिक विवाद के चलते कीटनाशक का सेवन कर लिया। दोनों की हालत बिगड़ने पर उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है। घटना में अर्जुनपुर गांव की निवासी 40 वर्षीय फूलमाला, जो बंटू की पत्नी हैं, और उनके 27 वर्षीय भतीजे प्रमोद शामिल हैं। बताया जा रहा है कि दोनों ने हाथरस आकर कीटनाशक दवा का सेवन किया। इसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई और उन्हें तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया। फूलमाला ने बताया कि उनकी शादी 19 साल पहले हुई थी। उनके पति और परिवार के अन्य सदस्य उन पर अपने जेठ के बेटे प्रमोद के साथ प्रेम प्रसंग का शक करते थे। इसी बात को लेकर परिवार में अक्सर विवाद होता रहता था। प्रमोद अविवाहित है। महिला के अनुसार, आज जब वह प्रमोद के साथ बाइक पर जा रही थीं, तो उनके पति ने उन्हें देख लिया। इसके बाद पति ने उनके साथ मारपीट भी की। इस घटना से आहत होकर आज शाम दोनों हाथरस पहुंचे और वहां कीटनाशक का सेवन कर लिया। फूलमाला के तीन बच्चे हैं। जिला अस्पताल में डॉक्टरों की निगरानी में फूलमाला और प्रमोद दोनों का इलाज चल रहा है। उनकी हालत पर लगातार नजर रखी जा रही है।

अयोध्या में पुलिस कार्रवाई के खिलाफ धरना

अयोध्या। अयोध्या में ग्राम प्रधानी चुनाव को लेकर हुए विवाद ने तूल पकड़ लिया है। पूराकलंदर थाना क्षेत्र के बरवा गांव में एक युवक की दिनदहाड़े पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद लोगों में आक्रोश फैल गया है। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि पुलिस ने एकतरफा कार्रवाई करते हुए भाजपा विधायक के इशारे पर उन्हीं के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया, जबकि असली हमलावरों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। रविवार को पीड़ितों ने धरना शुरू कर दिया है। पीड़ित परिवार का कहना है कि युवक को पहले गांव में मारा गया और फिर थाने के सामने दोबारा उसकी पिटाई की गई। घटना के बाद भी पुलिस ने कोई सुनवाई नहीं की। आरोप है कि पीड़ित युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया, लेकिन उस पर हमला करने वालों पर रिपोर्ट नहीं लिखी गई। इस एकतरफा कार्रवाई के विरोध में पीड़ित पक्ष के परिजन और ग्रामीणों ने तहसील सदर के सामने तिकोनिया पार्क में धरना शुरू कर दिया है। पीड़ित युवक की मां शोभावती वर्मा ने कहा कि मेरे बेटे को बेवजह पीटा गया और उसी पर मुकदमा दर्ज कर दिया गया। हमें अब न्याय चाहिए।

अमरोहा में सुहागरात से पहले दूल्हे की मौत

अमरोहा। अमरोहा में 42 साल के दूल्हे की हार्ट अटैक से मौत का मामला सामने आया है। शनिवार रात दूल्हे का निकाह हुआ। फिर सभी लोग दुल्हन को लेकर घर आ गए। इसके बाद घर में निकाह के बाद की रस्में होने लगीं। रविवार सुबह करीब 4 बजे दूल्हे के सीने में तेज दर्द उठा। घरवाले घबरा गए और दूल्हे को तुरंत अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। दूल्हे का आज (रविवार को) दावत-ए-वलीमा होना था। इस घटना के बाद से दुल्हन बदहवास है। मोहल्ला नौगजा में परवेज आलम उर्फ गुड्डू (42) रहता था। उसके साथ 2 भाइयों पप्पू और असलम भी उसी घर में रहते हैं। परवेज के माता-पिता की पहले ही मौत हो चुकी है। परवेज की जामा मस्जिद रोड पर किताबों की दुकान है। तीनों भाई उसी दुकान पर बैठते हैं। माता-पिता की मौत के चलते परवेज की शादी में देर हो रही थी। कुछ समय पहले परवेज का निकाह बड़ा दरबार के रहने वाले मो. अहमद कादरी की बेटी सायमा कादरी (33) से तय हो गया।

सुअर पालन का झांसा देकर सर्राफा व्यापारी से 5 करोड़ की ठगी

अफसरों और मंत्रियों के नाम पर डर दिखाकर कारोबारी को बनाया शिकार, पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

बीसलपुर। मुनाफे का लालच और अफसरों के नाम पर दबाव बनाकर ठगी करने का एक बड़ा मामला सामने आया है।

बीसलपुर के मोहल्ला दुबे निवासी सर्राफा व्यापारी संजीव नाथ अग्रवाल ने बताया कि नगीपुर अखौला निवासी सुनील कुमार पुत्र भोलेनाथ ने सुअर पालन कारोबार में निवेश के नाम पर उनसे करीब पांच करोड़ रुपये की ठगी की। व्यापारी के मुताबिक वर्ष 2017-18 में सुनील ने सुअर पालन के कारोबार में निश्चित लाभ का भरोसा दिलाया।

शुरू में दो लाख रुपये निवेश करवाकर विश्वास जमाया और धीरे-धीरे रकम बढ़ती गई। एक वर्ष में व्यापारी ने करीब 40 लाख रुपये निवेश किए।

इसके बाद फरवरी 2023 में आरोपी ने दुबारा कारोबार शुरू करने के नाम पर 10 लाख और सितंबर में 20 लाख रुपये वसूल लिए। बाद में सुनील ने प्रशासनिक कार्रवाई का भय दिखाकर मंत्रियों और अधिकारियों के नाम पर करोड़ों रुपये ठग लिए।

उसने फरवरी 2024 में एक मंत्री के नाम पर 50 लाख, जून में कमिश्नर और डीएम शाहजहांपुर के नाम पर 90 लाख रुपये लिए। इसके बाद डिप्टी सीएम के नाम पर 1.80 करोड़ रुपये की मांग की। जब व्यापारी ने रकम देने से मना किया तो आरोपी ने उन्हें झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी। कोतवाल संजीव शुक्ला ने बताया कि आरोपी सुनील कुमार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। व्यापारी की शिकायत के बाद पुलिस टीम मामले की गंभीरता से जांच में जुट गई है।

पत्रकार पर हमला करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

ललितपुर। पत्रकार पर हमला करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह एवं क्षेत्राधिकारी सदर अजय कुमार के निकट पर्यवेक्षण में वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में कोतवाली पुलिस द्वारा थाना कोतवाली पर पंजीकृत मु0अ0सं0-1310/2025 धारा 191(2)/352/115(2)/119(1)बी एनएस में वांछित दो नफर अभियुक्त विशाल साहू पुत्र जगदीश साहू उम्र करीब 28 वर्ष निवासी मुहल्ला तालाबपुरा विकास साहू पुत्र जगदीश साहू उम्र करीब 25 वर्ष निवासी मुहल्ला तालाबपुरा थाना कोतवाली को

नियमानुसार गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है । वादी मुकदमा द्वारा कोतवाली ललितपुर पर तहरीर देकर अवगत कराया था कि विपक्षीगण द्वारा प्रार्थी के साथ मारपीट करने व अवैध रूप से 50,000/- रूपये की मांग की गयी है । प्राप्त प्रार्थना पत्र के आधार पर थाना कोतवाली ललितपुर पर तत्काल सुसंगत धाराओ में अभियोग पंजीकृत कर दो नफर अभियुक्त विशाल व विकास उपरोक्त को गिरफ्तार किया गया है । गिरफ्तारी करने वाली टीम प्रभारी निरीक्षक अनुराग अवस्थी उ.नि. रोहित कुमार कां. अमित कां. सूरज कुमार आदि शामिल रहे।

एटा में दो बाइकों की भिड़ंत, मासूम की मौत

एटा। एटा के सकीट थाना क्षेत्र में करमचंद मोड़ के पास रविवार को दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत में एक 3 वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। जबकि चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को प्राथमिक इलाज के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। जानकारी के मुताबिक, रंजीत अपने बच्चों और भांजी के साथ बाइक से घर लौट रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही एक तेज रफ्तार बाइक ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों बाइकों पर सवार लोग सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों ने तुरंत पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी।

संतकबीरनगर में सड़क हादसे में दो की मौत

संतकबीर नगर। संतकबीरनगर में रविवार को दो अलग-अलग सड़क हादसों में दो लोगों की मौत हो गई। मृतकों में एक महिला और एक युवक शामिल हैं। दुधारा थाना क्षेत्र में जहां बाइक सवार महिला की मौके पर मौत हो गई, वहीं धर्मसिंहवा निवासी एक युवक की मध्य प्रदेश के इंदौर के पास सड़क दुर्घटना में जान चली गई। पहली घटना दुधारा थाना क्षेत्र के सुल्तान नगर गातूखोर चौराहे के पास रविवार शाम हुई। यहां 50 वर्षीय सुमित्रा देवी अपने बेटे के साथ बाइक पर सवार होकर बस्ती जा रही थीं, जहां उनके पति का अस्पताल में इलाज चल रहा था। इसी दौरान एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि सुमित्रा देवी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनका बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलते ही दुधारा थाना प्रभारी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया और घायल बेटे को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। दूसरी घटना नगर पंचायत धर्मसिंहवा के वार्ड नंबर 12, सेवाईचपार की है। यहां के निवासी देवनाथ साहनी (पुत्र राम अवध) की मध्य प्रदेश में सड़क हादसे में मौत हो गई। परिजनों के अनुसार, देवनाथ बीते बृहस्पतिवार को सेवाईचपार से महाराष्ट्र के लिए एक लॉरी लेकर निकले थे। रास्ते में इंदौर के पास उनकी लॉरी एक बड़े वाहन से टकरा गई, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में उनके साथ मौजूद हीरालाल (पुत्र रामेफर) गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें नजदीकी अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है।

एसपी ने किया आदर्श भोजनालय का उद्घाटन

ललितपुर। पुलिस लाइन ललितपुर स्थित आदर्श भोजनालय के जीर्णोद्धार कार्य के पूर्ण होने पर पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक द्वारा शिलापट्टिका का अनावरण कर विधिवत उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने कहा कि रिजर्व पुलिस लाइन, पुलिस बल का केंद्र बिंदु है, जहाँ पुलिसकर्मियों के लिए सुगम, स्वच्छ एवं पौष्टिक भोजन की व्यवस्था अति आवश्यक है।

आदर्श भोजनालय के जीर्णोद्धार से पुलिसकर्मियों को बेहतर भोजन व्यवस्था प्राप्त होगी, जिससे उनकी कार्यक्षमता एवं मनोबल में वृद्धि होगी। भोजनालय के जीर्णोद्धार कार्य में भवन की दीवारों, फर्श, रसोईघर, शुद्ध जल आपूर्ति, आधुनिक कुकिंग उपकरणों तथा बैठने की सुविधा का नवीनीकरण किया गया है। साथ ही स्वच्छता एवं हाइजीन के उच्च मानकों का विशेष ध्यान रखा गया है। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक, कालू सिंह, क्षेत्राधिकारी लाइन सुनील भारद्वाज, क्षेत्राधिकारी सदर अजय कुमार, प्रतिसार निरीक्षक जगदीश चन्द्र सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। पुलिस अधीक्षक महोदय ने भोजनालय की व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को भोजनालय की स्वच्छता एवं गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए। उद्घाटन कार्यक्रम के पश्चात पुलिस अधीक्षक महोदय एवं अन्य अधिकारियों ने भोजनालय में भोजन ग्रहण कर व्यवस्था की सराहना की। पुलिस अधीक्षक द्वारा यह भी कहा गया कि पुलिस बल के कल्याण से संबंधित ऐसी सुविधाएँ समय-समय पर विकसित की जाती रहेंगी ताकि पुलिसकर्मी अपने दायित्वों का निर्वहन और अधिक दक्षता एवं निष्ठा के साथ कर सकें।

यातायात पुलिस , राजघाट पुलिस ने चलाया जागरूकता अभियान

प्रेशर हॉर्न, मोडिफाइड साइलेंसर के विरुद्ध चलाया सघन चैकिंग अभियान

ललितपुर । पुलिस अधीक्षक, ललितपुर के निर्देश के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह व क्षेत्राधिकारी यातायात राजेश कुमार श्रीवास्तव के निर्देशन में ,यातायात प्रभारी, ललितपुर आलोक कुमार तिवारी एवं चौकी प्रभारी राजघाट अर्जुन सिंह के नेतृत्व में चंदेरी चौराहा राजघाट पर सघन चैकिंग अभियान चलाया । अभियान के दौरान सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से चंदेरी चौराहा राजघाट पर सीटबेल्ट/हेलमेट/ दो पहिया वाहन पर तीन सवारी/मोडिफाइड साइलेंसर/प्रेशर हॉर्न के विरुद्ध चलाया गया सघन चैकिंग अभियान, जांच के

दौरान 37 वाहनो का एम वी एक्ट की सुसंगत धाराओं में चालान किया गया व 3 वाहनों को सीज किया गया। इसी क्रम में यातायात पुलिस ललितपुर द्वारा शहर भर में वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया। विभिन्न चौराहों पर चलाये गये सघन चैकिंग अभियान के दौरान यातायात पुलिस द्वारा प्रवर्तन कार्यवाही के अंतर्गत 230 वाहनों का चालान किया गया व जागरूक करते हुए बताया गया कि वाहन चालक यातायात नियमों का पालन आवश्यक रूप से करें और सुरक्षित रहें ।दो पहिया वाहन चालक हेलमेट अवश्य लगायें, जिससे की किसी दुर्घटना के घटित होने पर वह सुरक्षित रह सके। दो पहिया वाहन पर तीन सवारियां न बैठाकर न चलाये ।शराब इत्यादि का नशा करके वाहन न चलाये ।चार पहिया वाहन चालकों से सीटबेल्ट का प्रयोग करके वाहन चलाने की भी अपील की ।सवारी व लोडिंग टैक्सी चालकों से नियंत्रित गति और सुगम रूप से यातायात व्यवस्था संचालन के लिए कहा गया ।बिना नंबर प्लेट के वाहन न चलायें ।वाहन को ओवर स्पीड से न चलायें ।सड़क पर सदैव अपनी वायीं दिशा में चलें ।

गुब्बारे में गैस भरते हुए सिलेंडर फटा, मासूम की मौत

अमरोहा। अमरोहा में रविवार दोपहर गुब्बारे में गैस भरते समय सिलेंडर फट गया। विस्फोट इतना तेज था कि आस-पास के घरों की खिड़कियां टूट गईं। इस धमाके में चार साल के बच्चे की मौत हो गई। जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक बच्चा अपने माता-पिता की इकलौती संतान था। वो गुब्बारे वाले के पास दोबारा गुब्बारा लेने गया था। घटना नौगांवा सादात कस्बे के मोहल्ला नई बस्ती की है। इसका सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है। मंडी धनौरा थाना क्षेत्र के गांव चुचेला के रहने वाला अनीस नौगावां सादात कस्बे के मौहल्ला नई बस्ती में बाइक पर गैस के गुब्बारे बेचने आया था। दोपहर में आस-पास के बच्चे उससे गुब्बारे खरीद रहे थे। इसी मोहल्ले में मोहम्मद फरमान अपनी पत्नी फरहीन और चार साल के बच्चे मोहम्मद अली रजान के साथ रहते हैं। रजान भी अनीस के पास गुब्बारे लेने गया। उसने गुब्बारा लिया और अपने घर में चला गया। थोड़ी देर बाद वो फिर गुब्बारा लेने आया। उसके साथ दो और बच्चे भी थे। गुब्बारे में गैस भरते हुए अचानक सिलेंडर में ब्लॉस्ट हो गया।

वाराणसी पुलिस ने मुठभेड़ में जहरखुरान को मारी गोली

दोनों टप्पेबाजों से हथियार-ज्वैलरी बरामद, कई थानों में बदमाशों पर केस

वाराणसी। वाराणसी की सिगरा पुलिस ने शनिवार की रात कार्रवाई के दौरान मुठभेड़ में शातिर जहरखुरानों को गोली मार दी। एक बदमाश गोली लगने से घायल होकर गिर पड़ा तो दूसरा भागने की कोशिश में दबोच लिया गया।

इनके पास से असलहा और इस्तेमाल हुई गोली के साथ टप्पेबाजी में लूटे गए सोने की ज्वेलरी और कमर के जेवरात आदि बरामद हुए। लहरतारा रेलवे ओवरब्रिज के नीचे देर रात गोलियों की तड़तड़ाहट से हड़कंप मच गया। आसिफ को घायलावस्था में अस्पताल ले जाया गया और दूसरे जीशान को पुलिस ने दौड़ाकर पकड़कर थाने लाया गया।

कैंट स्टेशन के आसपास बाहरी पर्यटकों को जहरखुरानी कर टप्पेबाजी की तैयारी में जुटे दोनों बदमाश ऑटो चलाते थे और बातों में महिलाओं को उलझाकर लूटपाट और टप्पेबाजी करते थे। हालांकि अब दोनों पर केस दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

बिजनौर के निवासी आसिफ वाराणसी में कई महीनों से ऑटो चलाता था और जीशान साथ में बैठकर महिलाओं के साथ लूटपाट की वारदात को अंजाम देता था। ये टप्पेबाजी के सभी कारनामों को ऑटो से ही किया करते थे और बाद में सारा माल बांट लेते थे।

शुक्रवार को पहले इन बदमाशों ने बनारस रेलवे स्टेशन से एक महिला को बैठाया फिर वाराणसी जंक्शन पर ले जाकर छोड़ दिए। उससे टप्पेबाजी करते हुए उसके गहने पार कर दिए। पीड़िता ने मामले की जानकारी पुलिस को दी तो सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका में 800 से ज्यादा उड़ानें रद्द

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में जारी शटडाउन का बुरा असर विमानन क्षेत्र पर पड़ रहा है। शुक्रवार (07 नवंबर) को पूरे अमेरिका में सैकड़ों उड़ानें रद्द कर दी गईं। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएफए) एयरलाइंस देश के सबसे व्यस्त हवाई अड्डों पर धीरे-धीरे उड़ानों में कटौती कर रही हैं। आदेश के अनुसार एफएए द्वारा उड़ानों में कटौती के लिए चुने गए 40 हवाई अड्डे दो दर्जन से अधिक राज्यों में फैले हुए हैं। उड़ान व्यवधानों पर नजर रखने वाली वेबसाइट फ्लाइटअवेयर के अनुसार, देश भर में 800 से ज्यादा उड़ानें रद्द कर दी गईं, जो कि गुरुवार को रद्द की गई संख्या से चार गुना अधि है। फ्लाइटअवेयर के अनुसार शिकागो, अटलांटा, डेनवर, डलास और फीनिक्स के हवाई अड्डों पर सबसे ज्यादा व्यवधान हुए। एफएफए ने उड़ानों में कटौती की यह कदम एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स की कमी को कम करने के लिए उठाया है। बता दें कि कंट्रोलर्स एक महीने से ज्यादा समय से बिना वेतन के काम कर रहे हैं।

ट्रंप प्रशासन को 60 मिलियन डॉलर का भुगतान करेगी कॉर्नेल यूनिवर्सिटी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की प्रतिष्ठित कॉर्नेल यूनिवर्सिटी ने 60 मिलियन अमेरिकी डॉलर का भुगतान करने और ट्रंप प्रशासन द्वारा दी गई नागरिक अधिकार कानूनों की व्याख्या को स्वीकार करने पर सहमति जताई है। इस समझौते के तहत विश्वविद्यालय को उसकी फेडरल फंडिंग बहाल हो जाएगी। कॉर्नेल विश्वविद्यालय के अध्यक्ष माइकल कोटलिकॉफ ने शुक्रवार को इस समझौते की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह समझौता विश्वविद्यालय की शैक्षणिक स्वतंत्रता को बरकरार रखते हुए सरकार द्वारा रोकी गई 250 मिलियन डॉलर से अधिक की शोध फंडिंग को फिर से चालू करेगा। समझौते के अनुसार, विश्वविद्यालय 30 मिलियन डॉलर सीधे अमेरिकी सरकार को और 30 मिलियन डॉलर अमेरिकी किसानों से संबंधित अनुसंधान परियोजनाओं के लिए देगा।

एक और बंधक के अवशेष गाजा में रेड क्रॉस को सौंपे

गाजा, एजेंसी। इस्राइली सेना ने शुक्रवार को कहा कि एक बंधक के अवशेष गाजा में रेड क्रॉस को सौंप दिए गए हैं। मौजूदा युद्धविराम की शुरुआत के बाद से हमास ने 22 बंधकों के शव लौटा दिए हैं। अगर यह पुष्टि हो जाती है कि ये शव किसी और बंधक के हैं, तो गाजा में अभी भी पांच अन्य बंधकों के अवशेष बचे रहेंगे। 10 अक्तूबर से शुरू हुए युद्ध विराम का उद्देश्य इस्राइल और फलिस्तीनी उग्रवादी समूह के बीच अब तक लड़े गए सबसे घातक और विनाशकारी युद्ध को समाप्त करना है। हमास की सैन्य शाखाओं ने शुक्रवार को बताया कि दक्षिणी गाजा के शहर खान यूनिस में एक बंधक का शव मिला।

प्रतिबंध हटा, जापान ने चीन को फिर शुरू किया सीफूड निर्यात

टोक्यो, एजेंसी। जापान ने शुक्रवार को बताया कि फुकुशिमा परमाणु संयंत्र से उपचारित रेडियोधर्मी पानी छोड़े जाने के कारण लगे प्रतिबंध के दो साल बाद चीन के लिए सीफूड का निर्यात फिर से शुरू हो गया है। मुख्य कैबिनेट सचिव मिनोरू किहारा ने बताया कि बुधवार को होक्काइडो से 6 मीट्रिक टन स्कैलप्स चीन भेजे गए। चीन ने अगस्त 2023 में जापानी सीफूड पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया था। किहारा ने इस कदम को सकारात्मक बताया और चीन से बाकी प्रतिबंधों को भी हटाने का आग्रह किया।

हंगरी को रूस से तेल-गैस खरीदने की मिली छूट

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने हंगरी को रूस से तेल और गैस खरीदने पर लगी पाबंदियों से पूरी तरह छूट दे दी है। यह फैसला राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ऑर्बन की व्हाइट हाउस में हुई मुलाकात के बाद लिया गया। इस बैठक के दौरान ट्रंप और ऑर्बन ने एक-दूसरे की जमकर तारीफ की। ऑर्बन ने कहा कि यूक्रेन के लिए रूस को हराना चमत्कार जैसा होगा, जिससे यह साफ दिखा कि उनका रुख बाकी यूरोपीय नेताओं से अलग है। ट्रंप ने हंगरी के प्रवासन नीति की भी प्रशंसा की और कहा कि यूरोपीय यूनियन को ऑर्बन का अधिक सम्मान करना चाहिए। हंगरी के विदेश मंत्री पीटर सिज्जार्टो ने इस छूट को ऊर्जा सुरक्षा की गारंटी बताया। ट्रंप ने कहा कि हंगरी समुद्र से घिरा देश नहीं है और तेल-गैस पाइपलाइन पर निर्भर है, इसलिए उसे छूट दी गई। ऑर्बन ने पहले ट्रंप और पुतिन की मुलाकात के लिए बुडापेस्ट में शिखर सम्मेलन की पेशकश की थी।

अफगानिस्तान-पाकिस्तान शांति वार्ता फिर विफल, सीमा पार आतंक पर नहीं बनी बात

इस्लामाबाद, एजेंसी। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच जारी तीसरे दौर की शांति वार्ता बिना किसी ठोस समझौते के समाप्त हो गई। दोनों देशों के बीच सीमा पार आतंकवाद पर कार्रवाई को लेकर मतभेद कायम रहे। पाकिस्तान की ओर से रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने बताया कि वार्ता में कोई लिखित समझौता नहीं हो सका और अब चौथे दौर की कोई योजना भी नहीं है। दो दिन तक चली ये वार्ता बृहस्पतिवार को शुरू हुई थी। पाकिस्तान ने अफगान तालिबान से यह मांग की थी कि वे तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के उन आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई करें जो अफगान धरती से पाकिस्तान पर हमले कर रहे हैं।

पूरा गतिरोध, अफगान पक्ष नहीं देना चाहता लिखित आश्वासन : पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने एक निजी टीवी चैनल से बातचीत में कहा वार्ता पूरी तरह गतिरोध में है। अफगान पक्ष सिर्फ मौखिक भरोसा देना चाहता था, लेकिन अंतरराष्ट्रीय वार्ताओं में मौखिक आश्वासन स्वीकार नहीं किए जा सकते। उन्होंने तुर्किये और कतर के ईमानदार प्रयासों के लिए धन्यवाद दिया, जो दोनों देशों के बीच तनाव कम करने के लिए मध्यस्थता कर रहे थे। आसिफ ने कहा कि पाकिस्तान का रुख स्पष्ट है हमारी केवल एक मांग है कि अफगानिस्तान यह सुनिश्चित करे कि उसकी जमीन का इस्तेमाल पाकिस्तान के खिलाफ आतंकवादी गतिविधियों में न हो। आसिफ ने यह भी कहा कि अगर अफगान धरती से कोई हमला होता है, तो पाकिस्तान जवाब देगा।

सूचना मंत्री का बयान- अब जिम्मेदारी अफगान तालिबान की : पाकिस्तान के सूचना मंत्री अत्ताउल्ला तारार ने शनिवार सुबह एक्स (पूर्व ट्विटर) पर लिखा अब जिम्मेदारी अफगान तालिबान की है कि वे आतंकवाद पर नियंत्रण को लेकर अपने अंतरराष्ट्रीय और द्विपक्षीय वादों को पूरा करें, जिनमें वे अब तक असफल रहे हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान का अफगान जनता से कोई वैर नहीं है, लेकिन वह किसी भी ऐसी नीति का समर्थन नहीं करेगा जो अफगान लोगों या पड़ोसी देशों के हितों के खिलाफ हो।

तीन दौर की वार्ता और हर बार नाकामी : अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच पहली वार्ता 29 अक्टूबर को दोहा (कतर) में हुई थी, जबकि दूसरी बैठक 25 अक्टूबर को इस्तांबुल (तुर्किये) में आयोजित हुई। दोनों ही वार्ताएं किसी ठोस नतीजे पर नहीं पहुंचीं। अब तीसरा दौर भी बेनतीजा रहा है। इससे पहले 11 से 15 अक्तूबर के बीच दोनों देशों की सीमा पर सशस्त्र झड़पें हुई थीं, जिनमें दोनों ओर जनहानि हुई थी।

दोहा और इस्तांबुल में हुई शांति वार्ता दोनों देशों ने 19 अक्तूबर को कतर की राजधानी दोहा में सीजफायर पर सहमति जताई थी, लेकिन शर्तों को अंतिम रूप देने में मतभेद बने रहे। इसके बाद 25 अक्तूबर को इस्तांबुल में दूसरी वार्ता हुई और इसके बाद तीसरे दौर की बातचीत गुरुवार को शुरू हुई है। इस वार्ता में तुर्किये और कतर मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे हैं। पाकिस्तान की ओर से बातचीत का नेतृत्व आईएसआई के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल आसिम मलिक कर रहे हैं, जबकि अफगान पक्ष से जनरल अब्दुल हक वासिक, उप गृहमंत्री रहमतुल्लाह नजीब और प्रवक्ता सुहैल शाहीन शामिल हैं।

तुर्किये की मध्यस्थता से बची वार्ता पिछली बातचीत में स्थिति गंभीर होती दिख रही थी, लेकिन तुर्किये की पहल से तीसरे दौर की वार्ता तय हो सकी। तुर्की विदेश मंत्रालय के बयान में कहा गया कि दोनों पक्षों ने सीजफायर जारी रखने और निगरानी तंत्र बनाने पर सहमति जताई है। वहीं पाकिस्तान का कहना है कि अफगान भूमि से उसके खिलाफ आतंकी हमले बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। पाकिस्तानी सैन्य प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने कहा कि अफगानिस्तान में टीटीपी के लड़ाकों को पनाह दी जा रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर बात से समाधान नहीं निकला तो पाकिस्तान कार्रवाई करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

तुर्किये की अदालत ने इस्राइली क्करू नेतन्याहू के खिलाफ जारी किया गिरफ्तारी वारंट, 37 अन्य लोगों के भी नाम

तेल अवीव, एजेंसी। तुर्किये के इस्तांबुल मुख्य अभियोजक कार्यालय ने इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू समेत 37 लोगों के खिलाफ जनसंहार के आरोप में गिरफ्तारी वारंट जारी किए हैं। इन आरोपों का संबंध गाजा में चल रहे युद्ध से है, जिसे इस्राइल ने अक्तूबर 2023 में हमास के हमलों के बाद शुरू किया था। किन-किन लोगों के खिलाफ वारंट जारी? इस्तांबुल अभियोजन कार्यालय के बयान के मुताबिक, जिन लोगों पर गिरफ्तारी वारंट जारी हुआ है, उनमें इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, रक्षा मंत्री इस्राइल कैट्ज, आईडीएफ के चीफ ऑफ स्टाफ एयाल जमीर, राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतमार बेन-गवीर के शामिल हैं। तुर्किये का आरोप क्या है? तुर्किये के अभियोजकों ने दावा किया है कि इस्राइल गाजा में नागरिकों को जानबूझकर निशाना बना रहा है, और यह कार्रवाई जनसंहार की श्रेणी में आती है। उन्होंने 17 अक्तूबर 2023 की अल-अहली बैपटिस्ट हॉस्पिटल की घटना को भी अपने आरोपों का हिस्सा बनाया है। हालांकि, इस्राइल और अमेरिका की खुफिया एजेंसियों ने बाद में यह निष्कर्ष निकाला था कि यह विस्फोट फलस्तीनी आतंकी संगठन इस्लामिक जिहाद के रॉकेट की विफल लॉन्चिंग से हुआ था, न कि इस्राइल के हमले से। तुर्किये का दोहरा रवैया तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप

तैयप एर्दोगन लंबे समय से हमास के समर्थक माने जाते हैं। इसी के साथ, तुर्किये की न्याय व्यवस्था की निष्पक्षता पर भी सवाल उठते रहे हैं। अतीत में तुर्किये के कई पत्रकारों और विपक्षी नेताओं, जैसे कि एकरेम इमामओग्लू (जो इस्तांबुल के मेयर और एर्दोआन के राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी हैं), के खिलाफ भी गिरफ्तारी वारंट जारी किए जा चुके हैं। तुर्की पर खुद जनसंहार का आरोप बता दें कि 1915 से 1923 के बीच तुर्किये पर अपने ही देश में 15 लाख आर्मेनियाई लोगों के जनसंहार का आरोप है। इस अवधि में लाखों आर्मेनियाई मारे गए या भुखमरी से मर गए, जबकि लगभग पांच लाख लोग रूस की ओर पलायन कर गए। अमेरिका, कनाडा, रूस और यूरोपीय संघ के अधिकांश देश इस आर्मेनियाई जनसंहार को आधिकारिक रूप से मान्यता देते हैं।

हालांकि, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और इस्राइल जैसे देश अब तक इसे औपचारिक रूप से मान्यता नहीं देते, क्योंकि तुर्की के साथ उनके राजनयिक संबंध प्रभावित हो सकते हैं।

फादर ऑफ डीएनए प्रसिद्ध नोबेल विजेता जेम्स वॉटसन का निधन, 97 वर्ष की आयु में ली अंतिम सांस

वॉशिंगटन, एजेंसी। नोबेल विजेता और दुनियाभर के प्रसिद्ध वैज्ञानिक जेम्स डी वाटसन का 97 साल की उम्र में निधन हो गया। वे 1953 में डीएनए की ट्विस्टेड-लैडर संरचना (डबल हेलिक्स) की खोज के लिए जाने जाते हैं, जिससे चिकित्सा, अपराध जांच, जीनोलॉजी और नैतिकता के क्षेत्र में क्रांति आई।

वाटसन ने फ्रांसिस क्रिक और मॉरिस विल्किन्स के साथ 1962 में नोबेल पुरस्कार साझा किया। उनकी खोज से यह पता चला कि डीएनए कैसे वंशानुगत जानकारी रखता है और कोशिकाएं विभाजन के दौरान इसे कैसे कॉपी करती हैं। डबल हेलिक्स ने विज्ञान और समाज में गहरा प्रभाव डाला और अब यह संरचना विज्ञान का प्रतीक बन गई है।

विज्ञान को किसी पर भी बराबर गोना चाहिएए : हालांकि, जीवन के अंतिम वर्षों में वाटसन विवादित बयान देने के लिए आलोचना और पेशेवर निंदा का सामना कर चुके। उन्होंने अश्वेत लोगों की बुद्धिमत्ता को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणियां की थीं। 2007 में विवाद बढ़ने के बाद उन्हें कोल्ड स्प्रिंग हार्बर लैब से निलंबित कर दिया गया। वाटसन ने विज्ञान में और कोई बड़ा प्रयोगात्मक योगदान नहीं दिया, लेकिन उन्होंने प्रभावशाली पुस्तकें लिखीं, मानव जीनोम परियोजना में मार्गदर्शन किया और कई युवा वैज्ञानिकों को बढ़ावा दिया। उनके वैज्ञानिक योगदान और विवादित बयान उनके जटिल विरासत का हिस्सा हैं।

मामले में नस्लवाद टिप्पणी से नाराज : नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ के डायरेक्टर फ्रांसिस कॉलिंस ने कहा, वाटसन के दृष्टिकोण उनके शानदार वैज्ञानिक ज्ञान के अनुरूप नहीं थे और उनकी नस्लीय टिप्पणियां गलत और हानिकारक थीं। उनकी आत्मकथा 'द डबल हेलिक्स' में उन्होंने विज्ञान में सफलता पाने के लिए कठिन परिश्रम, बुद्धिमत्ता और चुनौतियों का सामना करने की सलाह दी।

अमेरिकी चुनाव 2016 विवाद: रूसी दखलअंदाजी मामले में नई जांच

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी न्याय विभाग ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से जुड़ी रूस जांच को लेकर एक नई जांच शुरू की है। इस जांच के तहत विभाग ने बड़ी संख्या में समन जारी किए हैं। ये समन उस सरकारी जांच से संबंधित हैं जो 2016 के राष्ट्रपति चुनाव में रूस की दखलअंदाजी को लेकर की गई थी।

क्या है मामला : 2016 के चुनाव में रूस पर आरोप था कि उसने अमेरिकी चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने की कोशिश की थी, ताकि डोनाल्ड ट्रंप को जीत मिल सके और हिलेरी क्लिंटन को नुकसान पहुंचे। इस आरोप की जांच ओबामा प्रशासन के दौरान अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने की थी और जनवरी 2017 में एक रिपोर्ट जारी की थी। अब ट्रंप प्रशासन उसी रिपोर्ट की दोबारा पड़ताल करवा रहा है। इस बार समन फ्लोरिडा के सदर्न डिस्ट्रिक्ट कोर्ट से जारी हुए हैं। इनका मकसद यह पता लगाना है कि 2017 की उस रिपोर्ट की तैयारी में किन बातों

को आधार बनाया गया था और क्या उसमें किसी तरह की राजनीतिक पक्षपात की भूमिका रही थी।

किन लोगों को भेजे गए समन : हालांकि सभी नाम अभी सामने नहीं आए हैं, लेकिन सूत्रों के मुताबिक जिन लोगों को समन मिले हैं उनमें जॉन ब्रेनन, पूर्व सीआईए निदेशक; पीटर स्ट्रजक, एफबीआई के पूर्व काउंटर इंटेलिजेंस अधिकारी; लिसा पेज, एफबीआई की पूर्व वकील शामिल हैं। पीटर स्ट्रजक और लिसा पेज, दोनों रूस जांच में शामिल थे और बाद में ट्रंप के खिलाफ निजी संदेशों के कारण विवादों में आए थे। स्ट्रजक को बर्खास्त किया गया था जबकि पेज ने इस्तीफा दे दिया था। बताया जा रहा है कि करीब 30 समन जारी किए जाने की योजना है।

आरोपों का साफ नकार चुके हैं ट्रंप : ट्रंप पहले भी बार-बार इस जांच को राजनीतिक साजिश करार दे चुके हैं। वे मानते हैं कि यह जांच उनके खिलाफ बनाई गई साजिश थी। म्यूलर रिपोर्ट और अन्य कई सरकारी जांचों में यह पाया गया कि रूस ने अमेरिकी चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश की थी, लेकिन ट्रंप या उनके सहयोगियों का रूस के साथ सीधा साजिशी संबंध साबित नहीं हुआ। अब, व्हाइट हाउस में दोबारा लौटने के बाद ट्रंप प्रशासन इस पुराने मामले को फिर से खंगाल रहा है। वर्तमान एफबीआई निदेशक काश पटेल, सीआईए प्रमुख जॉन रैटक्लिफ और राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड इस जांच से जुड़े पुराने दस्तावेजों को सार्वजनिक करने के पक्ष में हैं। जुलाई में जारी सीआईए रिपोर्ट में कहा गया था कि 2017 की मूल रिपोर्ट में कुछ तकनीकी खामियां थीं, और स्टील डॉसियर को शामिल करने से विश्लेषण की निष्पक्षता प्रभावित हुई थी।

विदेश मंत्री लावरोव के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के मतभेद नहीं.., क्रेमलिन ने अटकलों को किया खारिज

मॉस्को, एजेंसी। क्रेमलिन ने शुक्रवार को उस दावे को खारिज कर दिया, जिनमें कहा गया था कि रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के अब राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ मतभेद चल रहे हैं। लावरोव को पुतिन के सबसे वफादार नेताओं में से एक माना जाता है। आज एक नियमित प्रेस ब्रीफिंग में राष्ट्रपति के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा, इस तरह की रिपोर्ट में कोई सच्चाई नहीं है कि लावरोव अब पुतिन की पसंद से बाहर हो गए हैं। बेशक, लावरोव अब भी विदेश मंत्री के रूप में काम कर रहे हैं। पांच नवंबर को राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की टेलीविजन

प्रसारित बैठक में लावरोव गैरहाजिर रहे। जिसके बाद इस तरह के दावे किए जाने लगे किए पुतिन के उनके साथ मतभेद चल रहे हैं। ड्यूमा स्पीकर की पहल पर क्रेमलिन की शीर्ष समिति ने इस संभावना पर चर्चा की कि अगर अमेरिका परमाणु परीक्षण पर प्रतिबंध वाले समझौते से बाहर निकलता है, तो रूस फिर से परमाणु परीक्षण शुरू करने पर विचार कर सकता है। लंदन के फाइनेंशियल टाइम्स ने अपनी रिपोर्ट में बताया था कि 20 अक्तूबर को लावरोव और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो के बीच बातचीत के बाद रूस-अमेरिका शिखर बैठक और रूस-यूक्रेन के बीच की वार्ताएं रद्द कर दी गईं। रूस के कोमर्सांट बिजनेस डेली अखबार ने पेस्कोव के हवाले से कहा, यूक्रेन और यूरोप की तरफ से की गई उकसाने वाली कार्रवाइयों के कारण बातचीत की प्रक्रिया में बाधा आई है, जिससे समाधान की गति धीमी पड़ गई है। रूस और यूक्रेन के बीच भरोसे की कमी साफ दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि हंगरी में रूस-अमेरिका शिखर सम्मेलन आयोजित करने के लिए गहन और सावधानीपूर्वक तैयारी की जरूरत है। दोनों पक्ष किसी स्तर पर बुडापेस्ट में वार्ता आयोजित करने में रुचि रखेंगे। पेस्कोव ने कहा कि बुडापेस्ट में होने वाले इस शिखर सम्मेलन के समय को लेकर की जा रही भविष्यवाणियां बेबुनियाद हैं।

ट्रंप ने दक्षिण अफ्रीका में जी20 समिट का किया बहिष्कार, कोई भी अमेरिकी अधिकारी नहीं होगा शामिल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि वह इस महीने के आखिर में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले जी20 सम्मेलन में हिस्सा नहीं लेंगे। इसके बाद अब ट्रंप ने शुक्रवार को घोषणा की है कि जी20 शिखर सम्मेलन में कोई भी अमेरिकी अधिकारी हिस्सा नहीं लेगा। उन्होंने इसके पीछे का कारण वहां श्वेत किसानों के साथ किए जा रहे दुर्व्यवहार को बताया है। दक्षिण अफ्रीका से नाराज चल रहे डोनाल्ड ट्रंप ने जी20 समिट के बहिष्कार का एलान किया है। ट्रंप पहले ही कह चुके थे कि वे खुद इस महीने के आखिर में होने वाले जी-20 सम्मेलन में शामिल नहीं होंगे। उनकी जगह उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को भेजे जाने की योजना थी, लेकिन अब वे भी दक्षिण अफ्रीका नहीं जाएंगे।

जेडी वेंस भी नहीं जाएंगे दक्षिण अफ्रीका : ट्रंप ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि वह 22-23 नवंबर को दुनिया की अग्रणी और उभरती अर्थव्यवस्थाओं के राष्ट्राध्यक्षों के वार्षिक शिखर सम्मेलन में शामिल नहीं होंगे। इसके बाद ट्रंप की जगह उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के शामिल होने की उम्मीद थी, लेकिन वेंस की योजनाओं से परिचित एक व्यक्ति, जिन्होंने नाम ना छापने की शर्त पर बताया कि वेंस अब शिखर सम्मेलन के लिए वहां नहीं जाएंगे।

ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा, ÷यह एक पूरी तरह से अपमानजनक है कि जी-20 शिखर सम्मेलन दक्षिण अफ्रीका में आयोजित किया जा रहा है।÷ उन्होंने अपने पोस्ट में अफ्रीकानर समुदाय (दक्षिण अफ्रीका के श्वेत किसान)

के साथ ÷दुर्व्यवहार÷ का आरोप लगाया, जिसमें हिंसा, हत्या के साथ-साथ उनकी जमीन और खेतों की जब्ती जैसी घटनाएं हो रही हैं।

दरअसल, ट्रम्प प्रशासन लंबे समय से दक्षिण अफ्रीकी सरकार पर अल्पसंख्यक श्वेत अफ्रीकानर किसानों को सताने और उन पर हमले करने की अनुमति देने का आरोप लगाता रहा है। प्रशासन ने शरणार्थियों की वार्षिक संख्या घटाकर 7,500 कर दी थी और कहा था कि इनमें से ज्यादातर ÷दक्षिण अफ्रीका के श्वेत नागरिक÷ होंगे, जिन्हें अपने देश में हिंसा और भेदभाव का सामना करना पड़ रहा है।

दक्षिण अफ्रीकी सरकार ने आरोपों को किया खारिज : हालांकि, दक्षिण अफ्रीका की सरकार ने इन आरोपों को खारिज किया है। राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने कहा था कि उन्होंने ट्रंप को बताया है कि अफ्रीकानर्स पर अत्याचार की सारी खबरें पूरी तरह झूठी हैं। उन्होंने कहा कि दक्षिण अफ्रीका में श्वेत नागरिकों का जीवन स्तर अब भी देश के अश्वेत नागरिकों की तुलना में कहीं बेहतर हैं। फिर भी प्रशासन ने दक्षिण अफ्रीकी सरकार की आलोचना जारी रखी है। इस सप्ताह की शुरुआत में मियामी में एक भाषण के दौरान ट्रम्प ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका को जी-20 से बाहर कर दिया जाना चाहिए।

बीमारी वाले लोगों को नहीं मिलेगा अमेरिका का वीजा? ट्रंप ने अधिकारियों को भेजा संदेश

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रशासन ने अपनी वीजा नीति को लेकर नया नियम जारी किया है। इसके तहत कुछ बीमारियों से पीड़ित विदेशी नागरिकों को अब अमेरिका में वीजा नहीं मिलेगा। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, हृदय रोग, डायबिटीज, कैंसर, मोटापा और मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं वाले लोगों को वीजा देने से मना किया जा सकता है। कारण है ट्रंप प्रशासन का मानना है कि इस प्रकार की बीमारी से पीड़ित व्यक्ति भविष्य में सरकारी सहायता (पब्लिक बेनिफिट) पर निर्भर हो सकते हैं। यह कदम इसलिए उठाया गया है।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय की ओर से भेजे गए एक गुप्त संदेश (केबल) में वीजा अधिकारियों से कहा गया है कि वे आवेदनकर्ताओं की स्वास्थ्य स्थिति का गहराई से आकलन करें। रिपोर्ट के मुताबिक, इस गाइडलाइन में कहा गया है कि हृदय रोग, श्वसन रोग, कैंसर, डायबिटीज, मेटाबॉलिक बीमारियां, न्यूरोलॉजिकल रोग और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं जैसी स्थितियों में वीजा रद्द या अस्वीकार किया जा सकता है। इसमें मोटापा को भी शामिल किया गया है, क्योंकि इससे अस्थमा, नींद में रुकावट और हाई ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियां हो सकती हैं।

क्या कहते है ट्रंप प्रशासन नए निर्देश, समझिए : बात अगर नए निर्देशों की करे तो, इसके तहत वीजा अधिकारियों को यह तय करने को कहा गया है कि क्या कोई व्यक्ति अपने इलाज का खर्च खुद उठा सकता है या उसे अमेरिका सरकार की मदद की जरूरत पड़ेगी। क्या आवेदक के पास इतनी आर्थिक क्षमता है कि वह अपनी पूरी उम्र के इलाज का खर्च खुद उठा सके, बिना किसी सरकारी सहायता के? केबल में यह सवाल पूछा गया है।

इस गाइडलाइन के मुताबिक, अब

आवेदक के परिवार के सदस्यों की सेहत भी वीजा प्रक्रिया में देखी जाएगी। संदेश में इस बात पर भी जोर दिया गया है कि अगर परिवार में किसी को गंभीर बीमारी या दिव्यांगता है, जिससे आवेदक को काम छोड़कर देखभाल करनी पड़े, तो इसे भी निर्णय में शामिल किया जाए।

कानूनी विशेषज्ञों ने इस नीति को बताया चिंताजनक : हालांकि ट्रंप प्रशासन की इस वीजा नीति को लेकर बातचीत भी तेज हो गई है। कैथोलिक लीगल इमिग्रेशन नेटवर्क के वरिष्ठ वकील चार्ल्स व्हीलर ने कहा कि वीजा अधिकारी चिकित्सक नहीं होते, इसलिए वे किसी की बीमारी या उसके भविष्य के प्रभावों का सही अनुमान नहीं लगा सकते। जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी की इमिग्रेशन वकील सोफिया जेनोवेज ने कहा कि इस नीति से अधिकारी और डॉक्टर दोनों पर यह दबाव बढ़ जाएगा कि वे आवेदकों की बीमारी के खर्च और रोजगार पाने की क्षमता को लेकर अनुमान लगाएं। उन्होंने कहा कि अगर किसी का डायबिटीज या हार्ट की बीमारी का इतिहास है, तो इस पर इतना गहराई से विचार करना बेहद व्यापक कदम है। इससे वीजा प्रक्रिया और भी कठिन हो जाएगी।

ग्रीन कार्ड के लिए आवेदन करने वालों पर पड़ेगा प्रभाव : इसके साथ ही विशेषज्ञों का ये भी कहना है कि यह नीति मुख्य रूप से उन लोगों को प्रभावित करेगी जो अमेरिका में स्थायी रूप से बसने (ग्रीन कार्ड) के लिए आवेदन करते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्रंप प्रशासन की यह नीति इमिग्रेशन पर बढ़ती सख्ती का हिस्सा है, जिसमें अब स्वास्थ्य को भी वीज़ा प्रक्रिया का अहम पैमाना बना दिया गया है।

आखिरकार ट्रॉफी को छूने का मौका मिला: सीरीज जीत के बाद सूर्यकुमार का एशिया कप विवाद पर मजेदार तंज

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। ब्रिस्बेन में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला गया पांचवां टी20 मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया, लेकिन भारतीय टीम ने सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। मैच के बाद जब कप्तान सूर्यकुमार यादव को ट्रॉफी सौंपी गई, तो उन्होंने मुस्कराते हुए कहा, आखिरकार ट्रॉफी को हाथ में लेने का एहसास बहुत अच्छा लग रहा है।

उनकी इस टिप्पणी को सुनकर सोशल मीडिया पर हलचल मच गई, क्योंकि यह बात एशिया कप 2025 विवाद से जोड़कर देखी जा रही है।

सितंबर में खेले गए एशिया कप टी20 फाइनल में भारत ने पाकिस्तान को 5 विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया था।लेकिन मैच के बाद भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से इंकार कर दिया था। इसकी वजह थी नकवी का भारत-विरोधी रवैया। परिणामस्वरूप, भारत ने ट्रॉफी अपने हाथों में नहीं ली और अब तक विजेता ट्रॉफी भारत को औपचारिक रूप से नहीं सौंपी गई है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज जीत के बाद सूर्या ने न सिर्फ टीम की सराहना की बल्कि एक हल्के-फुल्के अंदाज में पिछले विवाद पर कटाक्ष भी किया। उन्होंने कहा, 'महिलाओं की वर्ल्ड कप ट्रॉफी हाल ही में भारत लौटी है, और अब हमारी टीम को भी ट्रॉफी थामने का मौका मिला है। वाकई अच्छा लग रहा है।'

उनकी इस बात पर टीम के साथी खिलाड़ी और फैंस दोनों मुस्कराए। सोशल मीडिया पर भी यह बयान तेजी से वायरल हो गया।

दुबई में आईसीसी बोर्ड मीटिंग के दौरान बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया और पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी के बीच अनौपचारिक बैठक हुई। सैकिया ने बताया, 'यह बातचीत सकारात्मक रही। दोनों पक्ष सौहार्दपूर्ण माहौल में मिले और उम्मीद है कि ट्रॉफी विवाद का समाधान जल्द निकल जाएगा।' सूत्रों के मुताबिक आने वाले समय में यह मुद्दा सुलझने की पूरी संभावना है।

सूर्यकुमार ने टीम के प्रदर्शन की भी तारीफ की और कहा कि युवा खिलाड़ी आत्मविश्वास से भरे हुए हैं, 'हर कोई अपनी भूमिका समझता है। इस जीत से टीम का आत्मविश्वास बढ़ा है और आने वाले टूर्नामेंट में हम यही जोश बनाए रखना चाहते हैं।'

गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड: फिट इंडिया एंबेसडर रोहताश चौधरी ने रचा इतिहास, 1 घंटे में लगाए इतने पुश-अप्स!

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के 'पुश-अप मैन ऑफ इंडिया' के नाम से मशहूर फिट इंडिया एंबेसडर रोहताश चौधरी ने एक नया गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाकर भारत की फिटनेस स्पिरिट को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है।

रोहताश ने जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, नई दिल्ली में '60 पाउंड वजन के साथ एक घंटे में सबसे ज्यादा पुश-अप्स' करने का विश्व रिकॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने एक घंटे में 847 पुश-अप्स पूरे किए, जिससे उन्होंने सीरिया के 820 पुश-अप्स के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

गिनीज़ की आधिकारिक टीम ने मौके पर ही इस रिकॉर्ड की पुष्टि की। यह उपलब्धि फिट इंडिया मूवमेंट के तहत आयोजित कार्यक्रम में हासिल की गई, जो युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की पहल है।

कार्यक्रम में केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने बतौर मुख्य अतिथि शामिल होकर रोहताश को सम्मानित किया। उन्होंने कहा, 'रोहताश चौधरी फिट इंडिया भावना के सच्चे प्रतीक हैं। वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'फिट इंडिया, स्ट्रॉन्ग इंडिया' के विजन को आगे बढ़ा रहे हैं।'

रोहताश ने अपनी सफलता को भारतीय सेना और 'ऑपरेशन सिंदूर' को समर्पित करते हुए कहा, ''पिछले साल मैंने एक पैर पर 704 पुश-अप्स का रिकॉर्ड बनाया था, जो प्रधानमंत्री को समर्पित किया। आज का रिकॉर्ड मैं हमारे सैनिकों और राष्ट्र की एकता को समर्पित करता हूं।'

उन्होंने आगे कहा कि फिट इंडिया मूवमेंट ने 'संडे ऑन साइकिल' जैसे अभियानों के ज़रिए देशभर में फिटनेस को एक सामाजिक आंदोलन बना दिया है। इस मौके पर हजारों स्कूली बच्चे, फिटनेस प्रेमी और फिट इंडिया एंबेसडर स्टेडियम में मौजूद रहे और रोहताश के इस अद्भुत प्रदर्शन का गवाह बने।

बीसीसीआई को एशिया कप ट्रॉफी विवाद के शीघ्र हल होने की उम्मीद

–आईसीसी बैठक में बीसीसीआई सचिव सैकिया के सख्त रुख का असर

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम को अबतक एशिया कप ट्रॉफी नहीं मिल पायी है पर अब इसके शीघ्र मिलने की उम्मीदें जतायी जा रही हैं। भारतीय टीम ने एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान को हराकर ट्रॉफी जीती थी पर उसने एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अध्यक्ष पाक के मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से इंकार कर दिया था। उसके बाद नकवी ट्रॉफी लेकर चले गये थे। तभी से ही वह एसीसी मुख्यालय में रखी है। वहीं अब बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा है कि दुबई में हुई आईसीसी बैठक के बाद ट्रॉफी से जुड़ा विवाद समाप्त हो सकता है। उन्होंने कहा, मैं आईसीसी की अनौपचारिक और औपचारिक बैठकों में शामिल था। वहां पीसीबी और एसीसी अध्यक्ष नकवी भी मौजूद थे। इस दौरान मेरी नकवी से बात हुई थी। इसके बाद लगा कि वह भी अब इस मामले को आगे नहीं खींचना चाहते हैं। ऐसे में हम भी उन्हें अपनी गलती ठीक करने का अवसर देना चाहते हैं जिससे कि ये मामला हल हो सके।

भारतीय कप्तान ने एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ हुए तीनों मैचों में पाक टीम से हाथ नहीं मिलाय था उससे भी पीसीबी भारतीय टीम से भड़का हुआ था। इस मामले को लेकर पीसीबी ने आईसीसी से भी शिकायत की थी। एशिया कप मैच के बाद अवार्ड समारोह में एसीसी अध्यक्ष नकवी भारतीय टीम को एशिया कप का खिताब देना चाहते थे पर भारतीय टीम ने इंकार कर दिया था। इसके बाद नकवी ट्रॉफ लेकर भाग गये थे। इस मामल की बीसीसीआई ने कड़ी आलोचना की थी।

बुमराह से भी ज्यादा कीमती हैं भारत का ये मिस्ट्री स्पिनर: पूर्व सीएसके स्टार खिलाड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने ऑस्ट्रेलिया को टी20 सीरीज में 2-1 से हराकर शानदार जीत दर्ज की और इस जीत के असली हीरो रहे मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती। पांच मैचों की इस सीरीज में वरुण ने पांच विकेट झटके और अपनी सटीक गेंदबाज़ी से कंगारू बल्लेबाजों को लगातार परेशान किया।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर और चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व खिलाड़ी सुब्रहमण्यम बद्रीनाथ ने वरुण की तारीफों के पुल बांधते हुए कहा कि वह इस वक्त भारत के 'सबसे कीमती' खिलाड़ी हैं – यहां तक कि जसप्रीत बुमराह से भी अधिक। बद्रीनाथ ने कहा, 'नंबर बताते हैं कि वरुण चक्रवर्ती इस समय दुनिया के नंबर-1 टी20 गेंदबाज हैं।

जब रन तेजी से बन रहे हों, चाहे वो पावरप्ले हो या डेथ ओवर्स, वरुण वो गेंदबाज़ हैं जिन पर कप्तान भरोसा करता है। उन्होंने अपने खेल में गजब का सुधार किया है और अब वो पूरी तरह से मैच-विनर बन चुके हैं।'

उन्होंने आगे कहा कि वरुण की वापसी एक प्रेरणादायक कहानी है, पहले फिटनेस की वजह से टीम से बाहर होना और अब दमदार कमबैक करना। 'ये उनका दूसरा फेज है और उन्होंने इसे एक नए स्तर पर पहुंचा दिया है। वो सिर्फ टीम इंडिया की संपत्ति नहीं बल्कि एक 'हथियार' हैं। आने वाले टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत की सफलता काफी हद तक इस स्पिनर के प्रदर्शन पर निर्भर करेगी।' सीरीज के दौरान वरुण का इकॉनमी रेट 6.83 और औसत 16.40 रहा, जबकि बुमराह ने पांच मैचों में केवल तीन विकेट झटके। वरुण फिलहाल आईसीसी टी20 रैंकिंग में नंबर-1 गेंदबाज हैं।

इरफान पठान की चेतावनी : टी20 के शीर्ष खिलाड़ी को हर गेंद पर आक्रामक न खेलने की दी सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को उनकी 'ट्रेडमार्क शॉट' रणनीति पर सावधानी बरतने की सलाह दी है। पठान का मानना है कि अगर अभिषेक हर गेंद पर क्रीज से बाहर निकलकर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश जारी रखते हैं, तो टी20 वर्ल्ड कप 2026 में टीमें उनकी रणनीति को भांप सकती हैं। अभिषेक शर्मा इस समय भारत की टी20 टीम के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में से एक हैं। उन्होंने एशिया कप 2025 में सर्वाधिक रन बनाकर भारत को खिताबी जीत दिलाई और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज में भी 163 रन बनाते हुए 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' का खिताब जीता। इरफान ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'अभिषेक शानदार बल्लेबाज हैं, लेकिन उन्हें समझदारी दिखानी होगी। वर्ल्ड कप में टीमें पहले से तैयार रहेंगी। हर गेंद पर क्रीज छोड़कर शॉट खेलने का मतलब नहीं बनता, उन्हें चुनिंदा गेंदों पर अटैक करना चाहिए।' पठान ने यह भी बताया कि ब्रिसबेन में हुए आखिरी टी20 में अभिषेक नाथन एलिस और बेन ड्वार्शुइस की गेंदों पर संघर्ष करते नजर आए। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि वह इस पर अभिषेक के मेंटर युवराज सिंह से बात करेंगे।

भारत ए / साउथ अफ्रीका ए : टीम इंडिया की बढ़ी चिंता, स्टार तेज गेंदबाज ने चोटिल होकर मैदान छोड़ा

स्पोर्ट्स डेस्क। भारत को एक और बड़ा झटका लगा है। स्टार तेज गेंदबाज़ मोहम्मद सिराज रविवार को साउथ अफ्रीका 'ए' के खिलाफ खेले जा रहे दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट के चौथे दिन हाथ में चोट लगने के बाद मैदान छोड़कर बाहर चले गए। सिराज फील्डिंग के दौरान अपने दाएं हाथ पर चोट लगा बैठे, जिसके बाद उन्हें दर्द में डगआउट लौटना पड़ा। टीम इंडिया 'ए' के लिए यह सीरीज़ साउथ अफ्रीका के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज़ की तैयारी का अहम हिस्सा मानी जा रही है। सिराज की यह चोट चिंताजनक है क्योंकि भारत का मुख्य दौरा अब से एक हफ्ते से भी कम समय में शुरू होने वाला है। जानकारी के मुताबिक, चोट सिराज के बॉलिंग हैंड पर लगी है और टीम फिजियो तुरंत मैदान पर पहुंचे। फिलहाल बीसीसीआई की ओर से कोई आधिकारिक अपडेट नहीं आई है, लेकिन अगर सिराज फिट नहीं होते हैं, तो आकाश दीप को उनका रिप्लेसमेंट माना जा रहा है। सिराज भारत के लिए जसप्रीत बुमराह के बाद दूसरे प्रमुख तेज गेंदबाज़ हैं। ऐसे में उनका बाहर होना टीम के लिए बड़ा झटका साबित हो सकता है। वहीं, ऋषभ पंत और ध्रुव जुरेल की जोड़ी भी चर्चा में है। जुरेल ने इस सीरीज़ में दो शतक लगाकर अपनी दावेदारी मजबूत की है, और संभावना है कि वे पहले टेस्ट में पंत के साथ प्लेइंग इलेवन का हिस्सा बनें।

धोनी फैंस के लिए खुशखबरी : 2026 में भी खेलेंगे 'कैप्टन कूल', चेन्नई सुपर किंग्स के सीईओ ने की पुष्टि,

नई दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के फैंस के लिए बड़ी खुशखबरी आई है। फ्रेंचाइजी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) काशी विश्वनाथन ने साफ तौर पर कहा है कि टीम को पूरा भरोसा है कि महेंद्र सिंह धोनी अगले सीजन यानी आईपीएल 2026 में भी मैदान पर उतरेंगे। लंबे समय से चल रही धोनी के संन्यास की अटकलों पर अब विराम लग गया है। विश्वनाथन ने क्रिकबज से बातचीत में कहा, 'यह सही है, एमएस ने हमें बताया है कि वह अगले सीजन के लिए उपलब्ध रहेंगे।' यह बयान ऐसे समय में आया है जब फैंस लगातार यह सवाल पूछ रहे थे कि क्या धोनी 2025 सीजन के बाद आईपीएल से विदाई लेंगे। फ्रेंचाइजी के सीईओ ने पहले भी एक युवा प्रशंसक से बातचीत में इसी बात की पुष्टि की थी। 2008 में फ्रेंचाइजी की स्थापना से जुड़े काशी विश्वनाथन, सीएसके के मालिक एन. श्रीनिवासन के सबसे भरोसेमंद सहयोगियों में से हैं। उन्होंने कहा कि धोनी न केवल टीम के लिए बल्कि पूरी फ्रेंचाइजी की आत्मा बन चुके हैं। गौरतलब है कि धोनी (44) का आईपीएल में भविष्य पिछले कई वर्षों से चर्चाओं में बना हुआ है, लेकिन अब 2026 तक उनके खेलने की संभावना लगभग तय हो गई है। पिछले सीजन में सीएसके का प्रदर्शन उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहा था और टीम निचले पायदान पर रही थी। नियमित कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ की अनुपस्थिति में धोनी ने खुद टीम की कमान संभाली थी। क्रिकेट जगत में माना जा रहा है कि वह अपनी शानदार कप्तानी और प्रदर्शन के साथ एक यादगार सीजन के बाद संन्यास लेना चाहेंगे। धोनी ने अब तक 248 मैचों में सीएसके के लिए 4,865 रन बनाए हैं और टीम को पांच बार आईपीएल खिताब (2010, 2011, 2018, 2021 और 2023) जिताया है। अगर वह अगले सीजन में खेलते हैं, तो यह उनके लिए सीएसके का 17वां और आईपीएल करियर का 19वां सीजन होगा। धोनी की वापसी की इस खबर ने फैंस में जबरदस्त उत्साह पैदा कर दिया है।

रणजी ट्रॉफी: 8 छक्के और सिर्फ 11 गेंदों में अर्धशतक, मेघालय के इस बल्लेबाज ने तोड़ा 13 साल पुराना रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। मेघालय के बल्लेबाज आकाश कुमार ने रणजी ट्रॉफी में इतिहास रच दिया है। उन्होंने अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ महज 11 गेंदों में अर्धशतक जमाकर फर्स्ट क्लास क्रिकेट में सबसे तेज़ पचासा लगाने का नया रिकॉर्ड बना दिया। इस दौरान उन्होंने 8 गगनचुंबी छक्के जड़े और अपनी पारी से दर्शकों को रोमांचित कर दिया।

यह रिकॉर्ड तोड़ पारी दूसरे दिन खेली गई, जब मेघालय की टीम पहले से ही मजबूत स्थिति में थी। राहुल दलाल (144 रन) के आउट होने के बाद आकाश बल्लेबाजी करने उतरे और आते ही गेंदबाजों पर टूट पड़े। उन्होंने स्वस्तिक चेतरी के साथ मिलकर 52 रन की साझेदारी की और टीम का स्कोर 628/6 तक पहुंचा दिया, जिसके बाद मेघालय ने पारी घोषित कर दी। आकाश की स्ट्राइक रेट 300 से भी ज्यादा रही। उन्होंने अरुणाचल के थके हुए गेंदबाजों पर जमकर प्रहार किया और दर्शकों को टी20 जैसी बल्लेबाजी का मज़ा दिया।

इससे पहले यह रिकॉर्ड 2012 में इंग्लैंड के वेन व्हाइट के नाम था, जिन्होंने 12 गेंदों में पचासा जड़ा था। लेकिन अब आकाश कुमार ने उसे पीछे छोड़ते हुए नया इतिहास रचा है।

25 वर्षीय आकाश ने अब तक 30 फर्स्ट क्लास मैचों में 503 रन बनाए हैं और 87 विकेट भी चटकाए हैं। गेंदबाजी में ज्यादा प्रभावी माने जाने वाले आकाश ने इस सीज़न में बल्ले से भी शानदार प्रदर्शन कर सभी को चौंका दिया है।

एथेंस ओपन : नोवाक जोकोविच ने जीता करियर का 101वां खिताब

एथेंस। सर्बिया के महान टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने एथेंस में आयोजित हेलैनिक चैम्पियनशिप का खिताब जीतकर अपने करियर का 101वां टाइटल अपने नाम किया। 38 वर्षीय जोकोविच ने रोमांचक फाइनल में इटली के लोरेंजो मुसेटी को 4-6, 6-3, 7-5 से हराया। तीन घंटे चले इस मुकाबले में दोनों खिलाड़ियों ने शानदार जुझारूपन दिखाया। निर्णायक सेट में ही पांच बार सर्विस ब्रेक हुए और 13 ब्रेक पॉइंट बने। इस जीत के साथ जोकोविच ने हार्ड कोर्ट पर अपने 72वें खिताब के साथ रोजर फेडरर को पछाड़ते हुए ओपन एरा में सबसे ज्यादा हार्ड कोर्ट खिताब जीतने वाले खिलाड़ी बन गए। मैच के बाद जोकोविच ने कहा, 'यह जीत ग्रीस के शानदार लोगों को समर्पित है। आपने हमेशा मेरा समर्थन किया और मुझे घर जैसा महसूस कराया।' हालांकि, फाइनल के तुरंत बाद चोट के चलते जोकोविच ने ATP फाइनल्स से नाम वापस ले लिया। उनकी जगह अब लोरेंजो मुसेटी ट्यूरिन में सीज़न फिनाले में खेलेंगे, जो उनके करियर का पहला ATPफाइनल्स होगा। जोकोविच ने बयान जारी कर कहा, 'मैं ट्यूरिन में खेलने को लेकर बहुत उत्साहित था, लेकिन चोट के कारण अब मुझे हटना पड़ रहा है। सभी फैंस का धन्यवाद, मैं जल्द कोर्ट पर वापसी करूंगा।'

मार्क वुड बोले - ऑस्ट्रेलिया है एशेज का प्रबल दावेदार, लेकिन इंग्लैंड भी जीत के लिए तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज मार्क वुड का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया अपनी घरेलू परिस्थितियों के कारण आगामी एशेज सीरीज में प्रबल दावेदार रहेगा, लेकिन उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इंग्लैंड की टीम आत्मविश्वास और तैयारी के मामले में पीछे नहीं है। इंग्लैंड की टीम 2010-11 के बाद से ऑस्ट्रेलियाई धरती पर एशेज सीरीज नहीं जीत पाई है, और इस बार उसका लक्ष्य इस लंबे इंतजार को खत्म करने का है।

वुड ने मीडिया से बातचीत में कहा, 'ऑस्ट्रेलिया निश्चित रूप से इस सीरीज में फेवरेट है, लेकिन हमें भी पूरा भरोसा है कि हम यहां अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। हमारे पास ऐसा संयोजन है जो किसी भी टीम को चुनौती दे सकता है।' लंबे समय से चोट से जूझ रहे मार्क वुड ने बताया कि वह अभी पूरी तरह फिट नहीं हैं, लेकिन पहले टेस्ट तक खेलने की स्थिति में पहुंचने की उम्मीद रखते हैं। उन्होंने आखिरी बार फरवरी में चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेला था, जिसके बाद घुटने की चोट ने उन्हें मैदान से दूर कर दिया। वुड इंग्लैंड की गेंदबाजी आक्रमण का अहम हिस्सा हैं और टीम को उनसे काफी उम्मीदें हैं। वुड ने कहा, 'मैं यह नहीं कहूंगा कि मैं शत-प्रतिशत फिट हूं। इतनी लंबी चोट के बाद अभ्यास में हमेशा पूरा दम लगाना आसान नहीं होता, लेकिन मैं धीरे-धीरे अपनी रफ्तार और स्टैमिना दोनों पर काम कर रहा हूं। मुझे भरोसा है कि पहले टेस्ट तक मैं पूरी तरह फिट होकर मैदान में उतरूंगा।' पहला टेस्ट 21 नवंबर से पर्थ स्टेडियम में खेला जाएगा, और वुड इस मैदान पर खेलने को लेकर खासे उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, ÷पर्थ का विकेट तेज और उछाल भरा है, और मैं इस पिच पर गेंदबाजी करने के लिए बेहद उत्सुक हूं। 2022 टी20 विश्व कप के दौरान मैंने यहां गेंदबाजी की थी और अनुभव शानदार रहा था।'

हालांकि इंग्लैंड को इस बार ज्यादा अभ्यास मैच खेलने का मौका नहीं मिला, लेकिन वुड इससे चिंतित नहीं हैं। उन्होंने कहा, 'हमारे पास जैसा कार्यक्रम है, उससे मैं खुश हूं। भारत के खिलाफ पिछली सीरीज से पहले भी हमने ज्यादा अभ्यास नहीं किया था, फिर भी पहला टेस्ट जीतने में सफल रहे थे।

अब घरेलू धरती पर दक्षिण अफ्रीका का मुकाबला करेगी भारतीय टीम

मुम्बई। भारतीय टीम 14 नवंबर से दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध घरेलू मैदान पर टेस्ट, एकदिवसीय और टी20 सीरीज खेलेगी। दोनो ही टीमों के बीच 14 नवंबर से दो मैचों की टेस्ट सीरीज कोलकाता में शुरु होगी। वहीं दूसरा मैच 22 नवंबर से गुवाहाटी में खेला जाएगा। दोनों ही टीमें इसके बाद तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज भी खेली जाएगी। इसका पहला मैच रांची में 30 नवंबर जबकि दूसरा 3 दिसंबर को रायपुर में वहीं अंतिम एकदिवसीय 6 दिसंबर को विशाखापत्तनम में खेला जाएगा।

दोनो ही टीमों के बीच 9 दिसंबर से कटक में पहला टी20 मुकाबला खेला जाएगा। वहीं 11 दिसंबर को न्यू चंडीगढ़ में सीरीज का दूसरा व 14 दिसंबर को धर्मशाला में तीसरा मैच खेला जाएगा। 17 दिसंबर को लखनऊ में चौथा टी20 मैच होगा, जबकि 19 दिसंबर को अहमदाबाद में पांचवां मुकाबला होगा।।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए शुभमन गिल की कप्तानी में टीम घोषित कर दी है। चोट से उबर कर वापसी कर रहे ऋषभ पंत इस टीम के उपकप्तान करेंगे। टीम में ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और अक्षर पटेल रहेंगे जबकि तेज गेंदबाजी की जिम्मेदारी जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज के पास रहेगी। इंग्लैंड दौरे में शानदार प्रदर्शन करने वाले आकाश दीप को भी टीम में शामिल किया गया है। ये सीरीज विश्व टेस्ट चैंपियनशिप को देखते हुए बेहद अहम रहेगी। एकदिवसीय के लिए भी शुभमन ही कप्तानी रहेंगे पर टी20 की कप्तानी सूर्यकुमार यादव संभालेंगे।

टेस्ट टीम इस प्रकार है : शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल, ध्रुव जुरेल, रवींद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल, नीतीश कुमार रेड्डी, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव, आकाश दीप।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए पहले से की गयी तैयारी का लाभ मिला : अभिषेक

–शीर्ष आक्रमण के सामने अपनी बल्लेबाजी को परखना चाहता था

ब्रिसबेन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज में भारतीय टीम को जीत दिलाने में महत्वूर्ण भूमिका निशाने वाले आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने कहा है कि उन्होंने इसके लिए पहले से तैयारी की थी जिसका उन्हें लाभ मिला। अभिषेक के अनुसार उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई हालातों में बेहतर प्रदर्शन के लिए अपने को मानसिक और तकनीकी रूप से बेहतर बनाया था। इसी कारण वह ऑस्ट्रेलियाई पिचों पर तेज गेंदबाजी आक्रमण का सामना करने में सफल रहे। वह अपनी बल्लेबाजी को ऑस्ट्रेलिया में शीर्ष स्तर के गेंदबाजी आक्रमण के सामने परखना भी चाहते थे।

अभिषेक ने इस सीरीज में पांच मैच में 163 रन बनाए। सीरीज में बारिश के कारण तीन ही मैच हुए जबकि दो मैच रद्द हो गए थे। उन्होंने पांचवें और अंतिम टी20 मैच के बारिश के कारण रद्द होने के बाद कहा, 'मैं इस टूर्नामेंट का काफी समय से इंतजार कर रहा था। जब मुझे पता चला कि हम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए ऑस्ट्रेलिया जा रहे हैं तभी से मैं इस दौरे का बेसब्री से इंतजार कर रहा था। उन्होंने कहा, ''अपने पूरे करियर में मैंने देखा है कि ऑस्ट्रेलिया बल्लेबाजी के लिए बहुत अनुकूल है और मैं अपने को इस तरह की गेंदबाजी और हालातों के लिए तैयार करना चाहता था।

उनका प्रयास विश्वस्तरीय तेज गेंदबाजों का सामना करने और ऑस्ट्रेलियाई पिचों के हिसाब से अपने खेल को ढालने पर ध्यान देना भी था। पिछले तीन टी20 मैच में जोश हेजलवुड के नहीं होने के कारण खेलने में हुई आसानी को लेकर अभिषेक ने कहा, 'अगर आपको अच्छा क्रिकेट खेलना है और अपनी टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करना है तो आपको विश्वस्तरीय गेंदबाजों का सामना करना होगा। मैं इस तरह के गेंदबाजों के लिए अभ्यास कर रहा था क्योंकि इसी तरह आप एक खिलाड़ी के रूप में बेहतर होते हैं।

वहीं बल्लेबाजी में अति-आक्रामक रवैये को लेकर अभिषेक ने कहा कि भारतीय टीम प्रबंधन ने उन्हें अपना स्वाभाविक खेल खेलने को कहा था। अभिषेक ने कहा, 'कप्तान और कोच ने मुझे अपने अनुसार खेलने की आजादी दी है। साथ ही कहा कि एक बल्लेबाज के तौर पर जब आप 20 या 30 रन बनाते हैं तो आप जानते हैं कि आप ज्यादा देर तक खेल सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस सीरीज ने अगले साल टी20 विश्व कप में जगह बनाने के उनके इरादे को और बेहतर किया है। उन्होंने कहा, 'अगर मुझे विश्व कप खेलने का मौका मिला तो यह मेरे लिए किसी सपने के सच होने जैसा होगा।

दवा कंपनियों पर सख्ती, सीडीएससीओ ने सभी राज्यों को दिए जांच शुरू करने के निर्देश

- रिवाइज्ड शेड्यूल एम के तहत होगी जांच, एमएसएमई यूनिट्स के लिए भी अब नहीं बचेगी कोई ढील

नई दिल्ली ।

भारत की दवा निर्माण इकाइयों के लिए मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गेनाइजेशन (सीडीएससीओ) ने सभी राज्य दवा नियंत्रकों को आदेश दिया है कि वे जल्द से जल्द दवा निर्माण इकाइयों की जांच शुरू करें। ये जांच देश के गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिस (जीएमपी) गाइडलाइंस यानी रिवाइज्ड शेड्यूल एम के तहत की जाएगी। यह कदम भारत की दवा निर्माण प्रणाली को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप लाने की दिशा में उठाया गया है। 7 नवंबर को ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (डीसीजीआई) एक पत्र जारी कर सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के ड्रग कंट्रोलर्स से कहा गया है कि हर महीने रिपोर्ट भेजें, जिसमें बताया जाए कि कितनी यूनिट्स की जांच की गई, क्या खामियां मिलीं और उनके खिलाफ क्या कार्रवाई की गई। रिवाइज्ड शेड्यूल एम दिसंबर 2023 में लागू किया गया था। बड़े फार्मा प्लेयर्स के लिए यह नियम 1 जनवरी 2025 से अनिवार्य हो जाएंगे, जबकि एमएसएमई कंपनियों को 31 दिसंबर 2025 तक का समय दिया गया था। देश में करीब 10,500 दवा निर्माण इकाइयां हैं, जिनमें से लगभग 8,500 एमएसएमई कैटेगरी में आती हैं। लेकिन कई छोटी यूनिट्स ने न तो एक्सटेंशन मांगा और न ही अपग्रेडेशन प्लान जमा किया। हाल के वर्षों में जहरीली दवाओं से हुई बच्चों की मौतों ने दवा क्वालिटी पर गंभीर सवाल उठाए हैं।

मध्य प्रदेश में कफ सिरप से 24 बच्चों की मौत के बाद यह सख्ती बढ़ी है। अब सीडीएससीओ का स्पष्ट संदेश है कि क्वालिटी पर कोई समझौता नहीं होगा। जांचें तेज की जाएंगी और नियमों का उल्लंघन करने वाली यूनिट्स पर सख्त कार्रवाई होगी। इससे उम्मीद है कि भारत की दवा उद्योग में गुणवत्ता और पारदर्शिता का नया मानक स्थापित होगा।

सबसे छोटी यूएसबी-सी फ्लैश ड्राइव लॉन्च

नई दिल्ली ।

मशहूर ब्रांड सेनडिस्क ने दुनिया की सबसे छोटी यूएसबी-सी फ्लैश ड्राइव लॉन्च करने का दावा किया है। कंपनी ने नई सेनडिस्क एक्सट्रीम फीट यूएसबी-सी ड्राइव को उन यूजर्स को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है जो भारी-भरकम ड्राइव्स की जगह कॉम्पैक्ट और हाई-स्पीड स्टोरेज सॉल्यूशन चाहते हैं। यह ड्राइव केवल 3 ग्राम वजन और 18.50गुणा15.70 गुणा13.60 मिमी के साइज में आती है, जिससे इसे डिवाइस में लगने के बाद पहचान पाना मुश्किल हो जाता है। इसका यूएसबी टाइप-सी पोर्ट इसे लैपटॉप, टैबलेट और स्मार्टफोन जैसे विभिन्न डिवाइसों के साथ कम्पैटिबल बनाता है।

सेनडिस्क का कहना है कि यह ड्राइव मेकबुक एयर, मेकबुक प्रो और यूएसबी-सी आईपैड मॉडल्स के लिए एक परफेक्ट ऑप्शन है। परफॉर्मेंस के मामले में भी यह ड्राइव बेहद तेज है। इसमें 400एमपीबी/एस तक की डेटा ट्रांसफर स्पीड मिलती है, जो यूएसबी 3.2 जेन 1 तकनीक पर आधारित है। कंपनी ने इसे 128जीबी से लेकर 1 टीबी तक के स्टोरेज विकल्पों में लॉन्च किया है, जिससे यूजर्स अपनी जरूरत के अनुसार सही मॉडल चुन सकते हैं। यह ड्राइव विंडोज 10 या उसके बाद, मेकओएस 12 या उसके बाद, और आइपेड ओएस 15 या उसके बाद के वर्जन पर काम करती है।

कीमत की बात करें तो इसके 1 टीबी वेरिएंट की कीमत 120 डॉलर (करीब 10,600 रुपये) रखी गई है। सेनडिस्क का दावा है कि यह अब तक की सबसे छोटी और सबसे पावरफुल यूएसबी-सी फ्लैश ड्राइव है, जो तेज़ परफॉर्मेंस और पोर्टेबिलिटी दोनों का बेहतरीन संतुलन पेश करती है।

केंद्र सरकार ने अगले सीजन में 15 लाख टन चीनी निर्यात को दी मंजूरी

- मोलासेस टैक्स खत्म होने से चीनी मिलों को मिलेगी राहत

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने चीनी उद्योग और गन्ना किसानों के हित में बड़ा निर्णय लिया है। अगले चीनी सीजन 2025-26 में लगभग 15 लाख टन चीनी निर्यात की अनुमति दी जाएगी। इसके साथ ही गुड़ की छाछ यानी मोलासेस पर लगने वाला 50 प्रतिशत निर्यात शुल्क समाप्त कर दिया गया है। इन फैसलों से चीनी मिलों को आर्थिक राहत मिलेगी और किसानों को गन्ने के भुगतान समय पर हो सकेंगे। यह कदम ऐसे समय में आया है जब कर्नाटक में गन्ना किसानों का आंदोलन जारी है। खाद्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को पत्र लिखकर इन निर्णयों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सरकार की किसान हितैषी नीतियों से गन्ना भुगतान की स्थिति में काफी सुधार हुआ है। जनवरी 2025 में जब चीनी के दाम गिर रहे थे, तब केंद्र ने 10 लाख टन चीनी निर्यात की अनुमति दी थी। इससे देश में अतिरिक्त स्टॉक घटा और कर्नाटक में चीनी के भाव 3370 रुपए से बढ़कर 3700-3930 रुपए प्रति क्विंटल तक पहुंच गए थे। अब 15 लाख टन निर्यात की नई मंजूरी से उद्योग को और राहत मिलेगी। खाद्य मंत्रालय ने सैद्धांतिक रूप से इस निर्यात को हरी झंडी दे दी है, जबकि अंतिम मंजूरी हाई-पावर ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स से मिलनी बाकी है। उद्योग जगत 20 लाख टन निर्यात की मांग कर रहा था, ताकि अधिशेष उत्पादन पर नियंत्रण हो सके। सरकारी आंकड़ों के अनुसार 30 सितंबर 2025 तक कर्नाटक में 2022-23 और 2023-24 सीजन का कोई भुगतान बकाया नहीं है, जबकि 2024-25 सीजन में केवल 50 लाख रुपए बाकी हैं। सरकार को उम्मीद है कि इन नीतिगत कदमों से चीनी उद्योग और गन्ना किसान दोनों को बड़ा लाभ मिलेगा।

डिजिटल गोल्ड से निवेशक रहें सतर्कः सेबी की चेतावनी

- सेबी ने कहा, ये उत्पाद उसके नियामक दायरे में नहीं आते

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय बाजार नियामक सेबी ने निवेशकों को चेतावनी दी है कि वे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स द्वारा प्रचारित डिजिटल गोल्ड या ई-गोल्ड में निवेश करते समय सावधानी बरतें। सेबी ने स्पष्ट किया है कि ऐसे डिजिटल गोल्ड उत्पाद उसके नियामक ढांचे के तहत नहीं आते इसे लिए इनमें निवेश करते समय खतरे की अे धिक संभावना है। सेबी ने कहा कि कुछ ऑनलाइन प्लेटफॉर्म इन उत्पादों को सोने में निवेश का आसान तरीका बताकर प्रचारित कर रहे हैं, लेकिन ये न तो किसी सिक्योरिटी (सुरक्षा निवेश) के रूप में अधिसूचित हैं और न ही कमॉडिटी डेरिवेटिव (वायदा कारोबार) के अंतर्गत आते हैं। इसका मतलब है कि ये उत्पाद सेबी की निगरानी से बाहर हैं और सेबी के निवेशक सुरक्षा प्रावधान इन पर लागू नहीं होते। नियामक ने कहा कि इन उत्पादों में निवेश से काउंटरपार्टी (दूसरे पक्ष) और संचालन संबंधी जोखिम बने रहते हैं। यदि प्लेटफॉर्म या कंपनी में कोई गड़बड़ी होती है, तो निवेशकों को नुकसान हो सकता है। सेबी ने निवेशकों को सलाह दी कि वे सोने में निवेश के लिए सेबी-नियंत्रित विकल्पों का चयन करें, जैसे गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड, इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीट्स और कमॉडिटी डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट्स, जिन्हें स्टॉक एक्सचेंज पर खरीदा-बेचा जा सकता है। डिजिटल गोल्ड एक ऐसी सुविधा है, जिसमें निवेशक ऑनलाइन सोना खरीदते हैं, जो वॉल्ट्स में सुरक्षित रखा जाता है। इसे बाद में ज्वेलरी या गोल्ड कॉइन के रूप में रिडीम किया जा सकता है। इसे फोनपे, पेटीएम, गूगलपे, एमएमटीसी-पीएएमपी ते निष्क जैसे प्लेटफॉर्म्स से खरीदा जा सकता है। हालांकि, इस पर 3 फीसदी जीएसटी और बेचने पर कैपिटल गेन टैक्स लागू होता है। इसलिए विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि निवेशक डिजिटल गोल्ड में निवेश से पहले इसके जोखिम और टैक्स प्रभाव को समझकर ही निर्णय लें।

अगले हफ्ते दो कंपनियां करेंगी शेयर स्प्लिट, छोटे निवेशकों को बड़ा मौका

- दोनों कंपनियों ने निवेशकों की पहुंच बढ़ाने फेस वैल्यू घटाई, एक्स-डेट और रिकॉर्ड डेट तय

नई दिल्ली ।

अगला हफ्ता शेयर बाजार निवेशकों के लिए खास रहेगा। सम्प्रे न्यूट्रीशन लिमिटेड और वेवसोल इनर्जी सिस्टम लिमिटेड अपने शेयरों का स्टॉक स्प्लिट करने जा रही हैं। दोनों कंपनियों की एक्स-डेट और रिकॉर्ड डेट 14 नवंबर तय की गई है। सम्प्रे न्यूट्रीशन ने अपने शेयरों की फेस वैल्यू 10 रुपए से घटाकर 5 रुपए करने की घोषणा की है। यानी कंपनी का एक शेयर अब दो हिस्सों में बंट जाएगा। इस कदम से बाजार में शेयरों की तरलता बढ़ेगी और छोटे निवेशकों के लिए इसमें निवेश करना आसान होगा। फूड और न्यूट्रिशन सेक्टर की यह कंपनी हाल के महीनों में काफी एक्टिव रही है, और विश्लेषकों को उम्मीद है कि स्प्लिट के बाद इसके ट्रेडिंग वॉल्यूम में इजाफा होगा। वहीं वेबसोल इनर्जी ने अपने शेयरों का फेस वैल्यू 10 रुपए से घटाकर 1 रुपए करने का फैसला लिया है, यानी हर एक शेयर अब दस हिस्सों में बंटेगा। सोलर एनर्जी सेक्टर से जुड़ी इस कंपनी का उद्देश्य अपने शेयरों को अधिक निवेशकों तक पहुंचाना है। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि स्टॉक स्प्लिट के बाद शेयरों में अल्पकालिक

हलचल संभव है, लेकिन दीर्घकालिक प्रभाव कंपनी की मूल स्थिति पर निर्भर करेगा।

कर्नाटक में गन्ना के लिए 3,300 रुपये प्रति टन मूल्य तय

- बेलगावी के किसानों ने प्रदर्शन वापस लिया

बेंगलुरु ।

बेलगावी में गन्ना किसानों का दस दिन तक चलने वाला आंदोलन समाप्त हो गया। किसान 11.25 प्रतिशत चीनी वाले गन्ने के लिए अधिक मूल्य की मांग कर रहे थे। कर्नाटक सरकार ने किसानों की मांग को ध्यान में रखते हुए गन्ने का न्यूनतम समर्थन मूल्य 3,300 रुपये प्रति टन तय किया। चीनी मंत्री शिवानंद पाटिल ने मुदलागी तालुक के गुरलापुर चौराहे पर किसान नेताओं को सरकार के आदेश की प्रति सौंपी। इसके बाद कुछ किसानों ने प्रदर्शन वापस लिया और जश्न मनाया। हालांकि बगलकोट, मुधोल और अन्य क्षेत्रों के गन्ना किसान अभी भी असंतुष्ट हैं और विरोध जारी रखेंगे। आंदोलन बेलगावी से शुरू होकर उत्तरी कर्नाटक के विजयपुरा, हावेरी और अन्य जिलों में फैल चुका था। सरकार की नई घोषणा से किसानों के बीच असंतोष और समर्थन दोनों दिख रहे हैं।

बैंकिंग और फाइनेंशियल फंड्स ने सेंसेक्स को पछाड़ा

- निवेशकों को सतर्क रहने की सलाह

नई दिल्ली । पिछले एक साल में जहां सेंसेक्स ने केवल 3.5 फीसदी की बढ़त दर्ज की, वहीं बैंकिंग और फाइनेंशियल सर्विसेज (बीएफएसआई) सेक्टर के फंड्स ने औसतन 11.5 फीसदी का रिटर्न दिया है। इस तेज़ी के बावजूद विशेषज्ञ निवेशकों को सतर्क रहने की सलाह दे रहे हैं। एसबीआई बैंकिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेज फंड के एक फंड अे धिकारी के अनुसार वर्तमान में बैंकिंग सिस्टम पर देनदारियों का दबाव कम है, और लिक्विडिटी कवरेज रेशियो (एलसीआर), प्रोजेक्ट प्रोविजनिंग और रिस्क वेट्स जैसे प्रस्तावित नियम सेक्टर की विकास यात्रा के पक्ष में हैं। छोटे और मिड-कैप बैंक, पीएसयू बैंक, एनबीएफसी और बड़े प्राइवेट बैंक लेंडिंग सेक्टर की तेजी में मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। हालांकि, कम ब्याज दरों से शॉर्ट टर्म में मार्जिन पर दबाव रहा, लेकिन बैंकर्स ने इसका असर संभाल लिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर क्रेडिट ग्रोथ में सुधार होता है और एसेट क्वालिटी स्थिर रहती है, तो बैंकिंग शेयरों की वैल्यूएशन मजबूत बनी रह सकती है।

डीपीआईआईटी ने 50 कंपनियों से किए करार

आईटीसी,   फिलपकार्ट, मर्सिडीज बेंज जैसी प्रमुख फर्में शामिल

नई दिल्ली । उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए 50 से अधिक कंपनियों के साथ समझौता ज्ञापन किए हैं। इनमें आईटीसी, फिलपकार्ट, मे र्सिडीज बेंज, एचडीएफसी, कोटक मे हिंद्रा बैंक, पेटीएम, वालमार्ट और अथर इनर्जी जैसी प्रमुख फर्में शामिल हैं। विनिर्माण-केन्द्रित इन्क्यूबेटर स्टार्टअप्स को पायलट प्रोजेक्ट, स्केलिंग और प्लग-एंड-प्ले सुविधाएं प्रदान करते हैं। इससे प्रारंभिक चरण के नवाचार और उत्पादन में मदद मिलती है और उच्च पूंजी निवेश का बोझ कम होता है। डीपीआईटी की यह पहल उद्योग और स्टार्टअप्स के बीच सहयोग बढ़ाने और नवाचार को तेज़ करने के उद्देश्य से की गई है। साझा सुविधाओं और सहयोगी नेटवर्क के माध्यम से स्टार्टअप्स का विकास और विस्तार आसान होगा।

एफपीआई ने नवंबर में भारतीय शेयर बाजार से निकाले 12,569 करोड़

अक्टूबर में एफपीआई ने 14,610 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था

नई दिल्ली ।

अक्टूबर में थोड़े विराम के बाद विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने नवंबर 2025 में फिर से भारतीय शेयर बाजार से बिकवाली शुरू कर दी है। अब तक एफपीआई ने 12,569 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार अक्टूबर में एफपीआई ने 14,610 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था। जुलाई में 17,700 करोड़, अगस्त में 34,990 करोड़ और सितंबर में 23,885 करोड़ रुपये निकाले। बाजार के जानकारों के अनुसार, नवंबर की बिकवाली ने भारत के प्रदर्शन को अन्य प्रमुख बाजारों की तुलना में कमजोर बनाया है। उन्होंने बताया कि 2025 में एफपीआई गतिविधियों में विविधता रही है। हेज फंड भारत में बिकवाली कर रहे हैं, जबकि अमेरिका, चीन, दक्षिण कोरिया और ताइवान जैसे एआई-सक्रिय बाजारों में निवेश बढ़ा है। भारत को वर्तमान में एआई-आधारित कमजोर प्रदर्शन वाला माना जा रहा है, और यही धारणा एफपीआई की रणनीति को प्रभावित कर रही है। ऋण या बॉन्ड बाजार से 1,758 करोड़ निकाले- एफपीआई ने समीक्षाधीन अवधि में ऋण या बॉन्ड बाजार से 1,758 करोड़ रुपये निकाले, जबकि स्वैच्छिक प्रतिधारण मार्ग से 1,416 करोड़ रुपये निवेश किए। भारतीय कंपनियों के वित्त वर्ष 26 की दूसरी तिमाही के नतीजे अपेक्षाओं से थोड़े बेहतर रहे, खासकर मध्यम आकार के खंड में। 2025 में अब तक, एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजार से कुल 1.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक निकाले हैं। वैश्विक अनिश्चितताएं और एआई-सक्रिय बाजारों में निवेश के रुझान भविष्य में भी एफपीआई को सतर्क रख सकते हैं।

शेयर बाजार की दिशा मुद्रास्फीति और वैश्विक घटनाओं पर निर्भर करेगी

रुपया–डॉलर विनिमय दर और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों पर भी रहेगी बाजार की नजर

मुंबई ।

इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार की दिशा घरेलू और वैश्विक कारकों पर निर्भर करेगी। विशेषज्ञों का कहना है कि निवेशक विशेष रूप से उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) और थोक मूल्य सूचकांक (डब्लयूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर ध्यान केंद्रित करेंगे। बाजार के विशेषज्ञों का कहना है कि ये आंकड़े महंगाई की दिशा और भारतीय रिजर्व बैंक की नीतिगत रणनीति का संकेत देंगे। सप्ताह के दौरान ओएनजीसी, बजाज फिनसर्व, एशियन पेंट्स, टाटा स्टील और ऑयल इंडिया जैसी बड़ी कंपनियों के तिमाही नतीजे आने वाले हैं। निवेशक और विश्लेषक इन परिणामों की मदद से स्टॉक्स की दिशा और कंपनी प्रदर्शन का आकलन करेंगे। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई)की गतिविधियां भी बाजार की दिशा को प्रभावित करेंगी। इसके अलावा रुपया-डॉलर विनिमय दर और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों पर नजर रहेगी, जो ऊर्जा क्षेत्र

और निवेश धारणा पर असर डाल सकती हैं। अमेरिका में कुछ विभागों के कामकाज ठप होने (शटडाउन) के कारण महत्वपूर्ण आर्थिक आंकड़े नहीं जारी हो पा रहे हैं, जिससे वैश्विक निवेशकों में अनिश्चितता बनी हुई है। इसके अलावा अमेरिका, भारत और चीन के बीच व्यापार वार्ता में प्रगति या बाधाएं भी बाजार पर असर डाल सकती हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि आगामी मुद्रास्फीति आंकड़े, एफपीआई प्रवाह, अमेरिकी शटडाउन और अंतरराष्ट्रीय व्यापार वार्ता के परिणाम बाजार की दिशा तय करेंगे।

भारत के 16 डीपीएसयू आरएंडडी पर 32,000 करोड़ खर्च करेंगे

- स्वदेशी सैन्य हार्डवेयर उत्पादन को   मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली । भारत के 16 रक्षा सार्वजनिक उपक्रम (डीपीएसयू) अगले पांच वर्षों में अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) पर 32,766 करोड़ रुपये खर्च करने की योजना बना रहे हैं। यह कदम स्वदेशी सैन्य हार्डवेयर और नई तकनीक के विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उठाया गया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने डीपीएसयू की वार्षिक कार्य-निष्पादन समीक्षा के दौरान इस प्रस्तावित व्यय पर चर्चा करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्वदेशी उत्पादन, निर्यात और नई तकनीक के विकास पर विशेष जोर दिया। पिछले 10 वर्षों में डीपीएसयू ने 30,952 करोड़ रुपये आरएएंडी में निवेश किया था। अब अगले पांच वर्षों में यह निवेश लगभग दोगुना किया जाएगा, जिससे भारत के रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और तकनीकी क्षमता मजबूत होगी।

स्कोडा भारत में स्थिर पोर्टफोलियो और ग्लोबल मॉडल का विस्तार करेगी

- कंपनी का फिलहाल इले क्ट्रिक वाहन (ईवी) बाजार में उतरने का इरादा नहीं

नई दिल्ली ।

स्कोडा ऑटो इंडिया ने भारत में अपने मौजूदा पोर्टफोलियो को बनाए रखने का फैसला किया है। कंपनी फिलहाल स्थानीय रूप से निर्मित कारों जैसे काइलैक, कुशाक और स्लाविया को जारी रखेगी, जबकि प्रीमियम आयातित मॉडल जैसे ऑक्टेविया और कोडियाक के माध्यम से ग्लोबल ब्रांडिंग को मजबूत किया जाएगा। स्कोडा के एक प्रमुख अे धिकारी ने बताया कि अगले साल कुछ वैश्विक, प्रतिष्ठित मॉडल भी भारत में लाने की योजना है, हालांकि अभी इन मॉडल के नाम सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। जनवरी से अक्टूबर 2025 के बीच स्कोडा ने 61,607 वाहन बेचे हैं, जो कि 2022 के वार्षिक बिक्री रिकॉर्ड 53,721 इकाई को पार कर चुका है। कंपनी का लक्ष्य घरेलू यात्री वाहन खंड में 2 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी बनाए रखना है। जीएसटी सुधारों से बिक्री की गति के जारी रहने की संभावना जताई जा रही है। कंपनी अगले साल काइलैक श्रृंखला में नए ट्रिम्स पेश करने की योजना बना रही है। इसके साथ ही कुशाक और स्लाविया को भी अपडेटेड वर्ज़न में बाजार में लाया जाएगा, जिससे ग्राहकों की पसंद और जरूरतों को बेहतर ढंग से पूरा किया जा सके। स्कोडा ने स्पष्ट किया कि

फिलहाल भारत में ईवी लाने की कोई तत्काल योजना नहीं है। वैश्विक स्तर पर कंपनी का ईवी पोर्टफोलियो बड़ा है, लेकिन भारत में नीति और एफटीए जैसी अनिश्चितताओं के कारण ईवी की योजना स्थिर रूप से लागू करना चुनौतीपूर्ण है।

ग्लोबल मार्केट्स में जल्द लॉन्च होगी फ्लाइंग फ्ली एस6 ईवी

नई दिल्ली । अपने इलेक्ट्रिक पोर्टफोलियो का विस्तार करते हुए रॉयल एनफील्ड कंपनी ने फ्लाइंग फ्ली स्क्रैम्बलर ईवी को पेश किया है। 2026 के अंत तक यह बाइक भारत सहित कई ग्लोबल मार्केट्स में लॉन्च होगी। इस बाइक को कंपनी ने मिलान में चल रहे ईआईसीएमए 2025 मोटर शो में प्रदर्शित किया। फ्लाइंग फ्ली ब्रांड की यह दूसरी इलेक्ट्रिक बाइक होगी, जो रॉयल एनफील्ड की ऐतिहासिक मोटरसाइकिल 'फ्लाइंग फ्ली' से प्रेरित है, जिसे द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान सैनिकों के लिए एयरड्रॉप किया जाता था। नई फ्लाइंग फ्ली एस6 ईवी अपने क्लासिक स्टाइल और मॉडर्न फीचर्स के संयोजन से एक अनोखा लुक पेश करती है। इसमें अपसाइड-डाउन फ्रंट फोर्क्स, 19-इंच फ्रंट और 18-इंच रियर व्हील्स, चेन ड्राइव सिस्टम और गोल टचस्क्रीन डिस्प्ले दिया गया है। इसका मैग्नीशियम फिन-डिजाइन बैटरी केस बाइक को हल्का और बैटरी को ठंडा रखने में मदद करता है। यह स्क्रैम्बलर हाई-टॉर्क इलेक्ट्रिक मोटर से लैस है जो इसे ऑन-रोड और ऑफ-रोड दोनों परिस्थितियों में स्मूद परफॉर्मेंस देती है। इसमें लॉन्ग-ट्रैवल सस्पेंशन, ऑफ-रोड मोड, डुअल-चैनल एबीएस और ट्रैक्शन कंट्रोल जैसे फीचर्स हैं, जो इसे एडवेंचर राइडिंग के लिए उपयुक्त बनाते हैं। टेक्नोलॉजी के मामले में बाइक काफी एडवांस है। इसमें क्वालकॉम स्नैपड्रेगन क्यूडब्ल्यूएम 2290 प्रोसेसर, 4जी, वाय-फाय, ब्लूटूथ और वॉयस असिस्ट जैसी सुविधाएं दी गई हैं।

डीप सी फिशिंग के नए नियम जारी, छोटे मछुआरों को मिलेगा लाभ

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने 4 नवंबर को भारत के एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक जोन (ईईजेड) में डीप सी फिशिंग के लिए नए नियम जारी किए। इसका मकसद मछुआरों, उनके कोऑपरेटिव्स और छोटे फिशर्स को सशक्त बनाना और विदेशी जहाजों को ईईजेड में प्रवेश से रोकना है। हाई वैल्यू वाली टूना मछलियों पर जोर दिया गया है। मछुआरा कोऑपरेटिव्स और एफएफपीओ को एडवांस्ड जहाजों से डीप सी फिशिंग की अनुमति मिलेगी। मदर-एंड-चाइल्ड वेसल मॉडल से बीच समुद्र में ट्रांसशिपमेंट संभव होगा। हानिकारक तरीकों जैसे एलईडी लाइट फिशिंग, पेयर ट्रॉलिंग और बुल ट्रॉलिंग पर रोक लगी है। मिनिमम लीगल साइज तय होंगे और फिशरीज मैनेजमेंट प्लान बनाए जाएंगे। छोटी बोट्स को छूट, जबकि 64,000 मेकेनाइज्ड वेसल्स को ऑनलाइन पोर्टल से डिजिटल पास लेना होगा।

'होमबाउंड' को फ्लॉप नहीं मानते ईशान

नेशनल अवॉर्ड विनर निर्देशक नीरज घेवान की पिछली फिल्म 'होमबाउंड' को दुनियाभर से प्रशंसा मिली। फिल्म को कई अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह में भी सराहा गया। यही नहीं 'होमबाउंड' भारत की तरफ से ऑस्कर के लिए भी भेजी गई है। लेकिन इस सबके बावजूद फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई और औंधे मुंह गिरी। अब फिल्म के लीड एक्टर ईशान खट्टर ने 'होमबाउंड' के फ्लॉप कहे जाने और बॉक्स ऑफिस नंबर्स को लेकर प्रतिक्रिया दी है। बातचीत के दौरान ईशान ने होमबाउंड को लेकर बात की और कहा कि इसे लंबे समय तक याद रखा जाएगा। अभिनेता ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि यह फिल्म असफल है। मुझे लगता है कि फिल्मों का सफर अलग होता है। जहां तक बॉक्स ऑफिस की बात है, मुझे लगता है कि यह फिल्म लंबे समय तक चलेगी। मैं बॉक्स ऑफिस नंबर्स को इनकार करने की कोशिश नहीं कर रहा हूं। मुझे आंकड़े बहुत अच्छी तरह पता हैं। लेकिन हमारी उम्मीद है कि यह फिल्म ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचे। इसमें मैं अपनी कोशिशों में कोई कमी नहीं आने दूंगा।

एक समय ऐसी फिल्में भी करेंगी अच्छी कमाई

बॉक्स ऑफिस पर छोटी फिल्मों के न चल पाने और अच्छी कमाई करने की जरूरत पर ईशान ने कहा कि एक समय ऐसा आएगा जब ऐसी फिल्में भी किसी बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्म जितनी कमाई करेंगी। इससे चीजें बदल जाएंगी। इससे एक ऐसा माहौल बनेगा जहां ऐसी फिल्मों को पनपने व ज्यादा बनने का मौका मिलेगा। अभी बदकिस्मती से आपको ऐसी फिल्में कभी-कभार ही देखने को मिलती हैं। लेकिन इसमें बदलाव लाने के लिए दर्शकों को भी सहयोग करना होगा।

नीरज घेवान ने किया है निर्देशन

कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान दो प्रवासी मजदूरों की सच्ची कहानी पर आधारित है। फिल्म में एक मुस्लिम और दलित की बचपन की दोस्ती दिखाई गई है, जो पुलिस की नौकरी पाने के लिए प्रयासरत हैं। जिन्हें लगता है कि यह नौकरी उन्हें वह सम्मान दिलाएगी, जो उन्हें अपनी-अपनी पृष्ठभूमि के कारण लंबे समय से नहीं मिल पाया है। धर्मा प्रोडक्शन द्वारा निर्मित इस फिल्म में ईशान खट्टर, विशाल जेठवा और जान्हवी कपूर प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए हैं।

मेरे लिए दर्शक ही सबसे बड़ा पुरस्कार

अभिनेत्री यामी गौतम इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'हक' को लेकर चर्चाओं में बनी हुई हैं। 'हक' अपनी रिलीज के करीब है और यामी फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त हैं। 'विकी डोनर' से बॉलीवुड में अपनी शुरुआत करने वाली यामी गौतम ने अपने करियर में कई सराहनीय भूमिकाएं भी निभाईं हैं। अब यामी ने कई बड़े अवॉर्ड्स में नामित होने के बावजूद उन्हें जीत न पाने पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने बताया कि नॉमिनेशन मिलने के बाद अवॉर्ड न मिलने पर उन्हें कैसा महसूस होता है।

यामी ने भगवत गीता का किया जिक्र

बातचीत के दौरान यामी ने कोई बड़ा अवॉर्ड न जीत पाने पर कहा कि इन पुरस्कारों को खोना उन्हें परेशान नहीं करता। इस दौरान भगवत गीता का जिक्र करते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि जितना मैंने भागवत गीता को समझा है, भगवान कृष्ण ने अर्जुन से जो कहा वह सच है। ऐसा नहीं है कि मैं सबसे आदर्श इंसान की तरह इतनी अलग हो गई हूं, लेकिन अगर आपमें सफलता और हारने के डर से अलग होने या किसी और के नजरिए से मान्यता पाने की क्षमता है, तो आप ठीक हैं। मैंने किसी से किसी भी तरह की मान्यता लेना बंद कर दिया है। अगर अवॉर्ड मिलता है तो मैं बहुत अच्छी एक्ट्रेस हूं, वरना शायद नहीं हूं। ऐसा मेरे साथ बिल्कुल भी नहीं है।

दर्शक मुझे प्यार करते हैं, और क्या चाहिए

साल 2013 में आई अपनी पहली फिल्म 'विकी डोनर' के लिए यामी ने बेस्ट डेब्यू फीमेल के कई अवॉर्ड जीते थे। लेकिन उसके बाद कई बड़े अवॉर्ड्स में नामित होने के बाद भी, यामी उन्हें जीत नहीं पाईं। इस पर अभिनेत्री ने कहा कि अब वह दर्शकों की प्रतिक्रिया से अपनी मान्यता लेती है। मेरे दर्शक मुझे प्यार करते हैं, कुछ निर्देशक और निर्माता मुझ पर दांव लगाने को तैयार हैं, इससे बड़ा पुरस्कार मेरे लिए क्या है। बाकी सब आना जाना है। लेकिन अगर यह किसी को खुश करता है, तो बढ़िया।

शाह बानो केस पर आधारित है 'हक'

वर्कफ्रंट की बात करें तो यामी गौतम जल्द ही इमरान हाशमी के साथ कोर्ट रूम ड्रामा 'हक' में नजर आएंगी। शाह बानो केस से प्रेरित इस फिल्म में यामी एक मुस्लिम महिला की भूमिका में हैं, जो देश के कानून को चुनौती देती है और तलाक के बाद अदालत में अपने लिए गुजारा भत्ता मांगती है।

सनी लियोनी संग शो 'स्प्लिट्सविला' होस्ट करेंगे करण कुंद्रा

सीरियल 'कितनी मोहब्बत है' से करण कुंद्रा को पॉपुलैरिटी मिली। इसके बाद वह कई टीवी सीरियल का हिस्सा बने। आगे चलकर रियलिटी शो के होस्ट के तौर पर भी नजर आए। एमटीवी के 'रोडीज' और 'लव स्कूल' को करण कुंद्रा होस्ट कर चुके हैं। जल्द ही वह 'स्प्लिट्सविला X6' को होस्ट करेंगे। शो में उनकी को-होस्ट सनी लियोनी हैं। 'स्प्लिट्सविला X6' को लेकर करण कुंद्रा काफी एक्साइटेड हैं। वह पीटीआई से की गई बातचीत में कहते हैं, 'मैं 6 साल बाद एमटीवी पर वापस आ रहा हूं, यह बिल्कुल घर लौटने जैसा है। 'स्प्लिट्सविला' शो तो मुझे हमेशा पसंद है। यह शो मॉर्डन लव की जर्नी को दिखाता है।' करण आगे कहते हैं, 'स्प्लिट्सविला' के नए सीजन को सनी लियोनी के साथ होस्ट करना एक शानदार एक्सपीरियंस होगा। मैं यह देखने के लिए एक्साइटेड हूं कि कंटेस्टेंट्स क्या नए ट्विस्ट शो में लेकर लाते हैं। मुझे भरोसा है कि यह सीजन पहले से ज्यादा बोल्ड होगा, सरप्राइज से भरा होगा।'

क्या है शो का कॉन्सेप्ट

करण कुंद्रा ने तनुज विरवानी को 'स्प्लिट्सविला' के नए सीजन में रिप्लेस किया है। जहां तक शो के कॉन्सेप्ट की बात है तो इसमें यंग लड़के, लड़कियां एक विला में साथ रहते हैं। यहां पर वह किसी खास शख्स के प्यार को पाने की कोशिश करते हैं। शो के दौरान कंटेस्टेंट्स को कई टास्क भी दिए जाते हैं। शो के आखिरी में एक कपल को विनर बनाया जाता है।

निर्देशकों के विजन को फॉलो करती हैं एक्ट्रेस

सोनाक्षी सिन्हा ने कहा, मैं अपने निर्देशकों के विजन को फॉलो करती हूं क्योंकि वे फिल्म के साथ ज्यादा समय तक रहे हैं। वे राइटिंग प्रोसेस का हिस्सा रहे हैं, इसलिए उन्हें आइडिया होता है। और एक एक्टर के तौर पर, यह मेरा काम है कि मैं उसे पूरा करूं। अगर मुझे लगता है कि मेरे इनपुट की जरूरत है, अगर मैं इसे किसी खास तरीके से निभाना चाहती हूं या कुछ अलग करना चाहती हूं, तो मैं कहती हूं। लेकिन ज्यादातर, मैं वही करने की कोशिश करती हूं, जो मेरे डायरेक्टर का विजन होता है।

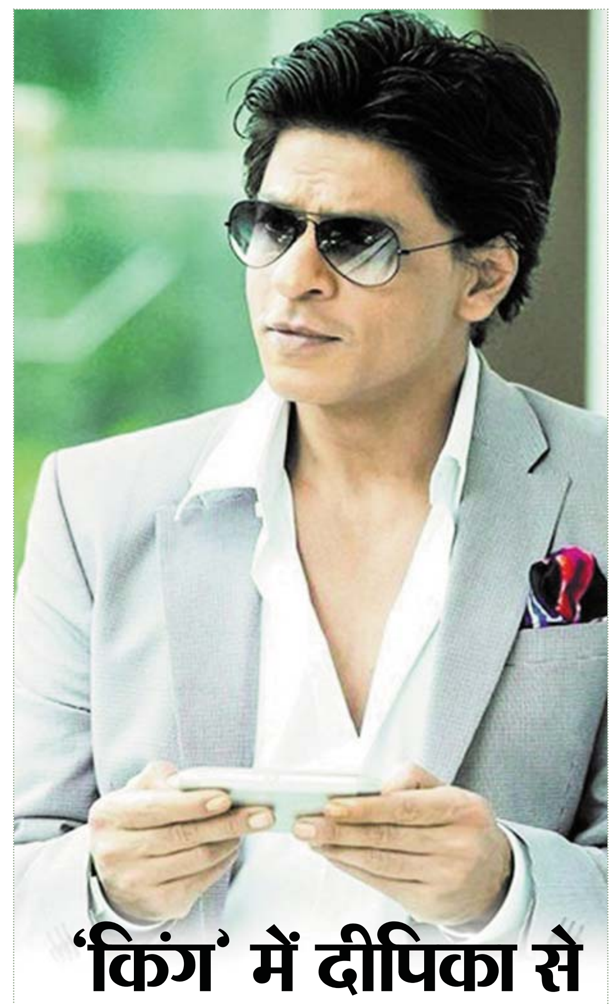

'किंग' में दीपिका से रोमांस करेंगे शाहरुख

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'किंग' को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। हाल ही में शाहरुख के 60वें जन्मदिन के मौके पर फिल्म से उनका लुक और टाइटल रिवील किया गया। इसने सामने आते ही सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया और व्यूज के मामले में रिकॉर्ड स्थापित कर दिए। वहीं जन्मदिन पर एक फैन मीट के दौरान शाहरुख ने फिल्म से जुड़े कई सवालों के भी जवाब दिए। इसी दौरान शाहरुख ने इशारों-इशारों में ये भी कंफर्म कर दिया कि फिल्म में उनका और दीपिका का लव एंगल होगा।

धीरे-धीरे आपको फिल्म के बारे में मिलेगी जानकारी

फैन मीट के दौरान एक प्रशंसक ने शाहरुख से 'किंग' के कॉन्सेप्ट के बारे में पूछा। हालांकि, इस पर शाहरुख ने साफ कहा कि मैं फिल्म के बारे में अभी ज्यादा कुछ भी आपको नहीं बता सकता हूं। जैसे-जैसे और भी चीजें सामने आएंगी, आपको फिल्म के बारे में अधिक पता चलेगा। फिल्म में कई किरदार हैं। फिल्म का मकसद यह है कि जब हम चीजों को व्यक्तिगत रूप से लेते हैं, तो हम बड़े फैसले लेते हैं। हमें सोचना चाहिए कि हम जो कर रहे हैं वह सही है या नहीं। साथ ही हम किंग में किसी का पक्ष नहीं लेंगे। अगर आपको हमारा आइडिया पसंद आए, तो इसे जरूर अपनाएं। या फिर आप इसकी आलोचना भी कर सकते हैं।

इस इवेंट के दौरान एक प्रशंसक ने चिल्लाकर कहा कि उनके मन में शाहरुख के लिए बहुत सारा प्यार है। इस पर तुरंत ही शाहरुख ने मजेदार अंदाज में कहा कि मेरे साथ फिल्म में दीपिका पादुकोण भी हैं। इसलिए प्यार तो जरूर ही होगा। शाहरुख के इस बयान के बाद ही ऐसे कयास लगाए जाने लगे हैं कि फिल्म में दीपिका और शाहरुख के बीच लव एंगल दिखाया जाएगा। फैंस इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

अभी तक सामने नहीं आई रिलीज डेट

'किंग' अगले साल 2026 में रिलीज होनी है। अभी तक फिल्म की रिलीज डेट सामने नहीं आई है। इस फिल्म में एक बड़ी स्टारकास्ट नजर आएगी। 'किंग' में शाहरुख के साथ उनकी लाडली सुहाना खान भी नजर आएंगी। इसके अलावा फिल्म में दीपिका पादुकोण, जयदीप अहलावत, अनिल कपूर, रानी मुखर्जी और जैकी श्रॉफ भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

एक्टिंग से विराम लिया था, लेकिन दिल हमेशा सिनेमा से जुड़ा रहा

90 के दशक की लोकप्रिय और प्रतिभाशाली अभिनेत्री शिल्पा शिरोडकर एक बार फिर सुर्खियों में हैं। लंबे अंतराल के बाद वह फिल्म 'जटाधारा' से बड़े पर्दे पर दमदार वापसी कर रही हैं। खास बातचीत में शिल्पा ने अपने इस नए सफ़र, फिल्मों से दूरी और एक नए दौर की शुरुआत को लेकर दिलचस्प बातें साझा कीं। उन्होंने बताया कि विदेश में बसने के कारण उन्होंने एक्टिंग से विराम लिया था, लेकिन उनका दिल हमेशा सिनेमा से जुड़ा रहा। शिल्पा अब एक गहराई भरे निगेटिव किरदार 'शोभा' में दिखेंगी — जो लालच, महत्वाकांक्षा और भीतर की जद्दोजहद से जूझती एक जटिल महिला है।

शिल्पा जी, आपने 90 के दशक में कई फिल्में कीं और फिर अचानक स्क्रीन से गायब हो गईं। दर्शकों ने आपको बहुत मिस किया। उस ब्रेक के पीछे क्या वजह थी?

यह मेरा बहुत ही सोच-समझकर लिया गया फैसला था। शादी के बाद मैंने खुद को एक्टिंग से दूर कर लिया था, क्योंकि हम विदेश चले गए थे। पहले नीदरलैंड, फिर न्यूज़ीलैंड और बाद में लंदन में रहते हुए बॉलीवुड में काम जारी रखना मुश्किल था। हाँ, अगर मैं मुंबई में रहती, तो ज़रूर काम करती रहती, लेकिन विदेश में बसने का मतलब था कि मुझे अपने नए जीवन और परिवार को प्राथमिकता देना, जो मैंने किया।

उस दौर में आपने अमिताभ बच्चन, अनिल कपूर, गोविंदा, सुनील शेट्टी और मिथुन चक्रवर्ती जैसे बड़े नामों के साथ काम किया। वह अनुभव कैसा रहा?

वो अनुभव मेरे लिए एक आशीर्वाद जैसा था और मैंने उनसे काफी कुछ सीखा। काम से ज्यादा मैंने उन सबसे प्रोफेशनलिज़्म सीखा। हालांकि मैं हमेशा से ही अमिताभ जी की बहुत बड़ी प्रशंसक रही हूं। इसके अलावा अनिल कपूर, मिथुन दा और सुनील शेट्टी भी मेरे लिए बहुत सपोर्टिव रहे हैं। हालांकि उस दौरान सेट पर एक परिवार जैसा माहौल रहता था। सब एक-दूसरे को प्रोत्साहित करते थे और हर दिन एक नई ऊर्जा के साथ काम होता था।

आपकी फिल्म जटाधारा रिलीज़ होने जा रही है। इस फिल्म से आपकी क्या उम्मीदें हैं?

जटाधारा हम सभी के लिए एक सफ़र जैसा रहा है और मुझे पूरी उम्मीद है कि यह दर्शकों के लिए भी एक शानदार सफ़र होगा। यह कहानी बहुत अलग और प्रभावशाली है। यह उन फिल्मों में से है, जो देखने के बाद भी आपके साथ रहती है। हमने इसमें दिल से मेहनत की है। हर किरदार की अपनी गहराई और पहचान है, और मुझे यक़ीन है कि दर्शकों को हर किरदार में खुद से जुड़ाव महसूस होगा।

जटाधारा में आपके किरदार की क्या खासियत थी, जिसने आपको यह रोल करने के लिए प्रेरित किया?

उत्तर- इस फिल्म में मैं शोभा का किरदार निभा रही हूं और मुझे उसकी जटिलता ने बहुत आकर्षित किया। वह लालच में डूबी हुई है और अपने सामान्य जीवन से ऊब चुकी है। उसे ऐश्वर्य, ताकत और शोहरत चाहिए। यह मेरा पहला निगेटिव रोल है, और यही चीज़ मुझे सबसे ज़्यादा रोमांचित कर रही थी। मैं ज़्यादा नहीं बता सकती, पर यह ज़रूर कहूंगी कि सभी को यह फिल्म ज़रूर देखनी चाहिए!

जटाधारा में आपके किरदार को लेकर काफी चर्चा है। आप इस फिल्म से कैसे जुड़ीं?

यह सब मेरे बिग बॉस से निकलने के बाद शुरू हुआ। वहां से निकलते ही जटाधारा की निर्माता प्रेरणा अरोड़ा ने मुझसे संपर्क किया और इस रोल के बारे में बताया। जैसे ही मैंने किरदार के बारे में सुना, मैं तुरंत उस किरदार की तरफ आकर्षित हो गई। कहानी में एक सच्चाई और कच्चापन था, जो मेरे दिल को छू गई। मैंने बिना वक्त गंवाए अपना काम शुरू कर दिया और सब कुछ बहुत खूबसूरती से जुड़ता चला गया।

इतने सालों बाद एक ऐसी फिल्म के साथ वापसी करना, जो सामाजिक और पौराणिक दोनों पहलुओं को छूती है। क्या आपको कोई दबाव महसूस हुआ?

बिल्कुल नहीं। पहले दिन से ही मुझे इस फिल्म और इसकी कहानी पर पूरा विश्वास था। मेरे को-स्टार्स, निर्देशक और निर्माता सब बहुत सपोर्टिव थे। सच कहूँ तो दबाव की बजाय काफी उत्साह था, क्योंकि मेरे लिए यह बिल्कुल नया अनुभव था।

इस फिल्म के लिए आपने कोई खास तैयारी की थी?

सच कहूं तो शोभा बनने के लिए तैयारी से ज़्यादा, अपने किरदार को समझने की ज़रूरत थी। हालांकि टीम ने इस पूरी प्रक्रिया में मेरी बहुत मदद की। इसके अलावा कहानी इतनी साफ़ और स्पष्ट थी कि सेट पर जाते ही मैं अपने किरदार में ढल जाती थी।

क्या आप भविष्य में फिर से इसी टीम के साथ काम करना चाहेंगी?

बिल्कुल! सोनाक्षी एक शानदार आर्टिस्ट हैं। सेट पर उनके अंदर कोई अहंकार नहीं था। वह पूरी तरह निर्देशक की अभिनेत्री हैं और उनका जोश कमाल का था! आज-कल की भाषा में कहें तो हम दोनों की वाइब काफी मैच करती है, जैसे हम एक जैसी बातें करते हैं, एक जैसी चीज़ें पहनते हैं। पूरी टीम बहुत शानदार है और मैं सभी के साथ दोबारा काम करने का इंतज़ार कर रही हूं।

आपके कमबैक का सबसे बड़ा मंत्र क्या है?

सच कहूं तो कोई ख़ास मंत्र नहीं है। हाँ, यह ज़रूर कहूंगी कि फिल्मों से दूर रहने के बावजूद मेरा दिल हमेशा यहीं था। अब मैंने तय कर लिया है कि कभी कभी नहीं नहीं कहूंगी, बल्कि हर अवसर के साथ खुद को नया बनाती रहूंगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, राजेश चौधरी द्वारा वत्स ऑफसैट, मुद्दा हाउस, सी. ब्लॉक, बारात घर के सामने, सेक्टर-22, नोएडा से मुद्रित तथा ई-189, सेक्टर-63, नोएडा गौतमबुद्धनगर उ.प्र. से प्रकाशित।
संपादक: जितेन्द्र चौधरी, आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, फोन नं.: 9999511233, ई-मेल : vishalindianews@gmail.com, वेब : www.vishalindia.in